राजनीतिक दांव

TITLE CODE :-DELHIN29015

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित

जीत सत्य की...

पंडित नेहरू की 58वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, संवाददाता। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की 58वीं पुण्यतिथि के मौके पर शुक्रवार को उन्हें याद किया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने और सांसद राहुल गांधी ने इस मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

ऑल इंडिया कांग्रेस समिति ने शांति वन में पंडित नेहरू के समाधि स्थल पर शुक्रवार को एक स्मरण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने नेहरू के समाधि स्थल पहुंचकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

इसके साथ ही कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए पंडित नेहरू का एक विडियो साझा किया और ट्विट कर कहा, पंडित जवाहरलाल नेहरू के निधन के 58 साल बाद भी उनके विचार राजनीति और हमारे राष्ट्र के लिए धष्टिकोण उतने ही प्रासंगिक हैं जितने पहले थे। भारत के इस अमर सपूत के मूल्य हमेशा हमारे कार्यों और विवेक का मार्गदर्शन करें।

वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र की तरफ से भी ट्वीट किया गया है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा है, पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी नेहरू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते हुए उनके योगदान को याद किया। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा, आधुनिक स्वतंत्र भारत के निमार्ता और भारत को वैज्ञानिक, आर्थिक, औद्योगिक व विभिन्न क्षेत्रों में आगे ले जाने वाले भारत के प्रथम प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्वर्गीय पंडित जवाहर लाल नेहरू जी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन।

गौरतलब है कि 27 मई, 1964 को जवाहर लाल नेहरू ने अंतिम सांस ली थी। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने प्रधामनमंत्री के तौर पर करीब 17 साल तक देश की कमान संभाली थी।

लद्दाख में सैन्य गाड़ी पलटने से 7 जवान शहीद

श्रीनगर, एजेंसी। लद्दाख के तुरतुक सेक्टर में शुक्रवार को बड़ा हादसा हुआ। श्योक नदी में 26 जवानों को लेकर जा रहे एक वाहन के गिरने से भारतीय सेना के सात जवान शहीद हो गए हैं। दुर्घटना में 19 अन्य लोगों को गंभीर चोटें आईं हैं। एक अधिकारी ने बताया कि घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। इस बड़ी घटना पर राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सहित कई लोगों ने दुख व्यक्त किया है। इसके साथ ही उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

ओमप्रकाश चौटाला को चार साल की कैद

नयी दिल्ली। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के मामलों की सुनवाई करने वाली दिल्ली की एक विशेष अदालत ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय राष्ट्रीय लोक दल के नेता ओमप्रकाश चौटाला को आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में शुक्रवार को चार साल के कारावास की सजा और 50 लाख रुपये अर्थ दंड सुनाया। उन्हें पांच लाख रुपये जुमार्ना सीबीआई को देने का आदेश है।

अदालत ने इसके साथ ही चौटाला की चार अचल संपत्तियों को जब्त करने का भी आदेश दिया है। अदालत ने इस मामले में सुनवाई पूरी कर ली थी और सजा सुनाने के लिए आज की तिथि निर्धारित की थी।

चौटाला चार बार हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे। पहली बार वह दो दिसंबर 1989 से 22 मई 1990, दूसरी बार 12 जुलाई 1990 से 17 जुलाई 1990 तक, तीसरी बार 22 मार्च 1991 से छह अप्रैल 1991 तक और चौथी बर 24 जुलाई 1999 से पांच मार्च 2005 तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे थे।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने चौटाला के खिलाफ जांच के बाद 26 मार्च 2010 को चार्जशीट दाखिल की थी। जांच एजेंसी ने आरोप पत्र में कहा था कि 1993 से 2006 के बीच चौटाला ने अपने आय की ज्ञात स्रोतों से 6.09 करोड़ रुपये की अधिक संपत्ति जमा कर रखी थी। प्रवर्तन निदेशालय ने भी इस मामले में उनके खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कार्रवाई करते हुए नयी दिल्ली, पंचकुला और सिरसा में उनकी कुल 3.68 करोड़ रुपये के प्लॉट और फ्लैट 2019 में कुर्क कर लिए थे।

विशेष सीबीआई अदालत के न्यायाधीश विकास ढल ने अभियोजन पक्ष द्वारा दाखिल सबूतों और प्रस्तुत तर्कों तथा अभियुक्त का पक्ष सुनने के बाद चौटाला को भ्रष्टाचार निवारक अधिनियम की धारा 13(1)(ई) और 13(2) के तहत 23 मई 2022 को दोषी करार दिया था।

सत्तासी वर्षीय चौटाला के वकील ने अदालत से आग्रह किया था कि उनकी मुवक्किल की सजा तय करते हुए नरमी बरती जाये। उनका कहना था कि चौटाला शारीरिक रूप से 90 प्रतिशत पंगु हैं, उनके फेफड़े संक्रमित हैं और वह खुद अपने कपड़े नहीं बदल सकते तथा उन्हें चलने-फिरने के लिए हमेशा सहारे की जरूरत पड़ती है।

चौटाला के वकील ने यह भी कहा कि सजा तय करते समय यह तथ्य भी ध्यान में रखा जाए कि पूर्व मुख्यमंत्री हरियाणा में जेबीटी (जूनियर बेसिक ट्रेनिंग) शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में जेल की सजा काट चुके हैं और उन्होंने दसवीं और बारहवीं कक्षा की पढ़ाई तिहाड़ जेल में रहते हुए पूरी की। अभियोजन पक्ष ने प्रतिवादी पक्ष के वकील की इस प्रार्थना का विरोध करते हुए कहा कि इस मामले में जितना संभव हो, कठोर सजा दी जानी चाहिए, क्योंकि नरमी का समाज में गलत संदेश जायेगा।

चौटाला के वकील ने उनकी चिकित्सा जांच के लिए अदालत से चार दिन की मोहलत मांगी थी लेकिन विशेष न्यायाधीश श्री ढल ने इस अर्जी को नामंजूर कर दिया।

शासन में प्रौद्योगिकी के उपयोग में उदासीनता के चलते

2014 से पहले गरीबों को सर्वाधिक परेशानी हु ई: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि 2014 से पहले शासन में प्रौद्योगिकी के उपयोग के प्रति उदासीनता का माहौल था और इसके चलते गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए।

प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने ड्रोन सहित अन्य प्रौद्योगिकी की मदद से सेवाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाना सुनिश्चित किया है।

उन्होंने यहां देश के सबसे बड़े ड्रोन महोत्सव के उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ऐसे वक्त, जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, मेरा सपना है कि भारत में प्रत्येक व्यक्ति के हाथ में एक स्मार्ट फोन हो, हर खेत में एक ड्रोन हो और प्रत्येक घर में समृद्धि हो।

मोदी ने कहा कि भारत में ड्रोन प्रौद्योगिकी को लेकर जिस तरह का उत्साह देखा जा रहा है, वह अद्भुत है और यह इस उभरते क्षेत्र में रोजगार सृजन होने की संभावनाओं का संकेत देता है।

उन्होंने कहा कि आठ वर्ष पहले हमने सुशासन के नए मंत्रों को लागू करना शुरू किया और न्यूनतम सरकार तथा अधिकतम शासन के सिद्धांत पर चलते हुए जीवन और कारोबार की सुगमता को प्राथमिकता दी गयी।

मोदी ने कहा कि पहले की सरकारों के कार्यकाल में प्रौद्योगिकी को समस्या का हिस्सा समझा जाता था और इन पर गरीब विरोधी होने का ठप्पा लगाने के प्रयास किए जाते थे। इसके कारण 2014 से पहले के शासन में प्रौद्योगिकी के उपयोग को लेकर उदासीनता का माहौल था और इसका सबसे ज्यादा असर गरीबों, वंचितों और मध्यम वर्ग पर पड़ा। उन्होंने कहा, ड्रोन प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना सुशासन एवं जीवन को सुगम बनाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने का एक और माध्यम है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक वक्त था जब लोग राशन पाने के लिए घंटों लंबी कतारों में खड़े रहते थे,लेकिन पिछले सात से आठ वर्षों में इन बाधाओं को प्रौद्योगिकी की सहायता से दूर किया गया है।

उन्होंने दावा किया कि पहले ऐसा समझा जाता था कि प्रौद्योगिकी संबंधी अविष्कार गणमान्य लोगों के लिए है लेकिन, आज हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसी भी नई प्रौद्योगिकी की लाभार्थी सबसे पहले जनता बने। ड्रोन प्रौद्योगिकी इसका एक उदाहरण है।

उन्होंने दावा किया कि पूर्ववर्ती प्रौद्योगिकीय आविष्कारों को केवल संभ्रांत वर्ग के लिए माना जाता था। उन्होंने कहा, आज, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसी भी नई प्रौद्योगिकी के लाभार्थी पहले आम जन हों।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी ने अंतिम छोर तक आपूर्ति सुनिश्चित करने में बहुत मदद की है। उन्होंने कहा कि पीएम स्वामित्व योजना इस बात का उदाहरण है कि कैसे ड्रोन प्रौद्योगिकी बड़ी क्रांति का आधार बन रही है और इसके जरिए पहली बार गांवों में सभी संपत्तियों की माप डिजिटल तरीके से की जा रही है और लोगों को 65 लाख डिजिटल संपत्ति कार्ड दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि कृषि, खेल, रक्षा और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में ड्रोन का उपयोग बढ़ेगा।

कुछ माह पहले का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ड्रोन प्रौद्योगिकी पर अनेक प्रतिबंध थे, केन्द्र सरकार ने बेहद कम समय में ऐसे सभी प्रतिबंधों को समाप्त कर किया है। वह पिछले वर्ष नागर विमानन मंत्रालय द्वारा सरल किए गए ड्रोन नियमों का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार देश भर में स्वास्थ्य एवं आरोग्य केन्द्रों के नेटवर्क को मजबूत बना रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गांवों में दवाइयां और अन्य सामान पहुंचाना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है ड्रोन के जरिए ऐसे सामान बहुत जल्दी पहुंचाए जा सकेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश इस बात का गवाह रहा है कि किस तरह से कोविड-19 टीकों की शीघ्र आपूर्ति ड्रोन के जरिये की गई।

उन्होंने कहा कि लोग देखेंगे कि न सिर्फ शहरी इलाकों में बल्कि ग्रामीण इलाकों में भी ड्रोन उपयोगी साबित होंगे।

उन्होंने कहा, मैं निवेशकों को एक बार फिर आमंत्रित करता हूं क्योंकि भारत और विश्व के लिए उन्नत ड्रोन प्रौद्योगिकी बनाने के लिए यह सही समय है।

उन्होंने युवाओं से ड्रोन के क्षेत्र में और नए स्टार्टअप विकसित करने को कहा और उम्मीद जताई कि देश के पुलिस बल के लिए भी ड्रोन उपयोगी साबित होंगे।

राष्ट्रीय राजधानी में दो दिवसीय 'भारत ड्रोन महोत्सव 2022' आयोजित किया जा रहा है। शुक्रवार महोत्सव का पहला दिन है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी के अलावा नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव और ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह भी मौजूद थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंधिया ने कहा कि ऐसे विचार से बढ़कर कोई चीज नहीं है,

मोदी ने ड्रोन महोत्सव में उडाया ड्रोन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज यहां ड्रोन महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद खुद ड्रोन भी उडाया। श्री मोदी ने शुक्रवार को यहां प्रगति मैदान में भारत ड्रोन महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद खुद ड्रोन उडाने में भी हाथ आजमाया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें प्रधानमंत्री ड्रोन उडाते दिख रहे हैं। श्री मोदी जब ड्रोन उडा रहे थे तो उनके साथ केन्द्रीय नागरिक उडय्यन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी खड़े थे। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री ने जिस ड्रोन को उडाया वह बेंगलुरू स्थित स्ट्रार्टअप ने बनाया था और इसका इस्तेमाल निगरानी के काम के लिए किया जाता है। इस मौके पर श्री मोदी ने किसान ड्रोन पायलटों के साथ बातचीत भी की और उनका उत्साहवर्धन किया।

नौसेना की तैयारी हिन्द महासागर में शांति और समृद्धि के लिए: राजनाथ

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि नौसेना अपनी ताकत बढाने के लिए जो तैयारी कर रही है वह किसी देश के खिलाफ नहीं बल्कि हिन्द महासागर क्षेत्र में शांति और समृद्धि के लिए है।

श्री सिंह शुक्रवार को कारवाड़ नौसैनिक अड्डे से नौसेना की स्वदेशी पनडुब्बी खंडेरी में सवार हुए और पनडुब्बी की पानी के भीतर की गतिविधियों तथा क्षमता का जायजा लिया। बाद में उन्होंने कहा, इंडियन नेवी की ताकत को बहुत नजदीक से दिखाने के लिए मैं नेवी चीफ एडमिरल हरि कुमार, वाइस एडमिरल अजेंद्र बहादुर सिंह और उनकी पूरी टीम को धन्यवाद देता हूं और उन्हें बधाई देता हूं कि उन्होंने भारत की सुरक्षा के प्रति मुझे और भी अधिक भरोसा दिया है। हमारी इंडियन नेवी की जो भी तैयारियां हो रही है, वह किसी के खिलाफ नही है, बल्कि इस पूरे हिन्द महासागर क्षेत्र में सभी की शांति और समृद्धि के लिए है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि खंडेरी में नौसेना की ताकत का अनुभव करने के बाद उनका भरोसा और भी पक्का हो गया है कि नौसेना हर स्थिति और परिस्थिति का सफलातपूर्वक सामना करने में सक्षम है। उन्होंने कहा, आज मुझे 'आई.एन.एस. खंडेरी' जो कि इंडियन नेवी की 'अटैक सबमरीन' है उसमें 'सार्टी' करने का मौका मिला। मैंने बहुत करीब से भारतीय नौसेना की पानी के भीतर की क्षमता को देखा। मैंने आज जो कुछ भी अनुभव किया उसके बाद मेरा भरोसा और भी पक्का हो गया है कि इंडियन नेवी एक ऐसी 'आधुनिक, सक्षम और विश्वसनीय ' फोर्स है जो कि हर स्थिति और परिस्थिति में सर्तक, बहादुर और विजयी रहने में सक्षम है। ह्व

उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना की गिनती दुनिया की अग्रणी नौसेनाओं में होती है और दुनिया की बड़ी बड़ी समुद्री ताकत भारत के साथ काम करने और सहयोग करने को तैयार है।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष हम आजादी का 'अमृत महोत्सव' मना रहे हैं तो देश में ही बना विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत लोकार्पण के लिए तैयार हो रहा है। विक्रांत और विक्रमादित्य मिलकर देश की समुद्री सुरक्षा को बहुत बड़ी मजबूती देंगे। नौसेना ने हाल ही में जिस तेज गति से नौसैनिक प्लेटफार्म लांच किये हैं उससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के अभियान को काफी मजबूती मिली है।

श्री सिंह ने कहा कि आईएनएस खंडेरी का लोकार्पण खुद उन्होंने ही किया था और यह मेक इन इंडिया क्षमता का शानदार उदाहरण है।

सीबीआई ने कार्ति चिदंबरम से दूसरे दिन की पूछताछ

नयी दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित रूप से रिश्वत लेकर कुछ चीनी नागरिकों को वीजा देने के एक मामले में दूसरे दिन शुक्रवार को भी कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम से लंबी पूछताछ की। सूत्रों ने बताया कि जूनियर चिदंबरम से केंद्रीय जांच एजेंसी ने अपने मुख्यालय में पूछताछ की। वर्ष 2011 के इस मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम के पुत्र से गुरुवार को करीब नौ घंटे तक पूछताछ पूछताछ की थी। इस बीच, कांग्रेस सांसद ने आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र भी लिखा, जिसमें आरोप लगाया गया कि पिछले सप्ताह उनके ठिकानों पर छापेमारी के दौरान सीबीआई ने नियमों को ताक पर रखकर केंद्रीय सूचना और प्रौद्योगिकी की संसदीय स्थायी समिति से संबंधित अत्यधिक गोपनीय कागजात जब्त कर लिए थे। उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि वह संसदीय समिति के सदस्य हैं और सीबीआई की यह कार्रवाई 'संसदीय विशेषाधिकार का उल्लंघन' है। चिदंबरम ने अपने पत्र में लिखा, मैं पूरी तरह से अवैध और असंवैधानिक कार्रवाई का शिकार हो गया हूं। उन्होंने पत्र में लिखा कि देशभर में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी के दौरान सीबीआई अधिकारियों ने सूचना और प्रौद्योगिकी की संसदीय स्थायी समिति से संबंधित अत्यधिक गोपनीय कागजात जब्त किए, जो सदस्य के तौर पर कि उनके पास थे। सीबीआई ने इस मामले में एक प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसमें कार्ति करीबी एस. भास्कररमन को नंबर एक आरोपी बनाया था। आरोप है कि इसी ने कार्ति की ओर से चीनी कंपनी से जुड़े लोगों को वीजा जारी करने के लिए 56 लाख रुपये रिश्वत लिए थे।

कार्ति को दूसरे जबकि अज्ञात/लोक सेवक और निजी व्यक्ति को छठे आरोपी के रूप में प्राथमिकी में नाम दर्ज किया गया है। सीबीआई ने मुकदमा दर्ज करने के बाद पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के चेन्नई स्थित आवास और नई दिल्ली में उनके आधिकारिक आवास, मुंबई, कोप्पल (कर्नाटक) सहित 10 स्थानों पर छापेमारी की थी।

हाथ जोड़कर बस्ती को लूटने वाले, भरी सभा में सुधारों की बात करते हैं : योगी

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में शुक्रवार को कहावतों और मुहावरों से विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नजर नहीं है नजारों की बात करते हैं, जमीं पर चांद सितारों की बात करते हैं। हाथ जोड़कर बस्ती को लूटने वाले, भरी सभा में सुधारों की बात करते हैं। उन्होंने एक मनीषी की बात का हवाला देते हुए कहा कि ह्यअभिमान तब आता है जब हमें लगता है हमने कुछ किया है, और सम्मान तब मिलता है जब दुनिया को लगता है आपने कुछ किया है।

सीएम योगी शुक्रवार को विधानसभा सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोल रहे थे। सीएम योगी विधानसभा में बजट सत्र के पांचवें दिन अपने पूरे रौ में दिखे। उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए नसीहत भी दी और अपनी सरकार की उपलब्धियों को तथ्यों के साथ पूरी मजबूती से सदन में रखा। उन्होंने सिलसिलेवार विपक्ष के हर सवाल का जवाब दिया। उन्होंने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की तुलना पश्चिम बंगाल से करते हुए सीएम ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास के लिए रास्ते अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन हमें मिलकर आगे बढ़ना होगा। सीएम योगी ने कानून व्यवस्था, शिक्षा, एक्सप्रेस वे, पिछली सरकार के घोटाले, मेट्रो, स्वास्थ्य, कोरोना, उज्ज्वला योजना, शौचालय, निराश्रित गोवंश, चुनाव में यहां बंगाल से एक दीदी आई थीं। जबकि उनके अपने राज्य में चुनाव के दौरान व्यापक हिंसा की घटनाएं हुईं। विधानसभा की 294 में से 142 सीटों पर हिंसक घटनाएं घटी थीं। 25 हजार बूथ प्रभावित हुए थे। भाजपा के 10 हजार से अधिक कार्यकर्ता शेल्टर होम में जाने को मजबूर हुए थे। 57 लोगों की निर्मम हत्या हुई। 123 महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार हुआ। यह सब उस वेस्ट बंगाल में हुआ, जहां की आबादी यूपी की आबादी से आधी है। उत्तर प्रदेश में चुनाव के बाद भी और पहले भी कोई हिंसा नहीं हुई। उन्होंने सवाल किया कि क्या यहां भाजपा की सरकार नहीं होती तब भी ऐसा होता? नहीं होता। उन्होंने कहा कि हमको संकट में दलीय प्रतिस्पर्धा से ऊपर उठकर खड़ा होना पड़ेगा। अटल जी ने इसे कर-के दिखाया था, सोच अगर होती तो ऐसी स्थिति उत्पन्न न होती।

जीडीपी, इंवेस्टमेंट, बिजली, किसान और रोजगार पर आंकड़ों के साथ सदन में अपनी बात रखी।

उत्तर प्रदेश में चुनाव के बाद और पहले कोई हिंसा नहीं हुईः योगी

उन्होंने कहा कि विधानसभा

यूपी को मेडिकल हब बनाने में आयुर्वेद निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश मेडिकल टूरिज्म का हब बनाने की दिशा में योगी सरकार ने अपने कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। इसमें आयुर्वेद की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। यही वजह है कि सरकार आयुर्वेद को खासा प्रोत्साहन दे रही है।

साल 2017 के बाद यूपी की कमान संभालते ही युद्धस्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं में तेजी से इजाफा किया। बेहतर हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्च र के लिए प्रदेश के सीमावर्ती व अन्य क्षेत्रों में सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालयों की स्थापना करने का निर्णय लिया है। प्रदेश में अन्तर राज्यीय और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना किए जाने का निर्णय सरकार ने लिया है जिससे एक ओर प्रदेश में रेफरल केसों की संख्या में काफी कमी आएगी, वहीं उत्तर प्रदेश मेडिकल टूरिज्म का हब बनेगा। इसके लिए योगी सरकार ने साल वित्तीय वर्ष 2022-2023 के बजट में 25 करोड़ रूपए की धनराशि प्रस्तावित की है।

दरअसल आयुर्वेद भारत की अपनी और प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति है। बिना किसी दुष्प्रभाव के रोगों के रोकथाम या निरोग करने की विधा। इसीलिए इसे दीघार्यु का विज्ञान, भी कहा जाता है। आयुर्वेद विश्व की प्राचीनतम चिकित्सा प्रणालियों आयुर्विज्ञान, विज्ञान की वह शाखा है जिसका सम्बन्ध मानव शरीर को निरोग रखने, रोग हो जाने पर रोग से मुक्त करने अथवा उसका शमन करने तथा आयु बढ़ाने से है। एलोपैथ के इस जमाने में भी अधिकतर लोग प्राथमिक इलाज के लिए आयुर्वेद का ही सहारा लेते हैं। वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान पूरी दुनिया ने आयुर्वेद का लोहा खासकर शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में माना। आयुर्वेद एक प्राचीन और प्राकृतिक चिकित्सा का तरीका है। कई हजार वर्षों से आयुर्वेद का इस्तेमाल स्वास्थ्य के तमाम गंभीर रोगों के उपचार के लिए होता चला आ रहा है। आयुर्वेद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गोरखपुर में आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए योगी सरकार ने बजट में 113 करोड़ 52 लाख रुपए की धनराशि प्रस्तावित की है।

आयुर्वेद की इन्हीं खूबियों की वजह से उत्तर प्रदेश सरकार आयुर्वेद को बढ़ावा दे रही है। करीब 268 करोड़ रुपये की लागत से 52 एकड़ के परिसर में प्रदेश का पहला आयुष विश्वविद्यालय महायोगी गुरु गोरक्षनाथ के नाम से निमार्णाधीन है। 28 अगस्त 2021 को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने इसका शिलान्यास किया था। इसके अलावा आयुष मिशन योजना के तहत अयोध्या में राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय की स्थापना की जा रही है। इसी योजना के तहत उन्नाव, श्रावस्ती, हरदोई, संभल, गोरखपुर एवं मीरजापुर में 50-50 बेड वाले एकीकृत आयुष चिकित्सालयों की भी स्थापना की जा रही है।

नॉन इंटरलॉक कार्य के चलते कई ट्रेनें प्रभावित

लखनऊ, एजेंसी। मध्य रेल के टिटोली स्टेशन पर नॉन इंटरलॉक कार्य किये जाने के कारण गोरखपुर-पनेवल एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों का रेगुलेशन एवं रि-शिड्यूलिंग किया जायेगा। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि उक्त कार्य के चलते कई ट्रेनें प्रभावित रहेंगी।

लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 28 मई को प्रस्थान करने वाली 15066 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस लोकमान्य तिलक टर्मिनस से पुनर्निधारित कर शाम 06.30 बजे चलायी जायेगी। गोरखपुर से 27 मई को प्रस्थान करने वाली 15065 गोरखपुर-पनवेल एक्सप्रेस इगतपुरी से नियंत्रित कर पनवेल 02 घंटा 30 मिनट विलम्ब से शाम 05.15 बजे पहुंचेगी। गोरखपुर से 27 मई को प्रस्थान करने वाली 15018 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस आवश्यकतानुसार नियंत्रित कर लोकमान्य तिलक टर्मिनस 40 मिनट विलम्ब से पहुँची। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 31 मई को प्रस्थान करने वाली 11059 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस लोकमान्य तिलक टर्मिनस से रि-शिड्यूल कर अपरान्ह 12.15 बजे चलायी जावेगी तथा इगतपुरी शाम 04.20 बजे पहुंचकर 04.25 बजे छूटेगी। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 31 मई को प्रस्थान करने वाली 11061 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस लोकमान्य तिलक टर्मिनस से रि-शिड्यूल कर 12.30 बजे चलायी जावेगी तथा इगतपुरी शाम 04.25 बजे पहुंचकर 04.30 बजे छूटेगी। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 31 मई को प्रस्थान करने वाली 15066 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस रि-शिड्यूल कर शाम 08.30 बजे चलायी जायेगी तथा इगतपुरी रात्रि 11.20 बजे पहुंचकर 11.25 बजे छूटेगी।

ज्ञानवापी मस्जिद में जुमे की नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हुयी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद में शुक्रवार को भारी सुरक्षा इंतजामों के बीच जुमे की नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हो गयी।

मस्जिद में जुमे की नमाज अता करने के लिये भारी तादाद में लोग एकत्र हुए थे। गौरतलब है कि मस्जिद परिसर में स्थित श्रृंगार गौरी की नियमित पूजा अर्चना की मांग को लेकर अदालत में पेश अर्जी पर जारी सुनवाई के कारण ज्ञानवापी प्रकरण इन दिनों चर्चा में है।

सुनवाई के दौरान अदालत के आदेश पर मस्जिद परिसर में वीडियोग्राफी सर्वे कराया गया। सर्वे में हिंदू प्रतीक चिन्हों की मौजूदगी के सबूत मिलने की बात सामने आने बाद अदालत के आदेश पर ज्ञानवापी परिसर के भीतर और बाहर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं।

मस्जिद परिसर में जुमे की नमाज के मद्देनजर शुक्रवार को

मस्जिद परिसर में भारी भीड़ एकत्र होने की संभावना को देखते हुए पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबल के जवानों को तैनात किया गया था। इस दौरान मस्जिद परिसर में सील किये गये वजूखाने के आसपास केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवान तैनात है और मीडियाकर्मियों को भी श्रृंगार गौरी मंदिर से दूर ही रह कर काम करने को कहा गया था। गौरतलब है कि अदालत के आदेश पर मस्जिद परिसर में वजूखाना और उसके पास के उस स्थान को सील किया गया है जहां 'शिवलिंग' मिलने की बात कही गयी थी। वजूखाना सील होने के बाद वजू के लिये पानी के वैकल्पिक इंतजाम किये गये हैं।

इस बीच विश्व वैदिक सनातन संघ के प्रमुख जितेन्द्र सिंह ने जितेन्द्र सिंह ने वजूखाने के पास मिले कथित शिवलिंग जिसे मुस्लिम पक्ष फव्वारा बता रहा है, की सुरक्षा पर चिंता जताते हुए वाराणसी स्थित चौक पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करायी है।

ज्ञानवापी वीडियोग्राफी की प्रतिलिपि 30 मई को मिल सकती है संबद्ध पक्षकारों को

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद प्रकरण की अगली सुनवाई तिथि 30 मई को वादी और प्रतिवादी पक्ष को वीडियोग्राफी सर्वे की वीडियो प्रतिलिपि (चिप) और फोटोग्राफ सौंपे जा सकते हैं। जिला न्यायाशीधडा अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में वीडियोग्राफी सर्वे की रिपोर्ट के संबंध में आपत्तियां दाखिल करने के लिये दोनों पक्षों को एक सप्ताह का समय दिया गया था। वादी और प्रतिवादी पक्ष की ओर से अदालत से अनुरोध किया गया है कि उन्हें वीडियोग्राफी प्रतिलिपि और फोटोग्राफ भी प्रदान किये जायें। हिंदू पक्ष के एक अधिवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि प्रतिलिपि लेने के लिये आज वह अदालत गये थे।

संक्षिप्त समाचार

सत्र में बेटी सुरक्षा पर झूठ का पुलिंदा सुना रही भाजपा : अखिलेश

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरों के आंकड़े बताते हैं कि सबसे ज्यादा घटनाएं उत्तर प्रदेश में हुई हैं। जिस तरीके से भाजपा सरकार चल रही है उससे हर वर्ग परेशान है। भाजपा विधायक थाने चला रहे हैं। सरकार ये दावे करती है कि चीनी मिले बिकी हैं। एक भी नाम बता दे कि समाजवादी सरकार में कौन मिल बिकी है। अखिलेश ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि मंडी व्यवस्था को भाजपा सरकार ने बर्बाद कर दिया है। सरकार किसानों की मदद के बजाय उन्हें धोखा दे रही है। नीति आयोग के आंकड़े यूपी की सच्चाई बता रहे हैं। स्कूलों में अभी तक किताबे नहीं मिली, ड्रेस नहीं दे पाए, जूते मोजे नहीं दे पाए। पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार ने गेहूं की खरीद नहीं की। बड़े-बड़े उद्योगपतियों से मिली भगत कर गेहूं खरीदवा दिया, अब आटा महंगा करा दिया। अभ्यर्थी भर्ती कैंसिल करने की मांग कर रहे हैं। योगी सरकार पर हमलावर होते हुए कहा कि दारोगा भर्ती पेपर लीक, सौ से ज्यादा लोग पकड़े गए। यूपीएसएससी लोअर सबआरडीनेट पेपर लीक, ट्यूवेलआपरेटर पेपर लीक, यूपी आरक्षी नागरिक पुलिस के पर्चे गलत बंटे, ग्राम्य विकास की भर्ती में धांधली हुई। समाजवादी सरकार में पूरी पारदर्शिता से नौकरियों में भर्ती हुई थी। अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री जी बजट सत्र में कानून व्यवस्था और बेटी सुरक्षा पर झूठ के पुलिंदे सुना रहे है वहीं जंगलराज के तले बेखौफ दरिन्दे बेटियों से दुष्कर्म कर रहे हैं।

डीआरएम कार्यालय पर रेल यूनियन का विरोध प्रदर्शन

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी के अशोक मार्ग स्थित एनईआर डीआरएम कार्यालय परिसर में शुक्रवार को एनई रेलवे मजदूर यूनियन के पदाधिकारियों ने बोर्ड के एक निर्णय के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे नरमू संगठन के मंडल मंत्री अजय कुमार वर्मा ने बताया कि रेलवे बोर्ड ने आगामी 31 मई तक सभी जोनल मुख्यालयों को निर्देशित किया है कि जो भी रिक्त पद हैं, उसमें से 50 फीसद पदों को अभ्यर्पित कर लिया जाये। उन्होंने कहा कि नियमतः पूर्व में यही मत रहा कि ऐसे निर्णयों का क्रियान्वयन रेल यूनियन की सहमति या फिर वाद-संवाद के जरिये ही होगा। यूनियन नेता ने कहा कि रेल मंत्री भारत सरकार को इस आदेश को निरस्त करने के लिये डीआरएम एनईआर लखनऊ मंडल के माध्यम से एक लिखित ज्ञापन भी दिया गया। विरोध प्रदर्शन में संदीप, प्रवीण, मनोज सिंह, गौस मोहम्मद, मो. शाहिद, डीएन मौर्या, सुषमा सिंह, प्रीती व मधु पांडेय सहित अन्य नरमू पदाधिकारी शामिल रहें।

अंतरराष्ट्रीय फाइटर क्वीन जेवा बानो का स्वागत

लखनऊ/गोसाईगंज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अमेठी कस्बे में जन्मी फाइटर क्वीन जेबा बानो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लखनऊ का नाम रौशन कर रही है। जेबा की प्रारंभिक पढ़ाई अमेठी कस्बे में ही हुई है। 2006 में वह आगे की पढ़ाई के लिए दिल्ली चली थी। स्पोर्ट अकेडमी ऑफ इंडिया में 5 साल प्रशिक्षण के बाद मिक्स मार्शल आर्ट (एमएमए) की वन चैंपियनशिप के लिए सिंगापुर खेलने गई थी। जेबा का वन चैम्पियनशिप से 6 अंतर्राष्ट्रीय फाइट का एग्रीमेंट हुआ है। अब जेबा की अगली फाइट अमेरिका में होनी है।सिंगापुर से खेल कर वापस अमेठी लौटी जेबा का स्वागत क्षेत्रवासियों ने गर्म जोशी से किया।शुक्रवार को अमेठी पब्लिक स्कूल में जेबा बानो के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सहायक पुलिस आयुक्त गोसाईगंज स्वाति चौधरी ने पत्रकार इरफान अब्बासी के पिता अबरार हुसैन अब्बासी के सहयोग से बेटी जेबा बानो को 51 हजार की सम्मानित राशि का चेक प्रदान किया और अमेठी पब्लिक स्कूल विद्यालय प्रबंधन की तरफ से व कार्यक्रम में उपस्थित क्षेत्र के काफी लोग ने अनेक तरह के उपहार भी जेबा बानो को दिए।कार्यक्रम में स्कूल के प्रबंधक गुलाम साबिर,उप प्रबंधक नेहाल अहमद,प्रधानाचार्य असित कुमार मिश्रा,अबरार हुसैन अब्बासी, सचिन सभासद,रिजवान सभासद, रजनीश वर्मा,रशीद मंसूरी,शीबा बानो, अमरीन बानो,सायमा बानो,नंद किशोर वर्मा सहित क्षेत्र के अन्य संभ्रांत लोग उपस्थित रहे।

अफसरों और नेताओं के खिलाफ गरजे भाजपा के विधायक

बुलंदशह, एजेंसी। बुलंदशहर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष और सदर सीट से भाजपा विधायक प्रदीप चौधरी शुक्रवार को विधानसभा के अंदर जमकर गरजे। उन्होंने जिला पंचायत मॉल का मुद्दा विधानसभा में उठाते हुए कहा कि मुझे अफसरों और कुछ सदस्यों ने षड्यंत्र के तहत जिला पंचायत अध्यक्ष के पद से हटा दिया। मेरे हटते ही करोड़ों रुपए का बंदरबांट किया गया। मैंने खूब शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने पूर्व जिला पंचायत अधिकारी प्रदीप कुमार का नाम लेते हुए कहा कि उसने करोड़ों रुपए डकार लिए। इसके बाद जांच की सुगबुगाहट होते ही अपना ट्रांसफर कराकर वह निकल गया।

जिले में तुलसी की खेती बनी फायदे का सौदा : आयुक्त

बंगरा के किसान तुलसी की खेती से हुए मालामाल

झांसी, एजेंसी। बुन्देलखंड में तुलसी की खेती से किसानों की आय निश्चित रुप से बढ़ी है। जिले के बंगरा क्षेत्र में प्रगतिशील किसानों ने 2014 में 300 एकड़ क्षेत्र में तुलसी की पैदावार की जाती थी, जोकि आज बढ़कर 1200 एकड़ में तुलसी की खेती की जा रही है, इससे किसानों द्वारा चना, मटर, मूंग, उर्द की खेती पर निर्भर न होकर ऐसी फसल का लाभ लिया गया। जिससे इस फसल के उत्पादन में कम पानी की आवश्यकता होती है और इसको पशुओं द्वारा नुकसान नही पहुंचाया जाता है, मात्र बारिश के पानी से ही तुलसी की फसल तैयार हो जाती है। आयुक्त झांसी डा अजय शंकर पाण्डेय ने विकास खण्ड बंगरा के ग्राम पठाकरका में तुलसी की खेती के सफलतम प्रयास के अन्तर्गत तुलसी उत्पादन के भण्डारण को देखा। उन्होंने भण्डारण को देखकर उपस्थित किसानों से सीधे संवाद करते हुये इस फसल के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने बताया कि उत्तम किस्म की तुलसी का बीज यहां के किसानों के लिये प्राथमिकता पर मिलना चाहिए, जिससे इसकी पैदावार में निरंतर गति प्रदान की जा सके। आयुक्त ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिये कि ऑर्गेनिक कम्पनियों से क्षेत्र में प्रोसेसिंग के साथ ही पैकेजिंग यूनिट प्लांट की स्थापना हेतु वार्ता करें, जिससे तुलसी फसल को बिजनेस मोड पर लाकर क्षेत्र के किसानों को और अधिक मुनाफा उपलब्ध कराया जा सके।

मण्डलायुक्त ने कृषि तथा उद्यान विभाग को इस क्षेत्र में गोष्ठियां आयोजित कर फसल उत्पादन के लिये प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा सरल भाषा में हैण्डबिल/पम्पलेट तैयार कराने के निर्देश दिये। बुन्देलखण्ड की जलवायु तुलसी के लिये काफी मददगार साबित हो रही है, जिससे इस क्षेत्र में पैदावार बढ़ने से गांव-गांव में गोदाम की आवश्यकता होगी। तुलसी के डण्डल को हवन सामग्री में प्रयोग करने के लिये विभिन्न कम्पनियों से वार्ता करने के लिये धार्मिक दृष्टिकोण से भी तुलसी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने तुलसी के साथ ही अश्वगंधा की खेती की शुरूआत करने पर किसानों को प्रोत्साहित किया। बंगरा क्षेत्र के एफपीओ के निदेशक पुष्पेन्द्र यादव ने बताया कि पहले मात्र पांच गांवों में तुलसी की पैदावारी की जाती थी, लेकिन अब 10-12 गांवों में इसकी पैदावार की जाती है। उन्होने बताया कि पतंजलि, ऑर्गेनिक इण्डिया कम्पनी द्वारा क्षेत्र के किसानों का रजिस्ट्रेशन किया गया है और तुलसी के इस माल की धनराशि किसानों को उनके खाते में उपलब्ध करा दी गयी है। इससे किसान पूर्ण रुप से संतुष्ट है कि तुलसी की फसल कम लागत में अधिक मुनाफे वाली फसल साबित हो रही है, इसमें किसी प्रकार का घाटा नही है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी शैलेष कुमार, संयुक्त कृषि निदेशक एसएस चौहान, उप निदेशक उद्यान विनय यादव, सहायक आयुक्त सहकारिता उदयभानु, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के डॉ सत्यवीर सिंह, मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक आनन्द चौबे, एफपीओ पुष्पेन्द्र यादव, ग्राम प्रधान सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के प्रगतिशील किसान व तुलसी फसल उत्पादक किसान भी उपस्थित थे।

गोल्ड व सिल्वर मेडल पाकर खिल उठे छात्रों के चेहरे

- प्रो.जावेद ने छात्रों को देश का नाम रौशन करने के लिए किया प्रेरित,-इंटीग्रल विवि में डिप्लोमा वितरण समारोह का आयोजन

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी में कुर्सी रोड स्थित इंटीग्रल विश्वविद्यालय के पॉलिटेक्निक विभाग का डिप्लोमा वितरण समारोह शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिसर के सेंट्रल सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डा.के.एम. मुईद प्रिंसिपल पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी के स्वागत उद्बोधन से किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रो. प्रदीप कुमार मिश्रा उप-कुलपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम यूनिवर्सिटी शामिल हुए। इसके अलावा कार्यक्रम की अध्यक्षता इंटीग्रल विश्वविद्यालय के वीसी प्रो.जावेद मुसर्रत ने की। इस मौके पर कुलपति सलाहकार प्रो. अकील अहमद, रजिस्ट्रार प्रो.मोहम्मद हारिस सिद्दीकी, विवि के सीओई प्रो.अब्दुर्रहमान खान समारोह में मौजूद रहे।

इस मौके पर मुख्य अतिथि व उप-कुलपति ने छात्रों को बधाईयां दी और छात्रों को गोल्ड व सिल्वर मेडल से सम्मानित किया। इस दौरान स्वर्ण पदक पाने वालों में परनिता राय, देवांश मिश्रा, अलीम ऐजाज, राज पटेल, तनय गुप्ता, चंद्रशेखर यादव, मुशाहिद हुसैन, मोहम्मद तहसिब खान और अपूर्व श्रीवास्तव शामिल रहे हैं। इसी तरह रजत पदक प्राप्त करने वालों में मोहित लखमणि, प्रांजल यादव, अहिश शुक्ला, मोहम्मद शोएब, शेख जियाउद्दीन, सत्येंद्र सिंह, कमर हैदर रिजवी, एहतिशाम अहमद व सचिन खुशवाहा शामिल रहे।

महानगर में सुगम यातायात को डीएम ने ली अधिकारियों की क्लास

3 माह में पुरानी मंडी में शिफ्ट होगी गंज मंडी

झांसी, एजेंसी। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने अधिकारियों संग महानगर की बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था एवं सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में विचार कर अधिकारियों को निर्देशित किया कि ईजी ऑफ लिविंग को बेहतर बनाने का अधिक से अधिक प्रयास किया जाए ताकि लोगों के जीवन में सुगमता आए। शहर का वातावरण स्वच्छ व स्वस्थ सुरक्षित हो तथा लोगों को सड़क पर चलने में किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो। शहर वासियों को जाम की समस्या से निजात दिलाना प्राथमिकता होना चाहिए। जिस भी सड़क पर जाम की समस्या है उसे दूर करें।जनता को बेहतर यातायात की सहूलियत देने के प्रयासों में तेजी लाई जाए। सड़कों पर हुए अतिक्रमण को हटाया जाए। इसके अतिरिक्त मुख्य बाजारों में पार्किंग व्यवस्था को संचालित किया जाए।

डीएम ने महानगर में पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, सड़क किनारे अवैध अतिक्रमण, पार्किंग एवं अवैध ढंग से संचालित ऑटो टैक्सी बस स्टैंड के विरुद्ध विशेष ध्यान देते हुए अभियान चलाकर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महानगर की व्यस्ततम बाजार पर सुगम यातायात के लिए जिलाधिकारी ने सुभाषगंज स्थित दुकानों को पुरानी मण्डी में स्थानान्तरित किये जाने के सम्बन्ध में चर्चा की। मण्डी सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि सुभाष गंज में लगभग 160 थोक की दुकानें हैं, जिनमें से 130 दुकानें क्रियाशील है। पुरानी मण्डी में 110 दुकानें हैं, जिनका लोक निर्माण विभाग द्वारा परीक्षण कराकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया गया है। दुकानों की छोटी-मोटी मरम्मत कराये जाने की बात कही गई है। इसके अतिरिक्त मण्डी की खाली भूमि पर भी 50 दुकानें बनाई जा सकती है। उपरोक्त दोनों कार्यों में लगभग 3 माह का समय लगेगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कम से कम 10 दुकानों की यथाशीघ्र मरम्मत करवाकर उसमें दुकानदारों को स्थानान्तरित करा दिया जाए। इसके उपरान्त तत्कालीन सुभाषगंज की ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए विस्तृत चर्चा की गई एवं मार्केट में माल आपूर्ति वाले वाहनों के लिए एक निर्धारित समय तय किये जाने के सम्बन्ध में विचार विमर्श किया गया। वाहनों के निर्धारित समय पर आने के लिए एक टीम गठित करने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में मानिक चौक/बड़ाबाजार में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के सम्बन्ध में चर्चा करते हुए नगर आयुक्त अवनीश कुमार राय ने नगर निगम द्वारा कोतवाली के निकट किले की खाली पड़ी भूमि पर वाहनों को पार्क करने के सम्बन्ध में कहा कि यदि उक्त भूमि पर वाहन पार्किंग की सुविधा उपलब्ध करा दी जाए, तो एक बार में लगभग 2000 दोपहिया वाहन पार्क किये जा सकते हैं। नगर आयुक्त ने आगे कहा कि टैक्सी स्टेण्ड सम्बन्धी व्यवस्था के सम्बन्ध में उनके द्वारा टैक्सी चालकों के प्रतिनिधि से वार्ता की गई है। टैक्सी चालकों द्वारा टैक्सी स्टैण्ड हेतु पूर्व में चिन्हित 37 टैक्सी स्टेण्डों की सूची उपलब्ध कराई गई हैं, जिनका सर्वे किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि टैक्सी स्टेण्ड को विभिन्न रंगों से पेण्ट किया जाए तथा टैक्सी पर भी उसके टैक्सी स्टेण्ड से सम्बन्धित रंग की एक पट्टी को पेण्ट किया जाए, ताकि दूर से ही पता चल जाए कि सन्दर्भित टैक्सी कौन से टैक्सी स्टेण्ड पर खड़ी होगी। टैक्सी हेतु स्टैण्ड चिन्हित हो जाने एवं संचालित हो जाने के उपरान्त टैक्सी स्टेण्ड की व्यवस्था का अनुपालन कराया जाए। इसके अतिरिक्त टैक्सी नम्बर की सूची तैयार कर कम्प्यूटर में फीड कर ली जाए तथा उनके द्वारा नियमों का उल्लंघन करने का विवरण भी अंकित किया जाए, जिसके अनुसार उन पर जुमार्ना लगाया जाए।

बैठक में इसके अतिरिक्त मेडीकल कॉलेज पर ट्रेफिक व्यवस्था के सम्बन्ध में नगर आयुक्त ने बताया कि मेडीकल कॉलेज की सर्विस रोड को खाली कराकर वेण्डरों को वीरांगना नगर अथवा मेडीकल कॉलेज के आगे कानपुर रूट पर शिफ्ट किया जा सकता है। जिलाधिकारी ने वेण्टरों के प्रतिनिधियों को बुलाकर मीटिंग आहूत किये जाने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने यह भी बताया कि मेडीकल कॉलेज के पास कतिपय निजी हॉस्पिटलों द्वारा नक्शे में बेसमेण्ट में पार्किंग का नक्शा पास कराया गया था, परन्तु उनके द्वारा उसका प्रयोग पार्किंग में न कराकर चिकित्सीय सुविधा हेतु किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ऐसे अस्पतालों को तत्काल झाँसी विकास प्राधिकरण के माध्यम से नोटिस निर्गत किया जाए ताकि निर्धारित बेसमेंट को पार्किंग के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।

केजरीवाल ने सिख परिवारों को छह एकड़ में स्टेडियम बनाकर देने का वायदा किया था, लेकिन वहां लगा है कूड़ों का अंबार-राजीव बब्बर

सुषमा रानी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल की कथनी और करनी में अंतर है और आज उसका प्रमाण तिलक विहार में हुए पोल खोल अभियान के दौरान मिल गया। पोल खोल अभियान एक तरह से लोगों को अपनी समस्या और केजरीवाल के प्रति गुस्से को उजागर करने का महत्वपूर्ण मंच बन गया है। केजरीवाल ने तिलक विहार में रह रहे 925 से अधिक 84 दंगों के पीड़ित सिख परिवारों से गुरुद्वारें में हुजूर साहिब के सामने 400 यूनिट बिजली मुफ्त देने की कसम खाई थी, लेकिन आज उन परिवारों के बिजली बिल लाखों रुपये में आ रहे हैं। जिसकी शिकायत आज पोल खोल अभियान के दौरान खुद तिलक विहार के लोगों ने श्री आदेश गुप्ता को अपना बिल दिखाते हुए किया।

श्री आदेश गुप्ता ने आज हुए प्रेसवार्ता में लोगों द्वारा इसकी शिकायत किए जाने की वीडियो दिखाया। इसके बाद कुछ सिख परिवारों के पास आए हुए बिजली बिल के पेपरों को दिखाते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि फूल सिंह के पास 2,22,670 रुपये का बिल आया है। इंदिरा कौर नाम की महिला के पास 144530 रुपये का बिजली बिल आया है। गुरदीप सिंह 132170 रुपये का बिल आया है। इन सब के घर 20 गज के हैं जिसमें सिर्फ एक पंखा, एक कूलर और एक ट्यूब लाइट का प्रयोग होता है। ऐसे सैकड़ों घरों में लाखों रुपये के बिल भेजे गए हैं और इतना ही नहीं उनका कनेक्शन भी काट दिया गया है। ये वही लोग हैं जिन्होंने 84 के दंगों में अपनों को खोया था। श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि इस चिलचिलाती गर्मी में घर के बिजली कनेक्शन काटना मानवीयता को शर्मसार करने वाला है। केजरीवाल ने वायदा किया था कि 84 के दंगों में अपनों को खोने वाले सिख परिवारों में एक सदस्य को नौकरी देने की भी बात कही थी, लेकिन आज तक उसे पूरा नहीं किया। दूसरे राज्यों में जाकर झूठी बातें करने वाले केजरीवाल की हकीकत यह है कि उनके अंदर आज इंसानीयत तक खत्म हो गई है। जब भी चुनाव आता है तो उनके विधायकों को सभी वायदें याद आते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही फिर वहीं पुरानी कहानी दोहराई जाती है।

श्री आदेश गुप्ता ने केजरीवाल से सवाल करते हुए कहा कि उनकी बिजली कंपनियों से इतनी सांठगांठ हो चुकी है कि आज वह गरीब और मजबूर दिल्लीवासियों के हित देखने की जगह बिजली कंपनियों के फायदें का काम कर रहे हैं। ओखला, मदनपुर खादर और बदरपुर सहित कई जगहों पर रोहिंग्या-बांग्लादेशियों को बसाकर उन्हें बिजली मुफ्त दे रहे हैं, लेकिन दिल्लीवासियों के साथ इतनी नइंसाफी जाजती क्यों हो रही है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार पहले 400 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वायदा किया था लेकिन बेशर्मी से बिजली बिल भेजे जाते रहे। फिर जब पंजाब चुनाव आया तो केजरीवाल की एक टीम तिलक विहार वासियों के पास आई और उन्हें दिलासा दी कि उनका सारा बिजली का बिल कैंप लगाकर माफ कर दिया जाएगा। लेकिन जैसे ही पंजाब चुनाव खत्म हुआ सभी वायदें काफूर हो गए।

प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजीव बब्बर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने अक्टूबर 2014 में 84 के दंगों में पीड़ित 3300 परिवारों को 127 करोड़ रुपये की सहातया की। इनमें से प्रत्येक परिवार को पांच-पांच लाख रुपये दिया जाना था। सभी राज्यों ने इसे तुरंत दे दिया, लेकिन दिल्ली में रह रहे 2700 परिवारों को दिए जाने वाली राशि को केजरीवाल सरकार ने 15 महीनों तक रोककर रखा ताकि लोग केंद्र सरकार द्वारा दिए गए पैसे को भूल जाए। छह एकड़ जमीन पर स्टेडियम बनाकर सिख परिवारों को देने का वायदा किया गया, लेकिन आज वहां कूड़ा फेंका जा रहा है। आज प्रेस वार्ता में प्रदेश रिलेशन विभाग का प्रभारी श्री हरीश खुराना और प्रदेश मंत्री श्री इम्प्रीत सिंह बख्शी उपस्थित थे।

मंजू शर्मा ने सुनी जनसमस्याएं

गौरव राय

पूर्वी दिल्ली, दिलशाद गार्डन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मंजू शर्मा ने आज नंद नगरी वार्ड में लोगों की समस्याएं सुनी जिसमें लोगों ने गंदे पानी की आपूर्ति, राशन कार्ड नया नहीं बनना, 60 साल के लोगों की पेंशन 4 साल से बंद पड़ी है और अन्य जनसमस्याएं सुनी जोकि लोगों ने उन्हें अवगत कराया जिसमें जनकल्याण विकास मंच संस्था के अध्यक्ष वेदपाल सिंह प्रेमी जिन्हें काफी समस्याओं से अवगत कराया गया जिसके साथ में कांग्रेस नेता नवीन शर्मा मोहित चौधरी आदि लोग मौजूद थे।

फ्लाई ओवर से गिरा बाइक सवार

सुषमा रानी

नई दिल्ली। केशवपुरम इलाके में शुक्रवार सुबह एक बाइक चालक वजीरपुर डिपो में फ्लाईओवर से गिर गया। जिसकी अस्पताल में हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक घायल युवक की पहचान हिमाशुं(28)के रूप में हुई है। वह परिवार के साथ संगम विहार इलाके में रहता है। केशवपुरम पुलिस को सुबह पांच बजकर 50 मिनट पर फ्लाईओवर से नीचे वजीरपुर डिपो के परिसर में बाइक चालक के गिरने की सूचना मिली थी।

पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। लेकिन उनके आने से पहले ही डिपो पर तैनात दो मार्शल उसे ऑटो में डालकर रोहिणी के अम्बेडकर अस्पताल में ले जा चुके थे। पुलिस अस्पताल पहुंची। डॉक्टरों ने हिमाशुं की हालत गंभीर बताई। उसके पास से मिले आधार कार्ड आदी दस्तावेज से उसके परिवार वालों को बताया गया। जिन्होंने अस्पताल में आकर उसके बारे में जानकारी ली।

एलपीजी पंचायत का आयोजन

गौरव राय

पूर्वी दिल्ली, चंद्रकला इंडेन गैस एजेंसी द्वारा दिलशाद कॉलोनी में एक एलपीजी पंचायत का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाज सेविका श्रीमती शशि किरण के द्वारा प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत निर्गत 54 एलपीजी कनेक्शन का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में चंद्रकला इंडेन के प्रोपराइटर डॉ राकेश रमण झा ने सभी लाभार्थियों को एलपीजी से उत्पन्न खतरों एवं उससे बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सिलेंडर में लीकेज होने की स्थिति में 1906 पर फोन करना चाहिए जिससे हमारे मैकेनिक तत्काल ही दुरुस्त कर देते हैं। डॉ झा द्वारा सेफ्टी के अनेक टिप्स उपभोक्ताओं को दिये गये ।

डॉ झा ने बताया कि इस योजना के माध्यम से 9 करोड़ से ज्यादा परिवारों को एलपीजी के मुफ्त कनेक्शन प्रदान किये गये हैं।

सदर बाजार पार्किंग की समस्या को लेकर फेडरेशन ने किया सभा का आयोजन

सुषमा रानी

नई दिल्ली। सदर बाजार थाने से लेकर 12 टूटी चौक तक एमसीडी द्वारा पार्किंग अलर्ट के जाने का विवाद दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है कभी व्यापारी एमसीडी द्वार तो कभी पुलिस पुलिस के समक्ष अपना दिक्कत लेकर जा रहे हैं क्योंकि जब से यह पार्किंग allot हुई है तब से व्यापारियों को अपना कामकाज करने में काफी दिक्कत आ रही है इसको लेकर फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा, वाइस चेयरमैन पवन खंडेलवाल, अध्यक्ष राकेश यादव, महासचिव बृजेंद्र शर्मा, सतपाल सिंह मंगा,कमल कुमार, सुरेंद्र महेंद्रू, रमेश भंडारी,दीपक मित्तल, राजकुमार भंडारी,दीपक मेंदीरत्ता ने 12 टूटी चौक पर एक सभा का आयोजन किया जिसमें पूर्व मेयर जयप्रकाश जेपी भाई ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा वह जल्द ही नगर निगम के नवनियुक्त कमिश्नर व उच्च अधिकारियों से मिलकर पार्किंग की समस्या को हल कर आएंगे क्योंकि पार्किंग लोगों की सुविधा के लिए बनाई जाती है ना की असुविधा के लिए अगर पार्किंग से व्यापारियों को कोई समस्या हो रही है तो इसका जल्द ही निदान किया जाएगा।

इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा राकेश यादव ने कहा फेडरेशन नगर निगम व पुलिस के उच्च अधिकारियों से लगातार पार्किंग से हो रही समस्याओं के लिए अवगत करवा रही है और हमें भरोसा है जेपी भाई जल्द ही व्यापारियों के हितों के लिए समस्याओं को देखते हुए 12 टूटी चौक से सदर थाना बनी पार्किंग ठोस कदम उठाएंगे और यह यहां से हटाएंगे।

पवन खंडेलवाल,सतपाल सिंह मंगा, और राजेंद्र शर्मा ने कहा पार्किंग की कारण यहां पर अपराधिक घटनाएं भी काफी बढ़ेंगी और ट्रैफिक की समस्या भी आएगी।

संक्षिप्त समाचार

दो अस्पतालों में लगी आग

नई दिल्ली, सुषमा रानी। राजधानी दिल्ली के दो अलग-अलग अस्पतालों में शुक्रवार सुबह आग लग गई। सूचना मिलते ही दोनों मामलों में मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस दोनों मामलों में आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि आग की पहली घटना शुक्रवार सुबह 8.10 बजे की है। दमकल विभाग को सूचना मिली कि लक्ष्मी नगर स्थित मक्कड़ अस्पताल के दूसरे तल में आग लगी है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना के दौरान एक मरीज को आईसीयू से बाहर निकाला गया। आग जरनेटर में लगी थी। आग की दूसरी घटना सफदरजंग अस्पताल की है। दमकल विभाग को शुक्रवार सुबह 8.46 बजे सूचना मिली कि सफदरजंग अस्पताल में आग लग गई है। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेगा गया। दमकल की गाड़ियों ने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। यह आग इंटवर्टर में लगी थी। इससे जान माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। दमकल विभाग के अनुसार, आग अस्पताल के दूसरे तल में लगी थी। यहां बर्न (जलने वाले मरीजों) का कमरा भी है। फिलहाल पुलिस दोनों घटनाओं की जांच कर रही है।

निगम में तीन चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी को सौंपा गया 12 जोन का कार्य

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम के जन स्वास्थ्य विभाग में चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी (एमएचओ) स्तर के तीन अधिकारियों को 12 जोन का कार्यभार सौंपा गया है। प्रशासनिक अधिकारी (सीईडी) थानेश्वर कुमार की तरफ से इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी किए गए हैं। एमएचओ डॉक्टर लल्लन राम वर्मा को (एमएचओ-वन) का कार्यभार सौंपा गया है। उनके अधीन मध्य, दक्षिण, पश्चिम तथा नजफगढ़ जोन का दायित्व रहेगा। डॉक्टर सत्या प्रकाश अहीर को (एमएचओ द्वितीय) नियुक्त किया गया है। उन्हें सिटी सदर पहाड़गंज, केशवपुरम, करोलबाग, सिविल लाइंस, रोहिणी और नरेला जोन का जिम्मा सौंपा गया है। डॉक्टर सोमशेखर को (एमएचओ तृतीय) नियुक्त किया गया है। उनके पास शाहदरा दक्षिण और शाहदरा उत्तरी जोन का दायित्व रहेगा। इन अधिकारियों के अलावा अतिरिक्त उप आयुक्त की तरफ से जारी एक आदेश में दिल्ली नगर निगम के मुख्यालय सिविक सेंटर में अधिकारियों और प्रशासनिक स्तर के अधिकारियों व कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था और विभागों के संबंध में योजना बनाई गई है। पहली मंजिल से लेकर 27 मंजिल तक निगम के कार्यालय होंगे। यह ई ब्लॉक में होंगे। दिल्ली नगर निगम के निगमायुक्त का कार्यालय नौवीं मंजिल पर रहेगा।

सरोगेसी कानून : याचिका पर केंद्र को रुख बताने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रजनन विकल्प के रूप में सरोगेसी के लाभ से 'सिंगल' पुरुष और एक बच्चे की विवाहित मां को वंचित रखने के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर शुक्रवार को केंद्र सरकार का रुख जानना चाहा। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की अध्यक्षता वाली पीठ ने 'सिंगल' अविवाहित पुरुष करण बलराज मेहता और डॉ. पंखुरी चंद्रा की याचिका पर नोटिस जारी किए। डॉ. चंद्रा विवाहित हैं। एक बच्चे की मां हैं। अदालत ने केंद्र सरकार को याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया। इसे आगे की सुनवाई के लिए 29 नवंबर को सूचीबद्ध किया। अदालत ने कहा, इस पर विचार करने की आवश्यकता है। याचिका में सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी (विनियमन) अधिनियम और सरोगेसी (विनियमन) अधिनियम, 2021 के कुछ प्रावधानों की वैधता को चुनौती दी गई है। याचिकाकताओं ने दलील दी है कि वे प्रजनन विकल्प के रूप में सरोगेसी का लाभ उठाने से वंचित हैं, जो भेदभावपूर्ण और संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन है।

बस क्लिक करते ही खाते से निकल गए एक लाख 97 हजार रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। मोबाइल फोन पर अगर कोई भी अंजान लिंक व मैसेज देखें तो सावधान हो जाए। हो सकता है कि एक क्लिक करते ही अपने बैंक से हजारों लाखों रुपये निकल जाए। रोहिणी जिले के साइबर थाने में एक ऐसा ही एक मामला दर्ज हुआ है। पुलिस पीड़ित से बैंक खाते आदी की जानकारी लेकर जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता राजीब कुमार परिवार के साथ सेक्टर-13 रोहिणी इलाके में रहते हैं। वह एमटीएनएल विभाग से रिटायर्ड हैं। राजीब ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पिछले महीने उनके फोन पर एक मैसेज आया था। जिसमें बताया गया कि उनका खाता ब्लॉक हो जाएगा,ऐसा नहीं हो इसके लिये अपना पैन कार्ड अपडेट कर लिजिए। जिसके लिये मैसेज में एक लिंक दिया हुआ था।

नारायणा में बुलडोजर से जबरन उजाड़े गए गरीबों के अधिकारों की लड़ाई कांग्रेस लड़ेगी- चौ0 अनिल कुमार

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि भाजपा और केजरीवाल सरकार द्वारा नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया में गरीबों की दुकानों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को बर्बरता से बुलडोजर चलाने की कांग्रेस पार्टी निंदा करती है। प्रदेश अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ बुलडोजर द्वारा बर्बाद किए लोगों से मिले और उनकी परेशानियों की जानकारी भी ली। प्रदेश अध्यक्ष ने 30-40 वर्षों से रह रहे इन गरीब लोगों को आश्वासन दिया कि कांग्रेस पार्टी आपके अधिकारों की कानूनी लड़ाई लड़ेगी और हम भाजपा और आम आदमी पार्टी द्वारा प्रताड़ित गरीबों के साथ खड़े है।

प्रदेश अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार के साथ नारायणा औद्योगिक क्षेत्र का दौरे में अ0भा0क0कमेटी के सचिव श्री मनीष चतरथ, श्री ब्रहम यादव, श्री मदन खोरवाल, श्री परवेज आलम, श्री अनुज आत्रेय, डा0 नरेश कुमार, नरेश शर्मा नीटू, अनिल तंवर, ब्लाक अध्यक्ष व कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि वर्षों से नारायणा औद्योगिक क्षेत्र में रह रहे गरीब लोगों को भाजपा और केजरीवाल सरकार बुलडोजर से कैसे उजाड़ सकती है जबकि इन लोगों के पास वह सभी अधिकारिक दस्तावेज है जिनके आधार पर इन्हें उजाड़ा नही जाना चाहिए था। उन्हांने कहा कि भाजपा के बुलडोजर ने मानवता की सभी हदें पार कर दी है, उन्होंने कहा कि इन गरीब मजदूरों का क्या कसूर था जो औद्योगिक क्षेत्र में खाना बनाकर फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूरों को पेट भरते थे। आज भाजपा और केजरीवाल सरकार के अमानवीय प्रहार से यह मजदूर खुद भोजन को तरस रहे है और सड़क पर आ गए है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि एक तरफ आम आदमी पार्टी राजेन्द्र नगर विधानसभा के उपचुनाव की घोषणा के बाद नारायणा में बुलडोजर प्रभावितों की सहायता करने का ऐलान करती है और दूसरी ओर दिल्ली भर में भाजपा के बुलडोजर अभियान के साथ खड़ी नजर आती है।

छोटे-मोटे मुद्दों पर मुकदमा दर्ज कराने की प्रवृति निंदनीय : कोर्ट

- अदालत ने पार्किंग विवाद पर झगड़े के मामले में की टिप्पणी
- आरोपियों पर 15-15 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्च न्यायालय ने कहा है कि आधारहीन तथ्यों और छोटे-मोटे मुद्दों लेकर मुकदमा दर्ज कराने की प्रवृति की निंदा की जानी चाहिए। न्यायालय ने कहा है कि न्यायिक प्रणाली और राज्य के संसाधन पहले से ही भारी बोझ से दबे हुए हैं और ऐसे में वादियों को अपने कार्यों के प्रति सचेत रहना चाहिए। जस्टिस जसमीत सिंह ने मारपीट के मामले में आपसी समझौते के आधार पर दर्ज मुकदमा को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि प्राथमिकी दर्ज करने से पहले पक्षों को न केवल अपराधों की प्रकृति और गंभीरता के बारे में ध्यान रखना चाहिए, बल्कि उन मामलों की जांच में राज्य और पुलिस संसाधनों पर पड़ने वाले बोझ के बारे में भी सोचना चाहिए, जिन्हें अंततः अदालत के रद्द करने के लिए रखा जाता है। उच्च न्यायालय ने कहा कि इस तरह की कवायद और कुछ नहीं बल्कि कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है जिसे पूरी तरह से हतोत्साहित किया जाना चाहिए। न्यायालय ने मारपीट, महिला के मान सम्मान को ठेस पहुंचाने सहित विभिन्न आरोपों में दर्ज मुकदमा को रद्द करते हुए आरोपियों पर 15-15 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ने की रकम दिल्ली उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति में चार सप्ताह के भीतर जमा कराने का आदेश दिया है।

तनख्वाहिया करार दिये गये नेताओं को पंथक कमेटी से तुरंत निष्कासित किया जाए : कालका, काहलों

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष स. हरमीत सिंह कालका व महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने आज एक बड़ा खुलासा किया कि अकाल तख्त साहिब से 17 वर्ष पूर्व जत्थेदार अवतार सिंह हित, परमजीत सिंह सरना व उनके साथियों को भानू मूर्ति द्वारा गुरबाणी के गलत अनुवाद को प्रकाशित करने पर तनख्वाहिया करार दिया गया था तथा इन नेताओं ने आज तक अकाल तख्त साहिब के आदेशों का पालन नहीं किया।

आज यहां एक प्रेस कान्फ्रेंस को संबोधित करते हुए स. कालका व स. काहलों ने बताया कि उन्होंने भानू मूर्ति द्वारा गुरबाणी के गलत अनुवाद को प्रकाशित करने का मामला ज्ञानी हरप्रीत सिंह जत्थेदार अकाल तख्त साहिब के संज्ञान में लाया था तथा कार्रवाई की मांग की

थी। हमारे पत्र के जवाब में अब अकाल तख्त साहिब से जवाब मिला है। उन्होंने बताया कि इस मामले में तत्कालीन जत्थेदार ज्ञानी जोगिंदर सिंह वेदांती द्वारा किये आदेशों की कापी भी साथ भेजी है।

उन्होंने बताया कि ज्ञानी जोगिंदर सिंह वेदांती ने भानू मूर्ति द्वारा गुरबाणी के किये अनुवाद के साथ गुरबाणी की हुई बेअदबी के मामले में जत्थेदार अवतार सिंह हित पूर्व अध्यक्ष, प्रहलाद सिंह चंडोक पूर्व अध्यक्ष, परमजीत सिंह सरना उस समय के अध्यक्ष व उनके अन्य साथियों को तनख्वाहिया करार दिया था। उन्हें सपष्ट आदेश किया गया था कि वह अकाल तख्त साहिब पर पेश हों तथा भूल बख्शायें। उन्होंने बताया कि आज 17 वर्ष बाद भी जत्थेदार हित व परमजीत सिंह सरना ने अकाल तख्त साहिब के आदेशों का पालन नहीं किया तथा भूल नहीं बख्शाई।उन्होंने कहा कि बहुत ही शर्म की बात है कि जत्थेदार हित, परमजीत सिंह सरना व इनके साथी अकाल तख्त साहिब के आदेशों की परवाह नहीं कर रहे और आज भी तनख्वाहिया होने के बावजूद आराम से घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे भी बड़ी बात यह है कि शिरोमणि कमेटी ने इन तनख्वाही नेताओं को बंदी सिंहों के मामले में बनी कौम की कमेटी में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि शिरोमणि कमेटी अध्यक्ष को इस तथ्य का नोटिस लेना चाहिए तथा इन्हें तुरंत कमेटी से बाहर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन्हें शामिल करने की जिम्मेवारी भी शिरोमणि कमेटी अध्यक्ष की बनती है तथा उन्हें तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि बड़ी बात यह है कि उस समय इनके खिलाफ शिकायत करने वाली संस्था को भी अकाल तख्त साहिब के फैसले की जानकारी नहीं दी गई और यह फैसला फाइलों में दबा दिया गया क्योंकि बादल परिवार जत्थेदार हित की रक्षा करने में लगा था। दोनों नेताओं ने मांग करते हुए कहा कि जैसे अकाल तख्त साहिब से पंथ रतन व फख्र-ए-कौम के अवार्ड दिये जाते हैं उसी प्रकार जत्थेदार हित को गद्दार-ए-कौम का अवार्ड दिया जाना चाहिए। जत्थेदार हित, सरना बंधूओं व मनजीत सिंह जी.के द्वारा किये गठजोड़ पर टिप्पणि करते हुए स. कालका व स. काहलों ने कहा कि इन सभी का मकसद केवल गुरुघरों के प्रबंधों पर कब्जा करना है। उन्होंने कहा कि इन्हें संगत ने नकार दिया है और अब यह इकट्ठे होने के दावे कर रहे हैं। स्कूलों के मामले की बात करते हुए स. हरमीत सिंह कालका व स. जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि वह चाहते हैं कि जब से तनख्वाह का मामला शुरू हुआ तथा स्कूलों के प्रबंध उलझे, उस सभी मामले की जांच दिल्ली के सूझवान सिखों द्वारा की जानी चाहिए और हम इस मामले में उन्हें हर प्रकार का सहयोग देंगे।

संपादकीय

भारत को ब्रिटेन से आइडिया लाए राहुल

भारत को भविष्य में कौनसी दिशा ग्रहण करनी चाहिए, प्रगति के लिए कौनसा रास्ता चुनना चाहिए, सबसे बढ़कर भारत की पहचान क्या है, उससे क्या अभिप्रेत है, यह सब जानने-बूझने के लिए सोनिया कांग्रेस के सबसे शक्तिशाली नेता राहुल गांधी लंदन गए थे। इस प्रकार के प्रश्नों एवं समस्याओं के समाधान तलाशने के लिए लंदन को क्यों चुना गया, इसको लेकर भारत में कुछ लोग हलकान हो रहे हैं। कांग्रेस हैरान है कि इसमें इतने अचंभे वाली बात कौनसी है? अपने-अपने हिसाब से दोनों पक्ष ही ठीक हैं। कांग्रेस की स्थापना ही लंदन का आइडिया था। उसका भारत के आइडिया से कुछ लेना-देना नहीं था। भारत का आइडिया तो 1857 का स्वतंत्रता के लिए लड़ा गया महासंग्राम था। चाहे उसमें भारत की पराजय हुई थी, लेकिन उस महासंग्राम ने भारत को ऊजार्वान कर दिया था। वह क्रोधोन्मत हो गया था। लंदन समझ गया था कि अब गोरों को भारत से भगाए जाने का यह भारत का आइडिया समाप्त होने वाला नहीं है। इसलिए लंदन ने अपने राज्य की सुरक्षा के लिए सेफ्टी वाल्व के तौर पर कांग्रेस की स्थापना की थी। लंदन यह तो समझ ही गया था कि कांग्रेस भी ब्रिटिश साम्राज्य को अनंत काल तक सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकती थी। लंदन ने दूसरी रणनीति के तहत, भारत की पहचान, सामाजिक सामंजस्य और भारत के स्वरूप को बदलने के लिए कुछ सूत्र कांग्रेस को दिए। कांग्रेस की जिम्मेदारी यह थी कि वह भारत को इन्हीं सूत्रों के सहारे स्वयं भी समझे और दूसरों को भी समझाए।

कांग्रेस ने इन सूत्रों को पूरी स्वामिभक्ति से स्वीकार किया और भारत में उनको प्रचारित भी किया। इनमें सबसे महत्त्वपूर्ण सूत्र था, भारत पर आर्यों के आक्रमण का कपोल कल्पित सिद्धांत। कांग्रेस ने इस सिद्धांत को स्वीकार किया और जवाहर लाल नेहरू ने अपनी किताबों में इसका प्रचार भी किया। बाबा साहिब अंबेडकर ने इस सिद्धांत का विरोध ही नहीं किया, बल्कि इसे शरारतपूर्ण भी कहा। ताज्जुब ही कहा जाएगा कि इस पर कांग्रेस ने अंबेडकर को ब्रिटिश एजेंट कहा। यानी कोयला दूसरे पर काला होने का आरोप लगाए। अंग्रेजों ने कहा कि भारत एक राष्ट्र नहीं है, कांग्रेस ने इसका प्रचार किया। किस्सा कोताह यह कि कांग्रेस ने आजादी के बाद भी सरकार ह्यलंदन के आइडियाह्ल से ही संचालित की। जाहिर है इससे भारत में गुस्सा पनपता। यदि देश को ह्यआइडिया फ्राम लंदनह्ल से ही चलना था तो अंग्रेजों को भगाने की क्या जरूरत थी? इसका उत्तर भी अपने समय में बाबा साहिब अंबेडकर ने ही दिया था। उन्होंने कहा था कि लोगों को भ्रम है कि कांग्रेस किसी आइडिया के आधार पर लड़ रही है। वह केवल सत्ता या कुर्सी के लिए ही लड़ रही है। आरोप स्पष्ट था कि कांग्रेस भारत की सत्ता ह्यलंदन के आइडियाह्ल से चलाने के लिए तैयार है, शर्त केवल इतनी है कि गोरे शासक सत्ता उनको सौंप दें। दोनों पक्षों ने ईमानदारी से किया। इतनी ईमानदारी से कि पंडित जवाहर लाल नेहरू ने भारत में से ब्रिटिश सत्ता समाप्त हो जाने के बाद भी स्वतंत्र भारत की कमान लार्ड माऊंटबेटन को सौंप दी। माऊंटबेटन भारत के पहले गवर्नर जनरल थे। यह माऊंटबेटन का ही आइडिया था कि गिलगित पाकिस्तान के हवाले कर दिया जाए। इस आइडिया को क्रियान्वित करने में पंडित नेहरू की कितनी भूमिका रही है, इसकी स्वतंत्र रूप से जांच हो सकती है। पुरानी फाइलें जांची-परखी जाएं तो कितना कुछ उगल सकती हैं।

जब हिंदुस्तान की बागडोर सोनिया जी के हाथ में ही आ गई तो लंदन को आइडिया देने के लिए कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष जमावड़ा करने की भी जरूरत नहीं रही। लेकिन कांग्रेस के दुर्भाग्य से 2014 में सत्ता उन लोगों को सौंप दी, जो भारत को भारत के आइडिया से ही चलाना चाहते हैं। जाहिर है इससे दोनों ही संकट में आ गए। लंदन से कांग्रेस को भारत चलाने के लिए जो लोग आइडिया देते थे, वे भी और दिल्ली में बैठ कर उस आइडिया से भारत को हांकते थे, वे भी। पिछले छह-सात साल से जो जगह-जगह छटपटाहट दिखाई दे रही है, वह इसी को लेकर है । कांग्रेस भी संकट में है क्योंकि उसके पास अपना कोई ह्यभारतीय आइडियाह्ल नहीं है। वह शुरू से ही लंदन के आइडिया से ही भारत चलाती थी। इसलिए राहुल गांधी अंततः आइडिया की तलाश में लंदन पहुंच ही गए। इस बार ह्यभारत को कैसे चलाना हैह्ल, इस आइडिया की तलाश नहीं हो रही थी, क्योंकि चलाने का सवाल तो तब आएगा जब कांग्रेस सत्ता में होगी। इस बार तो लंदन में वह आइडिया तलाशा जा रहा था जिससे भारत की सत्ता पुनः कैसे छीनी जा सके। वैसे भी यूरोप के लोग शताब्दियों से इस बात के माहिर रहे हैं कि एशिया के देशों में सत्ता कैसे छीनी जाती है। वैसे आइडिया की तलाश में राहुल गांधी रोम भी जा सकते थे, लेकिन शायद लंदन की ख्याति सत्ताएं छीनने में रोम से ज्यादा है। लेकिन लंदन में राहुल गांधी को भारत को समझने के लिए क्या आइडिया मिला? लंदन ने उन्हें भारत के इतिहास में झांकने का कौनसा मार्ग दिखाया? राहुल गांधी की तारीफ की जानी चाहिए कि उन्होंने इस मामले में गोपनीयता का ध्यान नहीं रखा। उन्होंने वह आइडिया सार्वजनिक कर दिया। राहुल गांधी का कहना है कि हिंदुस्तान कभी एक राष्ट्र नहीं रहा। 1947 में अलग-अलग स्टेट्स ने आपस में समझौता करके इंडिया नाम के देश की स्थापना की। उनका यह भी कहना है कि यह सब कुछ संविधान में लिखा हुआ है। भारत के संविधान में इंडिया अथवा भारत को यूनियन आफ स्टेट्स लिखा है।

इस वाक्य को राहुल गांधी ने जैसा समझा है, उसकी घोषणा उन्होंने लंदन की धरती पर जाकर की। राहुल गांधी की इस समझ पर और लंदन में बैठे अदृश्य लोगों की समझ पर, जो राहुल गांधी को इस प्रकार की व्याख्या रटा रहे हैं, अवश्य ही आज बाबा साहिब अंबेडकर आंसू बहा रहे होंगे। भारत क्या और और उसका अस्तित्व कितना प्राचीन है, इसको जानने के लिए उन्हें अंबेडकर का संविधान सभा में दिया गया अंतिम भाषण अवश्य पढ़ना चाहिए। भारत अमेरिका की तर्ज. पर विभिन्न देशों द्वारा संधि करके बना देश नहीं है। उसका अस्तित्व 1947 से कहीं प्राचीन है। राहुल गांधी महाभारत का नाम तो सुने होंगे, या उसको सुनने के लिए भी लंदन के आइडिया की जरूरत है? उसे पढ़ें तो कम से कम उन्हें भारत का भूगोल और राष्ट्र का संकल्प अवश्य पता चल जाएगा। भारत को समझने के लिए अब कांग्रेस को यूरोप वाला आइडिया छोड़ देना चाहिए। वह युग समाप्त हो गया। राहुल गांधी ने शायद ध्यान नहीं दिया कि यूरोप तो खुद हिंदुस्तान वाले आइडिया की तलाश कर रहा है। यूरोप का आइडिया शोषण, एकाधिकार और दूसरों को परतंत्र बनाने का है। भारत ने दो सौ साल यह आइडिया झेला है। फ्रांस की तथाकथित क्रांति के बाद जब पूरे यूरोप ने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का नारा लगा कर एशिया और अफ्रीका के देशों को लुभाना शुरू किया था तो बाबा साहिब अंबेडकर ने उन्हें फटकारा था कि ये सभी संकल्पनाएं तथागत बुद्ध की दी हुई हैं और भारत की मिट्टी से जुड़ी हैं। हैरानी है कि कांग्रेस अपने संस्थापक सर ह्यूमरोज के सुपुर्द खाक हो जाने के सौ साल बाद भी भारत के लिए वहीं से आइडिया तलाश रही है।

TITLE CODE:-DELHIN29015

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक मो. अकिलुर रहमान द्वारा आरडी प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड नोएडा से मुद्रित व जे-29, जे-एक्स. गली नं-9, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित। सभी प्रकार के विवादित मामलों का निपटारा दिल्ली के न्याय क्षेत्र में ही होगा।

संपादक: मो. अकिलुर रहमान

E-mail : rajnitikdaon@gmail.com

Mob-9560268603

भारत देश में हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा क्यों नही बनी?

संजीव ठाकुर

हिंदी संवैधानिक रूप से तो भारत की राजभाषा है,पर इसे अब तक राष्ट्रभाषा का सर्वोपरि स्थान नहीं दिया गया है` न विषय चिंतनीय है ।देश में व्यवहारिक रूप से हिंदी को कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक को सर्वोपरि सम्मान नहीं मिल पाया है जिसकी हिंदी भारत में सर्वाधिक हकदार भाषा है। यह अलग बात है कि भारत देश में अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग भाषाएं बोली जाती है और स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने 22 भाषाओं को संवैधानिक रूप से मान्यता प्रदान की है, हमारे देश में हिंदी सर्वाधिक बोली जाने वाली तथा लिखी जाने वाली भाषा है। देश में हिंदी बोलने तथा पढ़ने वालों की संख्या लगभग 65 से 70 करोड़ है, यह भाषा की बहुलता कथा विविधता ही है जिसके कारण भाषाई विवाद की स्थिति उभरी है, और सर्वाधिक नुकसान हिंदी को उठाना पड़ा है। वर्ष 2008 में विश्व हिंदी सम्मेलन न्यूयॉर्क (अमेरिका) में भारतीय साहित्यकारों, कवियों को चिंतकों ,प्रोफेसर, चिंतकों, पत्रकारों ने बड़े जोर शोर से संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकारिक भाषा बनाने हेतु र मान्यता देने के लिए पुरजोर कोशिश की थी। कोशिश तो हमेशा की जानी चाहिए और यह बड़ी ही सार्थक पहल भी थी, पर इसके पूर्व भारत के हिंदी साहित्य के विद्वानों को हिंदी को पहले अपने देश में राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलवाने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए। भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने भी कहा है,

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति के मूल।

बिनु निज भाषा ज्ञान के मिटत ना हिय को शूल।

देश में भाषाई विविधता के कारण हिंदी को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा है इसके अलावा कुछ स्वार्थी राजनीतिक के लोग नहीं चाहते कि हिंदी को सर्वोच्च सम्मान मिले और इसके लिए विभिन्न प्रकार के विरोध एवं आंदोलन भी करते रहे हैं, इसके अलावा लोगों को उकसा कर जन आंदोलन का रूप भी देने का प्रयास करते रहे हैं जो अत्यंत निंदनीय है।

देश के स्वतंत्रता आंदोलन में भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में यह महसूस किया था कि हिंदी दक्षिण भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर सबसे ज्यादा लोगों की संपर्क भाषा थी। देश के विभिन्न भाषा भाषी लोग हिंदी भाषा में ही संपर्क कर के अपने संदेश तथा सूचना एक दूसरों को प्रदान किया करते थे,और हिंदी भाषा के संपर्क सूत्रों के चलते ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अथक मेहनत कर हिंदी की सहायता से स्वतंत्रता प्राप्त की थी। हिंदी की सार्वभौमिक स्थिति एवं बड़े समुदाय द्वारा बोले जाने वाली भाषा के रूप में स्थापित होने के बाद इसे राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया गया था। हिंदी एक व्यापक भाषा है जिस की लिपि देवनागरी होने के कारण अत्यंत सरल एवं आवश्यकता अनुसार दूसरी भाषाओं को और उनके शब्दों को बड़ी सुगमता से आत्मसात करने की क्षमता तथा विशालता है। हिंदी

देशवासियों की भावनात्मक भाषा भी है इसका देश की एकता तथा अखंडता में एक का बड़ा योगदान रहा है। हिंदी एक बड़ी सक्षम तथा विशाल भाषा का दर्जा भी रखती है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा कि हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिस जिस ने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया।

14 सितंबर 1949 को संविधान की सभा ने एकमत से हिंदी को भारत की राजभाषा बनाए जाने का निर्णय भी लिया इसीलिए भारत में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का संकल्प लिया गया। हिंदी दिवस मनाए जाने का एकमात्र उद्देश्य इसके व्यापक प्रचार-प्रसार एवं राजकीय प्रयोजनों में इसके ज्यादा से ज्यादा उपयोग को बढ़ावा देने का है। केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में देखा गया है कि वहां पर स्लोगन दीवारों पर लिखे गए हैं कि हिंदी का उपयोग लिखने एवं पढ़ने के लिए ज्यादा से ज्यादा करें। विडंबना यह है कि भारत में ही हिंदी के प्रचार-प्रसार की हमें आवश्यकता पड़ रही है। यद्यपि ऐसा होना नहीं चाहिए। हिंदी को राष्ट्रभाषा बना कर इसका अनिवार्य रूप से उपयोग शासकीय कार्यालयों तथा जनसभाओं में किया जाना चाहिए देश के पूरे प्रदेशों में इसको समान रूप से स्वीकृत भाषा का दर्जा दिया जाना चाहिए। हमने इंग्लैंड, अमेरिका, स्विजरलैंड और अन्य देशों की यात्राएं भी है पर वहां कहीं भी उनकी अपनी भाषा के उपयोग के लिए कार्यालय में स्लोगन लिखा जाना नहीं देखा गया,तो भारत में ही क्यों। सवाल इसलिए उठता है कि हमारे दक्षिण तथा कुछ अन्य राज्यों में हिंदी को हिकारत की नजर से देख कर हिंदी वासियों से दूरी बनाई रखी जाती है। यह भी हिंदी भाषा तथा देश के लिए विडंबना ही है। एनी बेसेंट ने बिल्कुल सच कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में जो भाषा सर्वाधिक प्रभावशाली बन कर उभरी है वह है हिंदी भाषा। जो व्यक्ति हिंदी जानता है पूरे भारत की यात्रा कर सकता है पर हिंदी बोलने वालों से हर तरह की जानकारी भी प्राप्त कर सकता है। हिंदी का बड़ा नुकसान अंग्रेजी भाषा ने भी किया है दक्षिण में स्थानीय भाषाओं के अलावा अंग्रेजी बहुतायत में बोली जाती है पर ना जाने क्यों हिंदी बोलने से बेशक परहेज करते हैं। सबको अपनी भाषा बोलने का अधिकार है पर हिंदी का अपमान करने का अधिकार देश में किसी को नहीं होना चाहिए। कई विद्वानों के सर्वे में यह तथ्य सामने आया है कि इस विश्व में हिंदी सर्वाधिक बोले जाने वाली भाषा है उसने अंग्रेजी भाषा को पीछे छोड़ दिया है। यह सर्वे की रिपोर्ट कितनी प्रमाणित है यह तो मालूम नहीं लेकिन निकट भविष्य में ऐसी संभावनाएं बन सकती है कि जब हिंदी वैश्विक भाषा बनकर तेजी से उभरेगी। हिंदी को राजभाषा से राष्ट्रभाषा बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भी शासन ने अनेक योजनाओं को मूर्त रूप दिया है जिनमें कक्षाओं कवि सम्मेलन नाटकों संगोष्ठी में हिंदी अनुसंधान ओ हिंदी टंकण आदि के बढ़ावा देने के साथ हिंदी पत्र-पत्रिकाओं को भी आर्थिक सहायता प्रदान करने का प्रयास किया है ।दूसरी तरफ कंप्यूटर, इंटरनेट, ई बुक, विज्ञापन ,टेलीविजन तथा अन्य मीडिया के साधनों के क्षेत्र में हिंदी का अधिकतम उपयोग करने की समझाइश दी गई है, ताकि इसका विकास एवं संवर्धन किया जा सके। हिंदी भाषा भारत के अलावा मॉरीशस, फिजी, श्रीलंका जैसे देशों में बोली वह समझी जाती है। हिंदी के विशेष प्रचार प्रसार के लिए विश्व हिंदी सम्मेलन अलग-अलग देशों में आयोजित किए जाते रहे हैं। वैसे वैश्विक स्तर पर 10 जनवरी को हिंदी दिवस मनाने की परंपरा लागू की गई है। हिंदी के प्रचार प्रसार तथा संवर्धन के लिए 10 जनवरी 1975 को नागपुर में विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया गया पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी ने कहा था हिंदी का प्रचार और विकास अब कोई रोक नहीं सकता है।

महंगाई पर नकेल कसने की कोशिश

गौरव राय

अब केंद्र सरकार महंगाई को लेकर गंभीर दिखने लगी है। इस पर काबू पाने के लिए कुछ कदम भी उठाने शुरू कर दिए हैं। पहले पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क कम किया, राज्य सरकारों को वैट कम करने को कहा और अब खाद्यान्न की महंगाई पर रोक लगाने के उपाय आजमा रही है। गेहूं के निर्यात पर रोक लगा दी गई है। केवल उन्हीं देशों को गेहूं निर्यात किया जाएगा, जो इसकी मांग करेंगे। इसी तरह चीनी का निर्यात रोक दिया गया है। सोयाबीन और सूरजमुखी के आयात को दो वित्त वर्षों तक शुल्क मुक्त करने का नया फैसला किया गया है।

इससे उम्मीद जताई जा रही है कि खाद्यान्न संकट पैदा नहीं होगा और खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगेगा। पिछले कुछ महीनों में खाद्य तेलों की कीमत दो सौ रुपए के आसपास पहुंच गई है। इसे लेकर स्वाभाविक ही लोगों में चिंता दिखने लगी है। ये कुछ फौरी कदम हैं, जिनसे तात्कालिक राहत की उम्मीद की जा सकती है। हालांकि थोक और खुदरा महंगाई अपने चरम पर पहुंच गई है। महंगाई की सकल दर में इन कदमों से कितनी कमी आएगी, देखने की बात है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में न केवल कच्चे तेल, बल्कि खाद्यान्न की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है, इसलिए वहां से आयात होने वाले सोयाबीन और सूरजमुखी को शुल्क मुक्त करने से कीमतों का बोझ ज्यादा नहीं पड़ेगा।

इस साल समय से पहले गर्मी पड़ने की वजह से गेहूं और सरसों की फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इनका उत्पादन कम हुआ है। इसलिए सरकार ने एहतियातन गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। देश की ज्यादातर आबादी सरसों और मूंगफली का तेल खाती है। सरसों का उत्पादन पिछले साल भी कम हुआ था, जिसका असर तेल

की कीमतों पर देखा गया। फिर पाम आयल के आयात में भी कमी आई थी।

इसलिए खाद्य तेलों के मामले में उपलब्धता बढ़ाने की दृष्टि से सरकार का ताजा फैसला काफी राहत दे सकता है। हालांकि इसमें आयात की सीमा तय की गई है। एक वित्त वर्ष में सोयाबीन और सूरजमुखी के कच्चे तेल के बीस लाख टन तक के आयात को ही शुल्क मुक्त रखा गया है। हालांकि इससे खाद्य तेल की समस्या कितनी हल हो पाएगी और महंगाई में कितनी कमी आ सकती है, इसका अनुमान नहीं पेश किया गया है।

महंगाई बढ़ने की कई वजहें हैं। उन्हें देखते हुए कुछ समय पहले खुद रिजर्व बैंक ने कहा था कि महंगाई का यह दौर अभी लंबा खिंचेगा। पेट्रोल-डीजल पर जो उत्पादन शुल्क और वैट कम किया गया है, वह पिछले दो महीनों में हुई बढ़ोतरी से भी कम है। इसलिए बेशक कुछ देर के लिए उपभोक्ता को राहत महसूस हो, पर माल ढुलाई और कल-कारखानों की उत्पादन लागत में बहुत कमी नहीं आएगी, फिर उस हिसाब से लगने वाले जीएसटी में भी बहुत अंतर नहीं आएगा।

इसलिए कई विशेषज्ञों का कहना है कि ये फौरी कदम बहुत टिकाऊ साबित नहीं होने वाले। दरअसल, खाने-पीने की चीजों में महंगाई की बड़ी वजह उनकी ढुलाई पर आने वाली लागत है। इसे कैसे संतुलित किया जा सकेगा, अभी तक कोई खाका नहीं पेश हो सका है। लोगों की क्रयशक्ति और फिर औद्योगिक उत्पादन का घटना भी महंगाई बढ़ने का बड़ा कारण है। सरकार छिटपुट ही सही, महंगाई पर काबू पाने के प्रयास तो कर रही है, मगर इसके लिए समग्र रूप से व्यावहारिक कदम उठाए जाने की जरूरत है।

मुझको भैयाजी माफ करना - गल्ती मारे से हो गई

गल्ती हो जाने पर क्षमा मांगना हर समस्या का तर्कसंगत समाधान है ◑ हमसे वाकई कोई गल्ती हो गई है तो गंभीरता से क्षमा मांगना हमारा बड़प्पन होगा और अपनी खामियों के बावजूद सम्मान, भरोसा हासिल होगा - एड किशन भावनानी

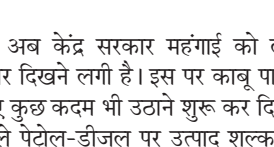

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारतीय सभ्यता, संस्कृति, मूल्यों मयार्दा और आध्यात्मिकता की सजगता दुनिया में कहीं नहीं है हमारी सभ्यता के अनेक मोतियों में से एक क्षमां मांगना है बड़े बुजुर्गों का कहना है जो क्षमा करता है पुरानी बातों को भूल जाता है वही सबसे बड़ा दानी है क्योंकि क्षमादान जैसा कोई दान नहीं यहवैचारिक शक्ति है भारतीय सभ्यता की!!

साथियों बात अगर हम हमारे आज के विषय वस्तु क्षमा मांगने की करें तो, क्षमा करने के सुनहरे नियम के साथ-साथ एक पहलू यह भी है कि हमसे अगर गलती हो जाए तो हमें शांत स्वभाव से अपनी गलती को स्वीकार कर लेना चाहिए और माफी मांगनी चहिए, क्योंकि हमेशा याद रखें कि माफी मांगने से हमेशा रिश्ते मजबूत ही होंगे, दो लोगों के बीच कभी बैर नहीं होगा। माफ करने या माफी मांगने की आदत से यह मालूम पड़ता है कि व्यक्ति तुच्छ भावों के मुकाबले में रिश्ते को ज्यादा अहमियत देता है।

साथियों बात अगर हम मानव जीव में क्षमा भाव की करें तो, क्षमा भाव जिसके भीतर विकसित हो जाता है, वह व्यक्ति समाज में आदरणीय माना जाता है। किसी को किसी की भूल के लिए क्षमा करना और आत्मग्लानि से मुक्ति दिलाना एक बहुत बड़ा परोपकार है। कितना आसान है किसी से अपनी गलती की माफी मांगना और उससे भी ज्यादा आनंद तब मिलता है, जब वह व्यक्ति हमें माफ कर देता है। क्षमा का शस्त्र जिसके पास है, उसका दुष्ट मानव कुछ नहीं बिगाड़ सकते। जिस तरह बिना तिनकों की पृथ्वी पर गिर कर अग्नि खुद ही शांत हो जाती है।

साथियों बात अगर हम क्षमा मांगने की परिस्थिति की करें तो, यदि हमसे वाकई गलती हो गई है तो गंभीरता से क्षमा मांगें। कोई स्पष्टीकरण दें, हमारी गलती से वह विचलित है और हमारे कारणों को समझने की स्थिति में नहीं है। उसे पहले शांत कर सामान्य स्थिति में लाएं। दिल से मांगी गई माफी से स्थिति सामान्य हो जाएगी। यह हमारा बड़प्पन भी होगा कि जो व्यक्ति हमारे कारण दुखी हुआ है और हम अपनी गलती स्वीकार कर उसे सामान्य होने में मदद कर रहे हैं। फिर हुए नुकसान या असुविधा की पूर्ति के लिए तत्काल प्रयास करें। व्यर्थ की दलीलों में समय बर्बाद करने की बजाय तत्काल कदम उठाएं। इस तरह हम अपनी खामियों के बावजूद सम्मान भरोसा हासिल करेंगे। अन्यथा भावनाओं की गलत अभिव्यक्ति से आप हमेशा तनाव में रहेंगे, जो आपको समाधान से दूर और दूर ले जाएगा।

साथियों बात अगर हम क्षमा देने की करें तो, कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर

सकता, क्षमा करना तो शक्तिशाली व्यक्ति का गुण है। जो पहले क्षमा मांगता है वह सबसे बहादुर है और जो सबसे पहले क्षमा करता है वह सबसे शक्तिशाली है। शास्त्रों में कहा गया है कि क्षमा वीरों का आभूषण है। बाणभट्ट के हर्षचरित में उल्लेख किया गया है कि क्षमा सभी तपस्याओं का मूल है। महाभारत में कहा गया है कि क्षमा असमर्थ मनुष्यों का गुण और समर्थ मनुष्यों का आभूषण है।ह्ल श्री गुरु ग्रंथ साहिब का वचन है- क्षमाशील को रोग नहीं सताता और न ही यमराज डराता है।

साथियों बात अगर हम क्षमा में भावनात्मक मिश्रण से हानि की करें तो खासकर पारिवारिक झगड़ों में हम देखते हैं कि, पति का पत्नी से झगड़ा हो गया है। उनके बीच कोई समस्या हो सकती है, जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। चूंकि पत्नी का मूड खराब है तो वह बेटे पर गुस्सा उतारेगी। बेटे पर मां मामूली-सी बात पर चिल्लाई तो वह अपने साथियों से लड़ पड़ा और हम जितनी कल्पना कर सकें उतना इस कहानी को विस्तार दे सकते हैं। भावनाएं यदि समस्या के स्रोत की दिशा में हो तो भी यह उसे सुलझाने की बजाय बड़ा बना देती हैं। यहीं पर बड़ी समस्या है, क्योंकि कोई माफी मांगे इसकी बजाय भावनात्मक विस्फोट के कारण आखिर में हमें ही माफी मांगनी पड़ सकती है।

साथियों बात अगर हम माफी मांगने में अफसोस और ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी. के तड़के की करें तो,मुझे अफसोस है, इन तीन छोटे शब्दों के बिना माफी वास्तव में माफी नहीं है। उनका उपयोग करने से हम यह प्रदर्शित कर सकते हैं कि हम वास्तव में उस समस्या को उत्पन्न करने के लिए पछताते हैं जिसने शिकायत को प्रेरित किया। इन शब्दों के साथ माफी माँगने से हमको यह दिखाने में मदद मिलती है कि हम अतीत में जो कुछ हुआ है उसकी ज़िम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। हम सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा दोबारा न हो, यह समझाते हुए कि जो हुआ अब आगे हमेशा एक अच्छा विचार होगा, भविष्य में गड़बड़ी से मुक्त रखने के लिए हम जो कुछ भी बदलने की योजना बना रहे हैं उसे रेखांकित करके उस सफलता पर निर्माण करना सबसे अच्छा है।

साथियों बात अगर हम माफी मांगने की व्यवहारिकता की करें तो, यदि हम गलत हैं, आंशिक रूप से भी, किसी की मांग करने से पहले क्षमा मांगना बेहतर है। क्षमायाचना उन समस्याओं को हल करने में मदद कर सकती है जिन्हें हल करना सामान्य शब्दों के लिए बहुत कठिन है। क्षमा की वांछनीयता इसमें शामिल लोगों की संस्कृति पर निर्भर करती है। शर्म की संस्कृति में , एक उच्च स्थिति वाले व्यक्ति से जबरन माफी मांगना एक बहुत ही मूल्यवान चीज के रूप में देखा जाता है, क्योंकि माफी मांगने वाले व्यक्ति के सामाजिक अपमान को एक महत्वपूर्ण कार्रवाई के रूप में देखा जाता है।

शिष्टाचार दूसरों से अपेक्षा करने का मानक नहीं है, यह एक ऐसा मानक है जिसका आप स्वयं पालन करते हैं। यह कहना कभी आसान नहीं होता, मुझे क्षमा करें। लेकिन कभी-कभी, गलती के लिए माफी मांगना ही आपकी प्रतिष्ठा की रक्षा करने का एकमात्र तरीका है।

क्षमा दान महादान है

क्षमा के बराबर कोई दान नहीं है

गलती करना मानवीय विकार है

क्षमा करना ईश्वरय गुण हैं

क्षमा खुशनसीब है

अहंकार बदनसीब हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मुझको भैयाजी माफ करना गलती मारे से हो गई। गलती हो जाने पर क्षमा मांगना हर समस्या का तर्कसंगत समाधान है। यदि हमसे वाकई कोई गलती हो गई है तो गंभीरता से क्षमा मांगना हमारा बड़प्पन होगा और हमारी खामियों के बावजूद सम्मान, भरोसा हासिल होगा।

आरबीआई की रिपोर्ट : बुनियादी सुधारों के चलते बेहतर स्थिति में भारत

कई देशों में महंगाई से मंदी का संकट

मुंबई। वर्तमान में विश्व के कई देशों में महंगाई से उत्पन्न मंदी का संकट मंडरा रहा है। जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था बुनियादी सुधारों के चलते बेहतर स्थिति में है। फिर भी भारत में बुनियादी सुधारों की जरूरत है। यह बात भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कही है। बढ़ती भू-राजनीतिक अस्थिरता और मुद्रास्फीति के बीच जारी आरबीआई की एक रिपोर्ट में भारत की आर्थिक वृद्धि की मध्यकालिक संभावनाए बढ़ाने के लिए बुनियादी सुधारों को जारी रखने की जरूरत पर बल दिया गया है। वार्षिक रिपोर्ट 2021-22 में कहा गया है कि ऐसे समय में जबकि आर्थिक हालात सुधारने के प्रयास को समर्थन के काम को प्राथमिकता देने की जरूरत है, ऊंची मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने को प्राथमिकता देने की

मौद्रिक नीति अपना कर्ज महंगा करना और नकदी के प्रवाह को कम करना केंद्रीय बैंकों की मजबूरी बन गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022 में 24 मई तक उन्नत अर्थव्यवस्थाओं और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के 40 से अधिक केंद्रीय बैंकों ने नीतिगत ब्याज दरों में वृद्धि की है या तो तरलता को कम करने के कदम उठाए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, आर्थिक वृद्धि की आगे की राह आपूर्ति पक्ष की बाधाओं को दूर करने के उपायों, आर्थिक वद्धि का समर्थन करते हुए मुद्रास्फीति को लक्ष्य के भीतर लाने के लिए मौद्रिक नीति में संशोधन और समग्र मांग, विशेष कर पूंजीगत व्यय को प्रोत्साहित करने के लिए लक्षित राजकोषीय नीति समर्थन से तय होगी।

बैंकिंग धोखाधड़ी के मामले बढ़े

रिपोर्ट में सामने आया कि वित्त वर्ष 2021 की तुलना में वित्त वर्ष 2022 में बैंकिंग धोखाधड़ी के मामलों में इजाफा हुआ है, हालांकि इन मामलों में शामिल राशि बीते साल कम रही। यानी धोखाधड़ी के मामले बढ़ने के बाद लोगों के नुकसान में कमी आई है। आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि अपराध की दुनिया में बैंकों को धोखा देने के मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। वित्त वर्ष 2022 में भी बैंकिंग धोखाधड़ी के मामले तेजी से बढ़े है। रिपोर्ट की मानें तो बैंकिंग धोखाधड़ी, जिसमें ऋण लेने से लेकर ऑनलाइन लेन-देन तक के मामले शामिल हैं। इनकी संख्या में पिछले वित्त वर्ष में वृद्धि दर्ज की गई है, लेकिन इसमें शामिल राशि इससे पिछले वर्ष की तुलना में कम रही। इसमें कहा गया कि वित्त वर्ष 22 में बैंकों ने 9103 धोखाधड़ी के मामलों की सूचना दी, जिसमें 60414 करोड़ रुपए शामिल थे। इसकी तुलना में वित्त वर्ष 2021 के आंकड़ों पर जर डालें तो भले ही धोखाधड़ी के मामलों की संख्या 7359 रही थी, लेकिन इसमें ठगी गई राशि 1.38 लाख करोड़ रुपए थी। यानी वित्त वर्ष 2022 में ठगी गई राशि वित्त वर्ष 2021 की तुलना में आधे से भी कम है।

क्या है मुद्रास्फीतिजनित मंदी

किसी देश में मुद्रास्फीतिजनित मंदी एक ऐसी स्थिति है जिसमें कीमत स्तर बहुत ऊंचा हो जाता है लेकिन अर्थव्यवस्था की गति धीमी हो जाती है या मंदी जैसी स्थिति हो जाती है और बेरोजगारी भी बढ़ने लगती है। गौरतलब है कि आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने अभी मार्च में ही भारतीय अर्थव्यवस्था के मुद्रास्फीतिजनित मंदी की स्थिति में फंसने की संभावना से इनकार किया था।

दो हजार रुपए के नोट की संख्या में गिरावट जारी

दो हजार रुपए के बैंक नोट की संख्या में पिछले कुछ साल से गिरावट का सिलसिला जारी है। इस साल मार्च अंत तक चलन वाले कुल नोट में इनकी हिस्सेदारी घटकर 214 करोड़ या 1.6 प्रतिशत रह गई। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट में यह कहा गया है। इस साल मार्च तक सभी मूल्यवर्ग के नोटों की कुल संख्या 13053 करोड़ थी। इससे एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 12437 करोड़ था। वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2020 के अंत में चलन में शामिल 2000 रुपए के मूल्यवर्ग वाले नोटों की संख्या 274 करोड़ थी। यह आंकड़ा चलन में कुल करेंसी नोटों की संख्या का 2.4 प्रतिशत था। इसके बाद मार्च 2021 तक चलन में शामिल 2000 के नोटों की संख्या घटकर 245 करोड़ या दो प्रतिशत रह गई। पिछले वित्त वर्ष के अंत में यह आंकड़ा 214 करोड़ या 1.6 प्रतिशत तक रह गया। रिपोर्ट के अनुसार इस साल मार्च के अंत में 500 रुपए के नोटों की संख्या बढ़कर 4554.68 करोड़ हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 3867.90 करोड़ थी।

बीमा पॉलिसी की स्पष्ट समझ जरूरी

नई दिल्ली। कोरोना संकट का व्यापक रूप से व्यक्ति, समाज, व्यवसाय और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ना जारी है। इस महामारी के दौरान जीवन की कठिन वास्तविकताओं का हमने सामना किया है। हमें याद दिलाया गया है कि जीवन अनिश्चित है। ऐसे समय में लोग शारीरिक और वित्तीय रूप से खुद को सुरक्षित रखने के लिए काफी उत्सुक हैं। एक बीमा योजना अप्रत्याशित नुकसान की स्थिति में सुरक्षा जाल प्रदान करके हमें वित्तीय प्रतिरक्षा प्रदान करती है और हमें जिंदगी के विभिन्न पड़ाव में अपने लक्ष्यों के लिए योजना बनाने में मदद करती है। **यह बात अभिजीत गुलाणीकर, प्रेसिडेंट बिजनेस स्ट्रेटजी, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने कही।** उन्होंने बताया कि हमें खुद से पूछने की जरूरत है, क्या हम अपनी बीमा पॉलिसी को पूरी तरह से समझते हैं। हम सर्वोत्तम टर्म इंश्योरेंस का चयन करते हैं, जो अप्रत्याशित घटना के मामले में हमारे परिवार की वित्तीय प्रतिरक्षा सुनिश्चित करेगा, लेकिन क्या केवल खरीदारी करना पर्याप्त है। बीमा के दीर्घकालिक उत्पाद होने के कारण, इसकी विशेषताओं, लाभों आदि की सही समझ होनी चाहिए। जीवन बीमा पॉलिसियां अक्सर जटिल होती हैं। इसलिए बाद के चरण में किसी भी निराशा से बचने के लिए बीमा सुरक्षा योजना की विभिन्न बारीकियों को समझना महत्वपूर्ण है। बीमा खरीद को बेहतर ढंग से समझने में आपकी सहायता करने के लिए यहां एक मार्गदर्शिका दी गई है।

बीमा पॉलिसी को समझना: वर्तमान में टर्म इंश्योरेंस, लोन प्रोटेक्शन, सेविंग्स, चाइल्ड प्लान, हेल्थ प्लान, यूलिप और रिटायरमेंट प्लान मौजूद हैं। इन श्रेणियों द्वारा दी जाने वाली सुरक्षा की सटीक प्रकृति, उनसे जुड़े कवर को समझना महत्वपूर्ण है।

टर्म बीमा: एक टर्म या पूर्णतः रिस्क प्रीमियम जीवन बीमा का सबसे सरल रूप है। यह एक निश्चित अवधि या पालिसी टर्म के लिए मुनासिब लागत पर एक पर्याप्त वित्तीय कवर प्रदान करता है, जिसमें बीमित व्यक्ति की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की स्थिति में नामांकित व्यक्ति को पूर्व निर्धारित राशि का भुगतान किया जाता है। नामांकित व्यक्ति इस राशि का उपयोग बच्चों की शिक्षा, किराए या गृह ऋण ईएमआई, दैनिक घरेलू खर्च जैसे विभिन्न दायित्वों के भुगतान के लिए कर सकते हैं। इस योजना का एक प्रमुख लाभ यह है कि यह परिवार के अन्य सदस्यों को पूर्व मुख्य वेतन भोगी के रहते जो जीवन स्तर था, उसी हिसाब से जीने में मदद करता है और कमाई शुरू करने के लिए पर्याप्त समय देता है।

हेल्थ कवर : हेल्थ बीमा उत्पाद गंभीर बीमारी को कवर करता है। इस उत्पाद को खतरनाक बीमारीयों के कारण होने वाले वित्तीय संकट का प्रबंधन करने वाले एक टूल के रूप में डिजाइन किया गया है। यह पॉलिसी पॉलिसीधारक को गंभीर बीमारी का निदान होने पर एकमुश्त राशि प्रदान करती है। यह कवर चिकित्सा उपचार की लागत का ध्यान रखने के अलावा आय हानि को भी कवर कर सकता है। यहां कवर की गई बीमारियों की बीमाकर्ता द्वारा पूर्व निर्धारित सूची को जानना सबसे आवश्यक है।

लोन प्रोटेक्शन : जीवन में बड़ी खरीदारी जैसे सपनों का घर या वाहन खरीदना, बैंक लोन के माध्यम से किया जाता है, लेकिन किसी भी अप्रत्याशित घटना के मामले में ईएमआई का भुगतान न करने के कारण परिवार को संपत्ति का नुकसान होता है। जब आप न हों तो लोन प्रोटेक्शन बीमा परिवार को ऋण चूकने और सपनों का घर या कार खोने से बचा सकता है। यह आपकी महंगी खरीदारी को कवर करने के सबसे सुविधाजनक तरीकों में से एक है।

यूलिप: यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान या यूलिप विशेष रूप से उच्च जोखिम पसंद करने वाले लोगों के लिए है। यह बीमा उत्पाद और निवेश साधन, दोनों का लाभ प्रदान करता है। इस योजना के तहत प्रीमियम का एक हिस्सा बीमा कवरेज में जाता है। बाकी रकम का निवेश बाजार से जुड़े फंडों में होता है। यहां यह समझने की जरूरत है कि इस योजना का चयन करते समय, पॉलिसीधारकों को लाभदायक रिटर्न का लाभ मिलता है, लेकिन बाजार से जुड़ी प्रतिभूतियों के साथ जोखिम भी जुड़ा होता हैए जो बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर होने वाले रिटर्न की मात्रा के संदर्भ में होता है।

एन्यूटी प्लान : इसका उपयोग सेवानिवृत्ति आय के लिए किया जाता है। इस योजना के तहत, निवेशक एकमुश्त राशि का भुगतान करता है और भविष्य में निवेशक के शेष जीवन तक एक लगातार भुगतान पाता रहता है। इस तरह की योजना हमारी बचत को खत्म करने के जोखिम का समाधान देती है। अब जब आप विभिन्न प्रकार की जीवन बीमा पॉलिसियों, उनकी कार्यक्षमता और लाभों को समझ गए हैं, तो यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ सरल उपाय यहां दिए गए हैं, ताकि आपकी बीमा पॉलिसी आपका उद्देश्य पूरा हो सके।

- प्रपोजल फॉर्म में सही विवरण दें। खास कर स्वास्थ्य संबंधित विवरण सही दें ताकि क्लेम समय पर आ सके।
- अपने नॉमिनी विवरण को अपडेट करना आवश्यक है, जो यह सुनिश्चित करता है कि बीमित व्यक्ति के दुर्भाग्यपूर्ण निधन की स्थिति में पैसा बिना किसी विवाद के सही नामांकित व्यक्ति को मिल सके।
- हमेशा अपने निवेशों का रिकॉर्ड रखें। यह अभ्यास एक स्पष्ट विचार देगा कि आपका सारा पैसा कहां रखा हुआ है।
- समय-समय पर अपनी बीमा राशि की समीक्षा करना बेहद जरूरी है। क्योंकि कोई जब करियर में प्रगति करता है तब शादी करना, घर का मालिक बनना, माता-पिता बनना आदि जैसे कई पड़ाव को भी पार करता है। बीमा कवर खरीदना हमारे परिवार की वित्तीय प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक स्मार्ट निर्णय है, लेकिन बाद में किसी भी तरह की निराशा से बचने के लिए इसकी लगातार समीक्षा करनी होगी और इसके तहत सभी पेशकशों और बहिष्करणों की स्पष्ट समझ होनी चाहिए।

दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लगने की हो रही जांच

नई दिल्ली। बिजली चालित दो पहिया वाहनों में आग लगने की घटनाओं की जांच के लिए सड़क परिवहन मंत्रालय की बनाई हुई विशेषज्ञ समिति अपनी रिपोर्ट अगले हफ्ते देगी। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लगने की हाल में अनेक घटनाएं हुई हैं जिनमें कुछ लोगों की मौत हुई जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि विशेषज्ञ समिति अपनी रिपोर्ट 30 मई को देगी। सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बीते दिनों कहा था कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के बाद लापरवाही पायी जाने पर कंपनियों को दंडित किया जाएगा और खामी वाले सभी वाहनों को वापस लिया जाएगा। ओला की इलेक्ट्रिक वाहन इकाई के ई-वाहन में पुणे में आग लगने की घटना हुई थी जिसके बाद सरकार ने पिछले महीने जांच बैठाई थी। सड़क परिवहन मंत्रालय के मुताबिक अग्निए पर्यावरण तथा विस्फोटक सुरक्षा केंद्र से ई-वाहन में आग लगने की घटना की परिस्थितियों की जांच करने कहा गया है।

समिति 30 मई को देगी रिपोर्ट

उड़ान से पहले जेट को भारी नुकसान

चौथी तिमाही में कंपनी को 234 करोड़ रुपए का घाटा

नई दिल्ली। जेट एयरवेज एक बार फिर से परिचालन की तैयारी में है, लेकिन उससे पहले कंपनी को भारी नुकसान हुआ है। वित्तीय वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में कंपनी को 234 करोड़ रुपए का भारी घाटा उठाना पड़ा है।

31 मार्च 2022 को समाप्त चौथी तिमाही में एयरलाइन का शुद्ध घाटा बढ़कर 234 करोड़ रुपये हो गया। गौरतलब है कि इससे पिछले साल की समान अवधि में जेट एयरवेज को 107.01 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ था। नतीजों के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में कंपनी की कुल आय 11.63 करोड़ रुपए रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 17.73 करोड़ रुपए थी। गौरतलब है कि बीती पांच मई को जेट एयरवेज ने हैदराबाद से दिल्ली के लिए परीक्षण उड़ान भरी थी। यहां बता दें कि ये उड़ान पूरे तीन साल बाद भरी गई थी, क्योंकि 2019 में कंपनी दिवालिया होने के चलते सेवाएं बंद कर दी गई थीं।

मुरारी लाल जालान और कालरॉक कंसोर्टियम ने जून 2021 में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल एनसीएलटी की निगरानी में हुई दिवाला और समाधान प्रक्रिया में जेट एयरवेज की बोली जीती थी। अब जबकि इसे सुरक्षा मंजूरी दे दी गई है, तो नए मालिक के साथ कंपनी की सेवाएं फिर से शुरू होने जा रही हैं।

उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में मजबूती का रुख

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुवार की मजबूती के बाद भारतीय शेयर बाजार आज के शुरूआती कारोबार में भी उतार-चढ़ाव का सामना करने के बावजूद मजबूती का रुख दिखाता नजर आ रहा है। आज शेयर बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार की शुरूआत की और खरीदारी के समर्थन से अपनी मजबूती में इजाफा भी किया। लेकिन बाद में बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इसमें गिरावट का रुख भी नजर आया। सुबह से जारी खरीद-बिक्री के बीच शेयर बाजार लगातार उतार-चढ़ाव का सामना कर रहा है। हालांकि अभी तक के कारोबार में शेयर बाजार में मजबूती बनी हुई है।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सेंसेक्स ने आज 418.97 अंक की मजबूती के साथ 54,671.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही कुछ मिनट के लिए बिकवाली का दबाव बना, लेकिन उसके बाद तेज खरीदारी शुरू हो गई, जिसके कारण शुरूआती 15 मिनट के कारोबार में ही सेंसेक्स 539.25 अंक

की मजबूती के साथ 54,791.78 अंक के स्तर पर पहुंच गया। लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बनने लगा।

बिकवाली का दबाव बनने के बावजूद बाजार में लगातार लिवाली भी होती रही। लेकिन बिकवाली का दबाव लिवाली से अधिक होने की वजह से सेंसेक्स अगले 1 घंटे के कारोबार में दिन के पहले कारोबारी सत्र के ऊपरी स्तर से 318.35 अंक की गिरावट के साथ 54,473.43 अंक के स्तर पर आ गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर बाजार में मोर्चा संभाला, जिसके कारण सेंसेक्स की स्थिति में कुछ सुधार भी आया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरूआती 2 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 11:15 बजे सेंसेक्स 257.03 अंक की मजबूती के साथ 54,509.56 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी ने 126.45 अंक की मजबूती के साथ 16,296.60 अंक के स्तर से आज के कारोबार की शुरूआत की। एनएसई में भी आज सुबह से लगातार उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रही। बाजार में कभी लिवाल हावी होते नजर आए तो कभी बिकवालों का दबाव बनता दिखा। शुरूआती 15 मिनट के कारोबार में ही खरीदारी के समर्थन से निफ्टी 159.20 अंक की तेजी के साथ 16,329.35 अंक के स्तर पर पहुंच गया।

लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बनने लगा, जिसके कारण ये सूचकांक भी ऊपरी स्तर से नीचे की ओर लुढ़कने लगा। बीच-बीच में हो रही लिवाली के बावजूद बाजार में बिकवाली के दबाव की वजह से अगले 1 घंटे के कारोबार में ही निफ्टी ऊपरी स्तर से करीब 95 अंक लुढ़ककर 16,234.65 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद हुई खरीदारी से निफ्टी की स्थिति में भी कुछ सुधार आया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाल बाजार पर हावी हो गए। लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरूआती 2 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 11:15 बजे निफ्टी 76.25 अंक की मजबूती के साथ 16,246.40 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

अभी तक के कारोबार में बैंकिंग, आईटी, कैपिटल गुड्स, ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर और एफएमसीजी सेक्टर में तेजी का रुख बना हुआ है। वहीं मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। अभी तक के कारोबार में आईटी सेक्टर में 1.16 प्रतिशत की और बैंकिंग सेक्टर में 1.14 प्रतिशत की तेजी बनी हुई है। मजबूत ग्लोबल संकेतों के बीच आज घरेलू शेयर बाजार ने प्री ओपनिंग सेशन में भी बढ़त के साथ कारोबार की शुरूआत की थी। इस सेशन में बीएसई का सेंसेक्स 369.18 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ 54,669.03 अंक के स्तर पर था। वहीं निफ्टी प्री ओपनिंग सेशन में 126.45 अंक की बढ़त के साथ 16,296.60 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को सेंसेक्स 503.27 अंक यानी 0.94 प्रतिशत चढ़ कर 54,252.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 144.35 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की मजबूती के साथ 16,170.15 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

बैंक फंसे कर्ज से बचने के साथ वृद्धि को समर्थन का रखें ध्यान : आरबीआई

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि कोविड काल में कर्ज पुनर्गठन प्रक्रिया से गुजरने वाली कंपनियों के ऋण व्यवहार को लेकर सजगता बरतने के साथ ही बैंकों के लिए वृद्धि को समर्थन देना भी जरूरी होगा। आरबीआई ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि कोविड-19 महामारी के बावजूद वित्तीय मानदंडों पर बैंकिंग क्षेत्र की स्थिति बेहतर हुई है। हालांकि जिन कंपनियों के कर्ज पुनर्गठित हुए, उनके ऋण व्यवहार को लेकर सतर्कता बरतने की जरूरत है ताकि महामारी से अधिक प्रभावित रहे क्षेत्रों में गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) या फंसे कर्ज के मामले न बढ़ें। कोविड काल में आरबीआई ने कर्ज लौटाने को लेकर मोहलत के साथ ही कारोबारों को ऋण पुनर्गठन की सुविधा भी दी थी। इस कदम से कारोबारों को महामारी के दुष्प्रभावों से बचाने की कोशिश की गई थी। आरबीआई की रिपोर्ट कहती है कि कारोबारों को राहत देने के लिए लाए गए प्रावधानों को धीरे-धीरे वापस लेने से

कुछ पुनर्गठित कर्जों के दिवाला प्रक्रिया का हिस्सा बनने की चिंता भी खड़ी हो गई है। इसके अलावा बैंकों के बहीखाते पर इसका असर भी आने वाली तिमाही में ज्यादा साफ हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक किसी भी अव्यवहार्य खाते की पहचान में सक्रियता दिखाने से ही समयबद्ध समाधान किया जा सकता है। रिपोर्ट कहती है, आगे चलकर अर्थव्यवस्था की स्थिति सुधरती है और ऋण की मांग बढ़ती है तो बैंकों को नए जोखिमों को लेकर सजग रहने के साथ ही ऋण वृद्धि को भी समर्थन देने की जरूरत होगी। आरबीआई की वर्ष 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट कहती है, ह्यहम सुनिश्चित करने की जरूरत होगी कि नये फंसे कर्ज के मामले न हों और भविष्य में पैदा होने वाले तनाव से बचने के लिए बैंकों के बहीखाते मजबूत हों। आरबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और शहरी सहकारी बैंकों को अपने बहीखातों में मौजूद कमजोरियों पर खास ध्यान रखना होगा। उन्हें मजबूत परिसंपत्ति-देनदारी प्रबंधन सुनिश्चित करने के अलावा अपने ऋण पोर्टफोलियो की गुणवत्ता सुधारने पर भी जोर देना होगा।

आरबीआई ने नॉन-बैंक भारत बिल पेमेंट यूनिट्स के लिए नेट-वर्थ घटाया, अब नहीं होगी 100 करोड़ की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नॉन-बैंक यूनिट्स के लिए भारत बिल भुगतान ऑपरेटिंग यूनिट्स की स्थापना के लिए नियमों में काफी ढील दे दी है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि इस सेगमेंट में अधिक कंपनियों को लाने के लिए नेटवर्थ की जरूरत को घटाकर 25 करोड़ रुपये कर दिया गया है। वर्तमान में किसी नॉन-बैंक यूनिट्स के लिए भारत बिल भुगतान ऑपरेशन यूनिट्स स्थापित करने के लिए नेटवर्थ की सीमा 100 करोड़ रुपये है। बता दें कि भारत बिल भुगतान प्रणाली (बीबीपीएस) बिल भुगतान के लिए एक 'इंटरऑपरेबल' प्लेटफॉर्म है। वर्तमान में एक गैर-बैंक बीबीपीओयू (भारत बिल भुगतान ऑपरेशन यूनिट्स) के लिए प्राधिकरण प्राप्त करने के लिए 100 करोड़ रुपये के नेट मूल्य की आवश्यकता थी। भारत बिल भुगतान

प्रणाली (बीबीपीएस) बिल भुगतान के लिए एक इंटरऑपरेबल प्लेटफॉर्म है। बीबीपीएस का दायरा और कवरेज उन सभी कैटेगिरी के बिलर्स तक फैला हुआ है, जो आवर्ती बिल को बढ़ाते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने एक बयान में कहा कि गैर-बैंक भारत बिल भुगतान परिचालन यूनिट्स (बीबीपीओयू) के लिए न्यूनतम नेट-वर्थ की आवश्यकता को घटाकर 25 करोड़ रुपये कर दिया गया है। बीबीपीएस के उपयोगकर्ता स्टैंडर्ड बिल भुगतान इक्सपीरियंस, सेंट्रलाइज्ड कस्टूमर कंप्लेन सॉल्यूशन मैकेनिज्म और निर्धारित कस्टूमर फैसेलिटी चार्ज जैसे लाभों का फायदा उठाते हैं। अप्रैल में केंद्रीय बैंक द्वारा की गई घोषणा के बाद नेट-वर्थ को घटाया गया है। आरबीआई ने बयान में कहा था कि बीबीपीएस ने लेन-देन की मात्रा के साथ-साथ ऑनबोर्ड बिलर्स की संख्या में बढ़ोतरी देखी है। आरबीआई ने कहा था कि प्राधिकरण प्राप्त करने के लिए एक गैर-बैंक बीबीपीओयू के लिए 100 करोड़ रुपये की नेट-वर्थ बहुत बड़ी हो जाती है, जिसके कारण ज्यादा से ज्यादा प्लेयर्स इसमें भाग नहीं ले पाते हैं। इसीलिए, आरबीआई ने भागीदारी बढ़ाने के लिए नॉन-बैंक बीबीपीओयू की नेट-वर्थ की आवश्यकता को अन्य गैर-बैंक प्रतिभागियों के साथ एलाइन करने का निर्णय लिया है।

रुचि सोया की आय पिछले साल के मुकाबले लगभग 37 फीसद बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। रुचि सोया की आय पिछले साल के मुकाबले लगभग 6 फीसद बढ़ गई। कंपनी ने की 250 फीसदी के बंपर लाभांश की घोषणा की है। रुचि सोया इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2022 के लिए चौथी तिमाही का रिजल्ट जारी कर दिया है। पिछली तिमाही के मुकाबले रुचि सोया इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कुल आय 5.95 फीसदी की बढ़ोतरी की है। तिमाही के लिए कर पूर्व लाभ 29,569.13 लाख रुपये है। तिमाही के लिए एबिटा 6.27 फीसदी के एबिटा मार्जिन के साथ 41,854.93 लाख रुपये है। रुचि सोया इंडस्ट्रीज लिमिटेड अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त ब्रांडों के साथ एक विविध एफएमसीजी और एफएमएचजी केंद्रित कंपनी है, जिसने वित्तीय वर्ष 2022 की अपनी पहली लिस्टिंग के बाद एक मजबूत और टिकाऊ प्रदर्शन पोस्ट करने के बाद अपने पहले लाभांश की घोषणा की। रुचि सोया ने

अब अपने गौरव को वापस लौटा दिया है और अपने शेयरधारकों को रिटर्न देना शुरू कर दिया है। कंपनी ने वर्ष 2008 में 25 फीसदी के उच्चतम लाभांश का भुगतान किया था। एफएमसीजी और एफएमएचजी प्लेयर ने वित्त वर्ष 2022 में 48.22 फीसदी की प्रभावशाली राजस्व वृद्धि का प्रदर्शन किया, जो पिछले वर्ष 2021 में 16382.97 करोड़ की तुलना में बढ़कर 24284.38 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, कंपनी ने तेल व्यवसाय से प्रमुख राजस्व इकट्ठा किया है। रुचि सोया के नए प्रोडक्ट्स जैसे बिस्कुट, नाश्ते के अनाज और न्यूट्रास्यूटिकल्स ने भी 209 फीसदी की मात्रा में उछाल दिखाया है, क्योंकि पिछले वित्त वर्ष 2021 में रुचि सोया को 640.51 करोड़ रेवेन्यू हुआ था, जो अब 1979.48 करोड़ रुपये हो गया है। मार्च 2021 को समाप्त पिछले वर्ष में 1018.36 करोड़ रुपये की तुलना में वित्त वर्ष 22 में इसका एबिटा बढ़कर 1565.98 करोड़ रुपये हो गया। इसका ऑपरेटिंग मार्जिन 6.22 फीसदी वाईओवाई आधार की तुलना में 6.45 फीसदी अधिक रहा। पिछले वित्त वर्ष 2022 के दौरान नेट प्रॉफिट भी पिछले वर्ष के नेट प्रॉफिट के मुकाबले 18.64 फीसदी की महत्वपूर्ण वृद्धि को दशार्ता है।

चौथी तिमाही 2022 में चौथी तिमाही 2021 की तुलना में कंपनी की आय में 37.38 फीसदी की वृद्धि हुई है और पिछली तिमाही तीसरी तिमाही 2022 की तुलना में 5.95 फीसदी क्यूओक्यू में भी वृद्धि हुई है।

ईबीआईडीटीए की बात करें तो यह 54.68 फीसदी वाईओवाई से बढ़कर पिछले वर्ष चौथी तिमाही 2021 में 270.59 करोड़ की तुलना में यह अब 418.54 करोड़ हो गया है। ईबीआईडीटीए मार्जिन भी चौथी तिमाही 20 में 6.27 फीसदी पर मजबूत रहा है।

पेट्रोल-डीजल के दाम रहे स्थिर, कच्चा तेल 117 डॉलर के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस-यूक्रेन जंग के बीच घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रहे। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 117 डॉलर के पार पहुंच गयी है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने दोनों ईंधनों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में शुक्रवार को पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल की कीमत 109.27 रुपये प्रति लीटर और डीजल का भाव 95.84 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये प्रति लीटर, जबकि डीजल का भाव 92.76 रुपये प्रति लीटर है। इसी तरह चेन्नई में पेट्रोल का भाव 102.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

अब बिजली महंगी करने की तैयारी

महंगा कोयला आयात करने वाले प्लांट बढ़ा सकेंगे बिजली की कीमतें

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्र सरकार ने विदेश से कोयला आयात कर बिजली बनाने वाले थर्मल संयंत्रों को यह छूट दे दी है कि वह बढ़ी हुई लागत बिजली खरीद समझौते (पीपीए) के जरिये वसूल सकते हैं। पीपीए थर्मल पावर प्लांट और डिस्काम के बीच होता है जिसकी दर पहले तय होती है। अब जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कोयला काफी महंगा हो गया है और देश में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बाहर से कोयला मंगवाना बेहद जरूरी है तो केंद्र सरकार ने उक्त कदम उठाए हैं।

आयातित कोयला मिलाने की मंजूरी: बिजली मंत्रालय पहले ही सरकारी और निजी क्षेत्र के ताप बिजली संयंत्रों को घरेलू कोयला में 10 प्रतिशत तक आयातित कोयला मिलाने की मंजूरी दे चुका है। इसके लिए बिजली कानून की धारा 11 के तहत आपातकालीन निर्देश भी दिए गए हैं।

बिजली मंत्री ने किया था आगाह: बिजली क्षेत्र के जानकारों का आकलन है कि आम ग्राहकों के लिए बिजली की दरों में 50 से 70 पैसे प्रति यूनिट की अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है। अभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कोयले की कीमत 300 डालर प्रति टन से ज्यादा है। अभी हाल ही में बिजली मंत्री आरके सिंह ने सभी राज्यों को पत्र लिखकर आगाह किया था कि अगर देश में कोयला आयात नहीं किया गया तो मानसून के दौरान फिर बिजली का संकट पैदा हो सकता है।

कोयला आयात की प्रक्रिया धीमी

उन्होंने हरियाणा, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल से खासतौर पर कहा था कि इन राज्यों या तो कोयला आयात की प्रक्रिया ही नहीं शुरू की है या फिर उसकी रफ्तार बहुत धीमी है। बिजली मंत्रालय ने राज्यों को कोयला आयात करने के साथ ही निर्देश के मुताबिक कोयले का स्टाक उठाने को कहा था। देश में तकरीबन 32 हजार मेगावाट क्षमता के बिजली प्लांट हैं जिनको बाहर से कोयला आयात करने की जरूरत है। इन संयंत्रों को इस महीने के अंत तक कोयले की कुल जरूरत का 10 प्रतिशत तक आयात करने का आर्डर देना होगा। केंद्र ने यह भी कहा है कि अगर उन्होंने 10 प्रतिशत कोयला आयात नहीं किया तो आने वाले महीनों में उन्हें 15 प्रतिशत तक कोयला आयात करना होगा।

INS खंडेरी में बिताए राजनाथ ने चार घंटे

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को आईएनएस खंडेरी पनडुब्बी में सवार हुए और समुद्र के अन्दर चार घंटे यात्रा की। उनके साथ भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार भी मौजूद रहे। उन्होंने ट्वीट किया कि शुक्रवार को आईएनएस खंडेरी की मेरी समुद्री यात्रा के दौरान एक अदभुत और रोमांचकारी अनुभव रहा। समुद्र के नीचे घंटों बिताए और अत्याधुनिक कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी की लड़ाकू क्षमताओं और आक्रामक ताकत को देखा।

धामी सरकार ने पांच सदस्यों की ड्राफ्टिंग कमेटी की गठित

देहरादून, (एजेंसी)। यूनिफॉर्म सिविल कोर्ट को लेकर जस्टिस रंजना देसाई की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया है। यूसीसी पर काम करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बन गया है। ड्राफ्टिंग कमेटी का स्वरूप तैयार कर लिया गया है। धामी सरकार का बड़े और महत्वपूर्ण फैसले पर एक और कदम आगे बढ़ा है। यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए ड्राफ्टिंग कमेटी के गठन की अधिसूचना जारी की गई है। इस कानून के लिए काम शुरू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन गया है। यह कमेटी यूसीसी कानून बनाने के लिए ड्राफ्ट तैयार करेगी। समान नागरिक संहिता को संस्तुति हेतु कमेटी गठन को राज्यपाल सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह को मंजूरी दी।

यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर का बड़ा फैसला

ये है ड्राफ्टिंग कमेटी का स्वरूप

चेयरमैन : रंजना देसाई, सुप्रीम कोर्ट की सेवा निवृत जज

सदस्य : प्रमोद कोहली, दिल्ली हाई कोर्ट के सेवा निवृत जज

सदस्य : शत्रुघ्न सिंह, पूर्व मुख्य सचिव उत्तराखंड

सदस्य : मनु गौड़, अध्यक्ष टेक्स पेयर एसोसिएशन भारत

सदस्य : सुरेख डंगवाल, कुलपति दून विश्वविद्यालय देहरादून

एक नजर

जस्टिस मोहंती को लोकपाल का कार्यवाहक अध्यक्ष किया नियुक्त

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने शुक्रवार को न्यायमूर्ति प्रदीप कुमार मोहंती को लोकपाल का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया। न्यायमूर्ति पिनाकी चंद्र घोष का कार्यकाल पूरा होने के कारण रिक्त हुए पद पर न्यायमूर्ति मोहंती को लोकपाल का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। ओडिशा के कटक के रहने वाले न्यायमूर्ति मोहंती शनिवार 28 मई से लोकपाल का कार्यभार संभालेंगे। उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति मोहंती का जन्म ओडिशा के कटक में प्रतिष्ठित वकीलों के परिवार में हुआ था। न्यायमूर्ति मोहंती के पिता स्वर्गीय जुगल किशोर मोहंती सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे और उनके नाना स्वर्गीय राजकिशोर दास भी ओडिशा उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे।

चुनाव सुधार व एनबीए कानून में संशोधन बिल को मंजूरी

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाक की सीनेट ने चुनाव (संशोधन) विधेयक 2022 और राष्ट्रीय जवाबदेही (दूसरा संशोधन) विधेयक 2021 को शुक्रवार को नेशनल असेंबली में पारित कर दिया है। निचले सदन ने पारित विधेयकों में पिछली पीटीआई सरकार द्वारा विदेशी पाकिस्तानियों के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और आई-वोटिंग के उपयोग और राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो की विशाल शक्तियों के संबंध में चुनाव कानूनों में किए गए परिवर्तनों को पलटने की मांग की गई थी।देश में जल्द चुनाव की संभावना के बीच संसदीय कार्य मंत्री मुर्तजा जावेद अब्बासी और कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने विधेयक पेश किए और एक दिन बाद पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान ने अचानक सरकार को चुनावों की घोषणा के लिए छह दिनों की समय दिए जाने के बाद अपना मार्च समाप्त कर दिया।

आनंद गिरि को नहीं मिली जमानत

प्रयागराज (ब्यूरो)। अभा अखाडा परिषद के अध्यक्ष रहे महंत नरेंद्र गिरि आत्महत्या प्रकरण मुख्य आरोपी महंत आनंद गिरि को जमानत नही मिल सकी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के सिंगल बेंच के जज जस्टिस राहुल चतुर्वेदी ने इस केस से अपने को अलग कर लिया है। यह केश अब चीफ जस्टिस के पास चला गया। अब 31मई को नई बेंच मे सुनवाई होगी। बेंच का निर्णय चीफ जस्टिश राजेश बिंदल लेगे। आनंद गिरि बीते छ्माह से नैनी सेंट्रल जेल मे बंद है।पहले लोवर कोर्ट मे जमानत याचिका दाखिल की थी ।वहाँ से याचिका खारिज होने के बाद हाईकोर्ट मे याचिका दाखिल की थी। शुक्रवार को जस्टिस राहुल चतुर्वेदी की सिंगल बेंच मे सुनवाई होनी थी परन्तु जस्टिश चतुर्वेदी ने अपने व्यक्तिगत कारणों से अपने को इस केस से अलग कर लिया।

आज का इतिहास

- **1674:** जर्मनी की संसद ने फ्रांस के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- **1883:** स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर का जन्म।
- **1908:** जासूसी उपन्यास जेम्स बॉन्ड के लेखक इयान फ्लेमिंग का जन्म।
- **1918:** अजरबैजान स्वतंत्र हुआ और उसने स्वयं को लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया।
- **1940:** द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान बेल्जियम ने जर्मनी से हार मानी।
- **1952:** यूनान में महिलाओं को मताधिकार मिला।
- **1956:** फ्रांस ने अपने सभी भारतीय उपनिवेशों को भारत को सौंपा।
- **1959:** अमेरिका ने दो बंदरों को अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक भेजा।
- **1961:** मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल की स्थापना।
- **1963:** बंगाल की खाड़ी में आए चक्रवाती तूफान से 22 हजार लोग मरे।
- **1964:** प्रसिद्ध फिल्म निर्माता निर्देशक महबूब खान का निधन।

दुशांबे में क्षेत्रीय संवाद सुरक्षा की चौथी बैठक में एनएसए हुए शामिल

अफगानिस्तान के साथ भारत के विशेष संबंध : डोभाल

दुशांबे/नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने शुक्रवार को कहा कि भारत, अफगानिस्तान का एक महत्वपूर्ण साझेदार है और अफगानियों के साथ उसके विशेष संबंध सदियों तक नई दिल्ली का मार्गदर्शन करेंगे। कुछ भी ऐसा नहीं हैं जो इसको बदल सके।

श्री डोभाल ने ताजकिस्तान की राजधानी में क्षेत्रीय सुरक्षा संवाद की चौथी बैठक में हिस्सा लेने के दौरान यह बातें कहीं। श्री डोभाल यहां ताजिकिस्तान, रूस, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान, किर्गिस्तान और चीन के सुरक्षा प्रमुखों से बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत हमेशा अफगानिस्तान के लोगों के साथ खड़ा है और आगे भी खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि इस बैठक में मौजूद सभी के लिए आतंकवाद और आतंकवादी समूहों का मुकाबला करने के लिए अफगानिस्तान की क्षमता बढ़ाने में मदद करने की जरूरत है क्योंकि आतंकवाद से क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा को गंभीर खतरा है। पहली प्राथमिकता यहां लोगों के जीवन के अधिकार और सम्मान से जीने के साथ सभी के मानवाधिकारों के संरक्षण की जरूरत है।

श्री डोभाल ने कहा कि भारत, अफगानिस्तान का एक महत्वपूर्ण साझेदार था और है। सदियों से अफगानिस्तान के लोगों के साथ विशेष संबंध भारत के दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करेंगे। इसे कुछ भी नहीं बदल सकता है। अगस्त 2021 के बाद से, जब तालिबान ने काबुल में सत्ता पर कब्जा कर लिया, भारत ने 50,000 टन की कुल प्रतिबद्धता में से 17,000 टन गेहूं, कोवैक्सीन की 500,000 खुराक, 13 टन आवश्यक जीवनरक्षक दवाएं और सर्दियों के कपड़े और साथ ही छह करोड़ पोलियो डोज प्रदान किए हैं जो अफगानिस्तान में पोलियो के टीके की खुराक में खर्च होंगे।

मानवीय सहायता सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए

उन्होंने सरकार में महिलाओं और अल्पसंख्यकों सहित अफगान समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधित्व की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला ताकि अफगान आबादी के सबसे बड़े संभावित अनुपात की सामूहिक ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में योगदान कर सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि मानवीय सहायता सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत सभी दायित्वों का सम्मान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा,''महिलाएं और युवा किसी भी समाज के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। लड़कियों को शिक्षा, महिलाओं और युवाओं को रोजगार देने से उत्पादकता सुनिश्चित होगी तथा विकास को गति मिलेगी। इससे युवाओं के बीच कट्टरपंथी विचारधाराओं को पनपने से रोकन में तो मदद मिलेगी ही साथ ही इसका सकारात्मक सामाजिक प्रभाव भी होगा।

टीवी एक्ट्रेस की हत्या में शामिल दोनों आतंकी ढेर

सेना ने जघन्य हत्या के मामले को 24 घंटे में सुलझाया

श्रीनगर, (एजेंसी)। कश्मीर में हुए दो मुठभेड़ों में सुरक्षा बल के जवानों ने लश्कर-ए-तैयबा के चार आतंकवादियों को मार गिराया, जिनमें से दो कथित रूप से टीवी एक्ट्रेस अमरीन भट्ट की हत्या में शामिल रहे थे। पुलिस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। अवंतीपोरा और श्रीनगर में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में इन्हें मार गिराया गया है।

पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि उन्होंने अवंतीपोरा में दो स्थानीय आतंकवादियों को मारकर 24 घंटे में टीवी कलाकार अमरीन भट्ट की जघन्य हत्या के मामले को सुलझा लिया। पुलिस ने ट्वीट कर कहा कि आतंकवादी संगठन में हाल ही में शामिल हुए इन दोनों की पहचान हफरू चदूरा बडगाम निवासी शाहिद मुश्ताक भट और हकरीपोरा पुलवामा निवासी फरहान हबीब के रूप में हुई है। उन्होंने लश्कर के कमांडर (कमांडर) लतीफ के इशारे पर टीवी एक्ट्रेस की हत्या की थी। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में बुधवार शाम आतंकवादियों ने 35 वर्षीय अमरीन भट्ट की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हमले में उनका दस साल का भतीजा फरहान जुबैर भी घायल हुआ था। गुरुवार देर रात अवंतीपोरा के अगनहंजीपोरा में हुई मुठभेड़ में दोनों आतंकवादी मारे गए। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों की टीम जैसे ही छिपे हुए आतंकवादियों की ओर बढ़ी, तभी आतंकवादियों ने अपने स्वचालित हथियारों से सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी।

लक्षित हत्या 'जघन्य हमले', मानवाधिकारों की अवहेलना: फोरम

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर शांति मंच ने ' टारगेट किलिंग (लक्ष्य हत्या)' को 'मूखर्तापूर्ण' बताते हुए इसे 'जघन्य हमले' करार दिया जो मानवाधिकारों और कानून के शासन के प्रति क्रूर अवहेलना को दर्शाता है। जेके पीस फोरम के अध्यक्ष सतीश महलदार ने एक बयान में कहा कि बेवजह लक्षित हत्याओं की कड़ी शब्दों में निंदा करने की जरूरत है क्योंकि ये जघन्य हमले मानवाधिकारों और कानून के शासन के लिए एक निर्मम अवहेलना दिखाते है। उन्होंने कहा, ''हिंसा से सुरक्षित और संरक्षित रहने का मौलिक अधिकार रखने वाले लोगों की इस तरह से हत्या किसी भी परिस्थिति में अस्वीकार्य है। श्री महलदार ने कहा कि इस हिंसा के अपराधियों ने चल रहे शांति और सुलह के प्रयासों को कमजोर कर दिया है।

अनियमित भुगतान किए जाने पर टीपी कौशिक, निलम्बित

लखनऊ, (ब्यूरो)। राज्यपाल के आदेश से प्रमुख सचिव व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास सुभाष चंद शर्मा ने परीक्षा केन्द्रों को किये गये अनियमित भुगतान किए जाने पर टीपी कौशिक, तत्कालीन प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सहारनपुर संप्रति प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान , मुरादाबाद को उ.प्र. सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील नियमावली), 1999 के नियम-4 के अन्तर्गत निलम्बित करते हुए उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही संस्थित किये जाने एवं आरोपों की जांच हेतु मुख्य विकास अधिकारी, सहारनपुर को जांच अधिकारी नामित किया गया है। निलम्बन अवधि में कौशिक प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय से संबद्ध रहेंगे।

सेनेगल के अस्पताल में आग लगने से 11 नवजातों की मौत

तीन दिन का राजकीय शोक

डाकार, (एजेंसी)। अफ्रीका महाद्वीप में सेनेगल के राष्ट्रपति मैकी सॉल ने अस्पताल में आग लगने से 11 नवजात शिशुओं की झुलसकर मौत होने पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोक की घोषणा की।

राष्ट्रपति भवन से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार देश में गुरुवार से शनिवार तक तीन दिन का राष्ट्रीय शोक रहेगा। सेनेगल के पश्चिमी शहर तिवाउने में बुधवार रात एक अस्पताल में आग लगने से 11 नवजात शिशुओं की झुलसकर मौत हो गई थी। जिसके लिए तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गयी है। इस दौरान पूरे देश में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। इस बीच श्री सॉल ने स्वास्थ्य मंत्री अब्दुलाये दिउफ सर को बर्खास्त कर दिया। सेनेगल की राजधानी डाकार से करीब 120 किलोमीटर दूर तिवाउआने इलाके के एक अस्पताल के नवजात विभाग में बुधवार शाम आग लग गई, जिसमें 11 नवजात शिशुओं की झुलसकर मौत हो गई थी।

पं. नेहरू की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने किया स्मरण

प्रयागराज, (ब्यूरो)। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू को उनकी 58वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को लोगों ने याद करते हुए नमन किया।

कांग्रेसियों ने प्रयागराज में पंडित नेहरू के पैतृक निवास आनंद भवन पर जाकर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी इस दौरान उन्हें युवा पीढ़ी का रोल मॉडल बताया गया। इसके अलावा शहर में अलग अलग जगहों पर लोगों ने पंडित नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

कांग्रेस के प्रदेश महासचिव मुकुन्द तिवारी और जिलाध्यक्ष सुरेश यादव ने पंडित नेहरू को प्रगतिशील, धर्मनिरपेक्ष और अंतरराष्ट्रीय व्यक्तित्व वाला नेता बताया। वहीं कांग्रेसियों ने नेहरू को याद करते हुए कहा कि गुट निरपेक्ष आंदोलन और हरित क्रांति के साथ ही उन्होंने देश को एकता के सूत्र में बांधा।

प्रयागराज मंडलायुक्त की अध्यक्षता में मंडलीय समीक्षा बैठक आयोजित

सभी विभाग 100 दिवस वाले कार्यों को निर्धारित समय में करें पूरा

प्रयागराज, (ब्यूरो)। मंडलायुक्त संजय गोयल की अध्यक्षता में शुक्रार को गांधी सभागार में मण्डलीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में गौशालाओं में भूसा की उपलब्धता, आईजीआरएस, ग्राम पंचायतों में सचिवालयों के निर्माण/कनेक्टीविटी, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, 100 दिन की कार्ययोजना/प्रगति, निर्माणाधीन कान्हा उपवन/कान्हा गौशाला/वृहद गोसंरक्षण केन्द्रों की प्रगति, मुख्यमंत्री निराश्रित/बेसहारा गोवंश सहभागिता योजना, विद्युत बिलों में त्रुटि की शिकायतों, नगर निगम के नए क्षेत्र, निर्माणाधीन ओवरब्रिज व फ्लाइओवर सहित अन्य विषयों पर विस्तार से समीक्षा की गयी। मण्डलायुक्त ने आईजीआरएस जनसुनवाई की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि पोर्टल पर आने वाली सभी शिकायतों का निर्धारित समय के अंदर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए साथ ही उन्होंने कहा कि सभी जिम्मेदार अधिकारियों का प्रशिक्षण कराकर उन्हें आईजीआरएस पोर्टल में आने वाली शिकायतों के निस्तारण की पूरी जानकारी दी जाए।

दिसंबर तक दौड़ेगी देश की पहली सेमी हाई स्पीड मालगाड़ी

गतिशक्ति का हो रहा निर्माण

चेन्नई ■ एजेंसी

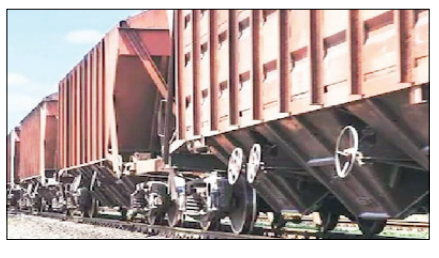

भारत की पहली सेमी हाई स्पीड मालगाड़ी दिसंबर तक पटरी पर दौड़ने लगेगी। अधिकारियों ने शुक्रव र को यह उम्मीद जताई। 16-कोच वाली गति शक्ति ट्रेन की रफ्तार 160 किमी प्रति घंटा होगी। इसका निर्माण चेन्नई में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) में किया जाएगा। आईसीएफ के महाप्रबंधक एके अग्रवाल ने कहा, इन ट्रेनों के लिए डिजाइनिंग का काम शुरू हो चुका है। हमने सामग्री का आर्डर भी दे दिया है। इस साल दिसंबर तक हम इनमें से दो ट्रेनों का निर्माण कर सकेंगे। ऐसी 25 ट्रेनें तैयार करने का लक्ष्य है।

रेलवे इन ट्रेनों के माध्यम से ई-कामर्स और कूरियर पार्सल सेगमेंट को लक्षित करने की योजना बना रहा है। प्रत्येक ट्रेन में दुग्ध उत्पादों, मछली, फल और सब्जियों जैसे जल्दी खराब होने वाले सामानों को ले जाने के लिए रेफ्रि जेरेटेड वैगन भी होंगे। इन वैगनों के लिए बिजली कनेक्शन कोच से उपलब्ध कराया जाएगा। प्रत्येक कोच में कंटेनरों की लोडिंग और अनलोडिंग के लिए दो चौड़े दरवाजे होंगे। भारतीय रेलवे ने देश भर में 74 नए गति-शक्ति मल्टी-माडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) की पहचान की है। जिनमें से 20 दक्षिण भारतीय राज्यों में हैं।

दो नई वंदे भारत ट्रेनों का ट्रायल: नई सेमी हाईस्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में से दो ट्रेनों का ट्रायल अगस्त में होने की उम्मीद है। 16-कोच वाली सेमी-हाई स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के नए सेट का निर्माण 115 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से किया जाएगा। रेलवे ने अगस्त 2023 तक ऐसी 75 ट्रेनों के निर्माण का लक्ष्य रखा है।

पांच क्षेत्रीय दलों को चुनावी बांड से मिले 250 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चुनाव अधिकार समूह एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के अनुसार, पांच क्षेत्रीय दलों ने घोषणा की है कि उन्हें 2020-21 में चुनावी बांड के माध्यम से 250.60 करोड़ रुपए का दान मिला है।

डीएमके ने किया सबसे ज्यादा खर्च

एडीआर की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2020-21 में 31 क्षेत्रीय दलों की कुल आय 529.416 करोड़ रुपये रही और उनका कुल घोषित खर्च 414.028 करोड़ रुपये रहा। उस साल सबसे ज्यादा खर्च करने वाली पांच पार्टियों में डीएमके (218.49 करोड़ रुपये), टीडीपी (54.769 करोड़ रुपये), अन्नाद्रमुक (42.37 करोड़ रुपये), जेडीयू (24.35 करोड़ रुपये) और टीआरएस (22.35 करोड़ रुपये) शामिल हैं।

शीर्ष पांच दलों की कुल आय 434.255 करोड़ रुपए: रिपोर्ट में कहा गया है कि शीर्ष पांच दलों की कुल आय 434.255 करोड़ रुपये है, जो सामूहिक रूप से विश्लेषण किए गए राजनीतिक दलों की कुल आय का 82.03 प्रतिशत है। स्वैच्छिक योगदान के तहत राजनीतिक दलों ने चुनावी बांड के माध्यम से अपनी आय का 250.60 करोड़ या 47.34 प्रतिशत दान से एकत्र किया, जबकि अन्य दान और योगदान वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 126.265 करोड़ रुपए या 23.85 प्रतिशत था।

उमरे मुख्यालय की टीम ने किया दो दिनी सेफ्टी ऑडिट

प्रयागराज, (ब्यूरो)। प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी, उमरे मनीष कुमार गुप्ता के द्वारा प्रयागराज चुनार खंड का संरक्षा से संबंधित निरिक्षण किया गया। अपने इस दो दिवसीय निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान शुक्रवार प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी के द्वारा मुख्यालय की टीम के साथ प्रयागराज से चुनार के मध्य विशेष निरीक्षण यान से सेफ्टी ऑडिट किया गया। इस निरीक्षण के दौरान नैनी, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर एवं चुनार स्टेशन का सेफ्टी ऑडिट किया गय।। जिसमें संरक्षा से संबंधित उपकरणों का बारीकी से निरीक्षण किया गया। निरिक्षण में स्टेशनों पर गुड्स शैड, रेलवे यार्ड, पॉइंट, पैरामीटर आदि संरक्षा से जुड़े उपकरणों का सघनता से निरीक्षण किया गया। इसी क्रम में शुक्रवार को प्रयागराज में एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन(एआरटी) एक्सीडेंट रिलीफ मेडिकल वैन (एआरएमवी) एवं पावर केबिन का विस्तृत सेफ्टी ऑडिट किया गया। इस दौरान लॉबी,आर आरआई तथा सिग्नलिंग से सम्बंधित उपकरणों को बारीकी से देखा और परखा गया। प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी मनीष कुमार गुप्ता के द्वारा सेफ्टी ऑडिट के दौरान मिलने वाली कमियों को जल्द से जल्द दूर करने का आदेश दिया गया।

प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग है ऊटी

ऊटी नीलगिरी की सुंदर पहाड़ियों में स्थित एक सुंदर शहर है। इस शहर का आधिकारिक नाम उटकमंड है तथा पर्यटकों की सुविधा के लिए इसे ऊटी का संक्षिप्त नाम दिया गया है। भारत के दक्षिण में स्थित इस हिल स्टेशन में कई पर्यटक आते हैं। यह शहर तमिलनाडु के नीलगिरी जिले का एक भाग है।

ऊटी शहर के चारों ओर स्थित नीलगिरी पहाड़ियों के कारण इसकी सुंदरता बढ़ जाती है। इन पहाड़ियों को ब्लू माउन्टेन (नीले पर्वत) भी कहा जाता है। कुछ लोगों का ऐसा विश्वास है कि इस स्थान का नाम यहां की घाटियों में 12 वर्ष में एक बार फूलने वाले कुरुंजी फूलों के कारण पड़ा। ये फूल नीले रंग के होते हैं तथा जब ये फूल खिलते हैं तो घाटियों को नीले रंग में रंग देते हैं। इस शहर के इतिहास की जानकारी तोड़ा जनजाति से मिल सकती है क्योंकि 19 वीं शताब्दी में ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन प्रारंभ होने के पहले यहां इसी जनजाति का शासन था।

यहां पर क्या देखें...

दोदाबेट्टा पीकः यह 2623 मीटर की ऊंचाई पर है। यह जिले का सबसे ऊंचा स्थान है, यहां से आप ऊटी के आसपास के क्षेत्र का खूबसूरत नजारा देख सकते हैं। यह ऊटी से केवल 10 किलोमीटर दूर है।

लैम्ब्स रॉकः यह कुनूर से केवल 9 किलोमीटर दूर है। यहां से आप कोयंबटूर के नजारों और आसपास के इलाकों के चाय बगानों के सुरम्य दृश्य देख सकते हैं। यहां का हर दृश्य फोटो खींचने लायक है तो यहां अपने भीतर छिपे फोटोग्राफर को बाहर निकालिए और जमकर फोटोग्राफी कीजिए।

कोडानाडू व्यू पाइंटः यह नीलगिरी पर्वत श्रृंखला के पूर्वी छोर पर कोटागिरी से लगभग 16 किलोमीटर दूर है। यहां से आप मोयार नदी और चाय के बागानों का मोहक दृश्य देख सकते हैं। यहां एक प्रेक्षण मीनार भी हैं, जहां से आप रंगास्वामी शिखर का नजारा देख सकते हैं।

बोटनिकल गार्डन्सः जो लोग प्रकृति प्रेमी है, हरियाली देखने, घूमने-फिरने के शौकीन हैं और दुर्लभ फर्न और अन्य पौधे देखना पसंद करते हैं, उनके लिए इस उद्यान से बढ़ कर दूसरी कोई बेहतर जगह नहीं। लगभग 22 हेक्टेयर इलाके में फैले हुए शासकीय वनस्पति उद्यान 1847 में बनाए गए थे। इनमें पौधों और वृक्षों की सैकड़ों-हजारों प्रजातियां हैं। इनमें एक ऐसे वृक्ष का भी जीवाश्म है, जिसके बारे में विश्वास किया जाता है कि वह 2 करोड़ वर्षों से भी अधिक पुराना है। इन खूबसूरत उद्यानों का रखरखाव राज्य के बागवानी विभाग के हाथ में है।

ऊटी झीलः यहां नौका विहार कीजिए या मछली पकड़ने का शौक भी पूरा कर सकते हैं।

मुदुमलाई वन्य प्राणी विहारः यह ऊटी से 67 किलोमीटर दूर है। अगर आप 1-2 दिन रुकते हैं, तो वन्य प्राणी विहार को देखना आपके लिए बहुत अच्छा अनुभव होगा। यहां बहुत से पेड़-पौधे और जीव-जंतु हैं। यहां इनकी दुर्लभ प्रजातियां हैं। यहां हाथी, बड़ी गिलहरियां, सांभर, चीतल, भौंकनेवाले हिरण और उड़नेवाली गिलहरियां तो यूं ही देखने को मिल जाती हैं। इस अभयारण्य में किस्म-किस्म के पक्षियों को भी देखा जा सकता है। इनमें रंगबिरंगे तोते, काले कठफोड़वे, गरुड़ आदि शामिल हैं।

कोटागिरीः यह ऊटी के पूर्व में 28 किलोमीटर दूर पर छोटा-सा गांव है, यह नीलगिरी के 3 हिल स्टेशन में से सबसे पुराना है। यहां का मौसम अन्य पर्वत स्थलों से कहीं अधिक खुशनुमा रहता है। यहां हैरत में डालनेवाले कई चाय बागान हैं। इसलिए ऊटी जाएं तो कोटागिरी की सैर के लिए जाना न भूलें।

कालहट्टी वॉटरफॉल्सः कालहट्टी की ढलानों पर खूबसूरत रमणीक कालहट्टी जलप्रताप लगभग 100 फुट ऊंचा है। जो शहर से लगभग 13 किलोमीटर दूर है। इसलिए ऊटी जा रहे हैं तो इन प्रपातों को और आसपास के सुरम्य स्थलों को देखना भी न भूलें। जलप्रपातों को देखते हुए आपको कालहट्टी-मसीनागुडी ढलानों पर वन्य प्राणियों की प्रजातियां भी देखने को मिल जाएंगी जिनमें पैंथर, सांभर और जंगली भैसें शामिल हैं।

मुकरूथीः यह ऊटी से लगभग 36 किलोमीटर दूर हैं और यहां से आप रमणीक मुकरूथी शिखर को देख सकते हैं।

सिम्स पार्कः यह पार्क ऊपरी कुनूर में 12 हेक्टेयर से अधिक इलाके में फैला हुआ है और माना जाता है कि इस पार्क में 1 हजार से अधिक पौधों की प्रजातियां हैं, जिनमें अनेक चीड़, फर्न और झाड़ियां शामिल हैं।

डॉल्फिंस नोजः यहां आप अपना समय मौजमस्ती में बिता सकते हैं। खेलों में हिस्सा ले सकते हैं और सैरसपाटा कर सकते हैं। यहां आने का एक फायदा यह है कि वहां से आसपास के इलाकों का समग्र दृश्य देख सकते हैं। अगर दिन साफ हो, तो वहां से कैथरीन जलप्रपातों को भी देख सकते हैं।

कब जाएंः अप्रैल से जून और सितंबर से नवंबर तक।

मौसमः गर्मियों में अधिकतम 25 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम 10 डिग्री सेल्सियस। सर्दियों में अधिकतम 21 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम 5 डिग्री सेल्सियस।

कैसे जाएंः-

रेल मार्ग सेः मेत्तूपलयम बड़ी लाइन का रेलवे स्टेशन है। बड़ी लाइन का प्रमुख रेल जंक्शन कोयंबटूर है, जो कि सभी बड़े नगरों से मिला हुआ है।

हवाई मार्ग सेः यहां से सबसे नजदीक हवाई अड्डा कोयंबटूर है, जो कि 100 किलोमीटर दूर है। आप चेन्नई, कोजीकोडे, बंगलोर और मुंबई से कोयंबटूर के लिए सीधी उड़ान भर सकते हैं।

स्थानीय वाहनः बसें, टैक्सी आदि उपलब्ध हैं।

कहां ठहरेंः डेक्कन पार्क रिजॉर्ट, होटल वेलबैक रेजीडेंसी, होटल लेक व्यू, होटल ऊटी आदि।

जानिए केसे पाएं अपने व्हाट्सऐप का खोया हुआ डाटा

व्हाट्सऐप पर हम कई किस्म की बातें करते हैं। आम चैट से लेकर दफ्तर की जरूरी बातें। कई चीजें इतनी महत्वपूर्ण होती हैं कि आप उन्हें बाद में भी आकर खोजते रहते हैं। अगर आपने अपना फोन खो दिया या फिर उसे किसी कारण से फॉर्मेट करना पड़ा तो आपको व्हाट्सऐप फिर से इंस्टॉल करना पड़ेगा। ऐसे में आपके पुराने चैट गायब जाएंगे। लेकिन आप व्हाट्सऐप का बैकअप बनाना जानते हैं तो इस परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

एंड्रॉयड पर व्हाट्सऐप का बैकअप गूगल ड्राइव पर बनाया जा सकता है। आइए हम आपको इसके बारे में विस्तार से बताते हैं ताकि आपके सारे चैट, फोटो और वीडियो सुरक्षित स्टोर रहें। और जरूरत पड़ने पर उन्हें फिर से रीस्टोर किया जा सके। अगर आपने अब तक इस फीचर को इस्तेमाल नहीं किया है तो पहली बार जब आप व्हाट्सऐप इंस्टॉल करेंगे तो आपसे इस फीचर को स्विच ऑन करने के बारे में पूछा जाएगा। अगर ऐसा नहीं होता है तो मेन्यू में जाकर इसे सेटअप कर सकते हैं।

1. आपको ऐप के मुख्य इंटरफेस पर दायीं तरफ टॉप में तीन बिन्दु नजर आ आएंगे। उन पर टैप करें।

2. इसके बाद सेटिंग्स में जाएं, फिर चैट्स एंड कॉल्स में। इसके बाद चैट बैकअप पर टैप करें। यहां आपको गूगल ड्राइव सेटअप करने का विकल्प मिलेगा।

आपको बता दें कि यहां पर इंटरनल बैकअप भी बनता है। आप पहले बैकअप पर टैप करके फोन की इंटरनल स्टोरेज में बैकअप रख सकते हैं। लेकिन फोन का डेटा डिलीट होते ही यह बैकअप भी डिलीट हो जाएगा। इसी पेज पर निचले हिस्से में गूगल ड्राइव सेटिंग्स नजर आएगा।

1. सबसे पहले बैकअप टू गूगल ड्राइव पर टैप करें। यहां पर बैकअप का समय निर्धारित कर सकते हैं। आपको कभी नहीं, दैनिक, साप्ताहिक और मासिक जैसे विकल्प मिलेंगे। हमारा सुझाव होगा कि आप दैनिक चुनें।

2. इसके बाद चूज एन अकाउंट पर टैप करें। यहां पर आप तय कर सकते हैं कि किस जीमेल आईडी पर व्हाट्सऐप का बैकअप बने।

3. आपको पहला विकल्प उस मेल आईडी का मिलेगा जिसका इस्तेमाल एंड्रॉयड डिवाइस को इंस्टॉल करने के लिए किया गया है। अगर आपने चाहते हैं तो किसी और ईमेल आईडी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको एड अकाउंट पर टैप करना होगा। और आ दिए गए निदेर्शों का पालन भी करना होगा।

4. अब आप यह तय कर सकते हैं कि आप बैकअप किस किस्म के इंटरनेट पर बनाना चाहेंगे। सिर्फ वाई-फाई पर, या वाई-फाई प्लस सेल्युलर पर।

5. बैकअप सेटिंग्स में आपको वीडियो का भी बैकअप बनाने का विकल्प मिलता है। आप इन्क्लुड वीडियो पर क्लिक करके व्हाट्सऐप पर आने वाले वीडियो का भी बैकअप बना सकते हैं। ध्यान रहे कि यहां पर बैकअप किया गया डेटा आपके गूगल ड्राइव अकाउंट में स्टोर होता रहता है। उसे ड्राइव क्लाइंट के तौर पर ब्राउज करके नहीं पढ़ा जा सकता।

आईफोन पर बैकअपः- आईफोन पर व्हाट्सऐप इस्तेमाल करने वाले यूजर भी कुछ इस अंदाज में ही बैकअप बना सकते हैं। आईओएस पर व्हाट्सऐप खोलें। फिर सेटिंग्स में जाकर चैट सेटिंग्स में जाएं। यहां पर चैट बैकअप का विकल्प मिलेगा। यहां पर दिए गए विकल्पों में अपनी सुविधा अनुसार चुनाव कर लें। आईओएस में बैकअप बनाने की सुविधा आईक्लाउड पर होती है।

ऐसे करें रीस्टोरः- आप जैसे ही नए व्हाट्सऐप को इंस्टॉल करते हैं तो आपको रीस्टोर करने के बारे में पूछा जाएगा। ध्यान रहे कि आपको अपने एंड्रॉयड डिवाइस पर उसी गूगल अकाउंट से साइन इन करना होगा जिस पर आपने व्हाट्स ऐप का बैकअप बनाया था।

इन टिप्स को अपनाकार लाएं अपनी पर्सनालिटी में बदलाव...

लंबे समय से एक जैसे ही स्टाइल और लुक से अगर आप और आपको देखने वाले बोर हो चुके हैं, तो अब वक्त आ गया है पर्सनालिटी में बदलाव का। क्यों न कुछ नया किया जाए ताकि आपको भी कुछ नएपन का एहसास हो और आत्मविश्वास भी दुगुना हो जाए। जानिए पर्सनालिटी में बदलाव के यह टिप्स...

नया हेयर स्टाइलः-हेयर स्टाइल में बदलाव करने से आपका लुक काफी चेंज हो जाता है। यह एक बड़ा बदलाव है। कोई भी नया और बढ़िया-सा हेयर कट आप में आत्मविश्वास लाएगा और लोग आपको नोटिस करना शुरू कर देंगे। क्योंकि आप पहले से कुछ अलग जो नजर आएंगे।

नए कपड़ेः-बाल कटवाने के बाद आपको जो नया लुक मिला है, उसके अनुसार कपड़े चुनें। यदि अब तक आप सिर्फ फॉर्मल या ट्रेडिशनल ही पहनते आ रहे हैं, तो इस बार कुछ मॉडर्न और नया ट्राय करें। हमेशा जींस और टी-शर्ट की जगह एक अच्छी फिटिंग का कुर्ता और लेगिंग या पटियाला सलवार पहनें और चूड़ियों और ब्रेसलेट के साथ पारंपरिक लिबास पहनें।

ब्यूटी ट्रीटमेंटः-हमेशा से अलग हटकर कोई ब्यूटी ट्रीटमेंट लेना बढ़िया विकल्प है। यहां भी कुछ चेंज किया जा सकता है जैसे आईब्रोज का आकार चेंज करें या डी टेन, मेनीक्योर, पेडीक्योर, फोडहेड अगर नहीं करवाती हैं तो जरूर करवाएं। आप काफी अच्छा फील करेंगी।

फुटवेअर करें चेंजः-हमेशा बेली या फ्लेट या चप्पल पहनती हैं तो अब हील की ओर रुख कीजिए। और अगर हमेशा हील पहनती हैं तो इस बार कुछ नचा ट्राय करें जो आपके लिए आरामदायक हो। अगर आप हैंड बैग यूज नहीं करती तो अपने नए लुक के साथ जरूर करें। वहीं अगर हमेशा हैंडबैग लेकर चलती हैं, तो इस बार लांग पर्स या वॉलेट पैटर्न पर्स का प्रयोग करके देखें। यह भी पर्सनालिटी का हिस्सा है।

युवाओं को लुभा रहा है ब्रांड मैनेजमेंट

किसी खास उत्पाद, उत्पाद लाइन या ब्रांड में मार्केटिंग तकनीकों के अनुप्रयोग को ब्रांड मैनेजमेंट कहते हैं। इसका उपयोग उत्पाद की उपभोक्ताओं में प्रचलित वेल्यू को बढ़ाने के लिए किया जाता है, जिससे ब्रांड फ्रेंचाइज के साथ-साथ ब्रांड इक्विटी भी बढ़ती है।

सामान्यतः बाजारों में मार्केट्स द्वारा किसी भी ब्रांड को एक ऐसे आश्वासन के रूप में माना जाता है, जिसकी गुणवत्ता के स्तर की ग्राहकों को अपेक्षा होती है। इसी गुण के आधार पर ब्रांड वेल्यू तय होती है, जो भविष्य की खरीदी में निर्णायक भूमिका निभाती है। इसके द्वारा प्रतिस्पर्धी उत्पादों से अपने उत्पाद की तुलना कर विक्रय बढ़ाया जाता है। जैसे कि मेरी शर्ट से इसकी शर्ट सफेद क्यों? ब्रांड वेल्यू के आधार पर ही निमार्ता अपने उत्पाद की अधिक कीमत वसूल करता है।

ब्रांड की वेल्यू का निर्धारण निमार्ता के लिए निर्मित लाभ की राशि के आधार पर किया जाता है। इसे विक्रय में वृद्धि तथा कीमत में वृद्धि कर हासिल किया जा सकता है अथवा बेचे जाने वाले उत्पाद की लागत घटाकर भी प्राप्त किया जा सकता है। अधिक प्रभावी मार्केटिंग निवेश से भी यह प्राप्त होता है। इन सभी कयासों से किसी ब्रांड की लाभप्रदता बढ़ाई जा सकती है और इस तरह ब्रांड मैनेजर किसी भी ब्रांड की लाभ-हानि के जिम्मेदार होते हैं। इस संदर्भ में ब्रांड मैनेजमेंट की रणनीतियुक्त भूमिका मार्केटिंग से अधिक व्यापक होती है।

ब्रांडनेम की विशेषताएं...

-किसी भी ब्रांडनेम में निम्नलिखित विशेषताएं होना चाहिए

-उसे ट्रेडमार्क कानून के तहत संरक्षित किया जाना चाहिए या वह कम से कम ऐसा होना चाहिए कि जिसे संरक्षित रखा जा सके।

-ब्रांडनेम उच्चारण करने में आसान होना चाहिए।

-ब्रांडनेम आसानी से याद रखने लायक होना चाहिए।

-ब्रांडनेम आसानी से पहचाना जा सकने जैसा होना चाहिए।

-ब्रांडनेम बाजारों में जहां ब्रांड का उपयोग किया जाएगा, वह सभी भाषाओं में अनुवादित करने लायक होना चाहिए।

- ब्रांडनेम से कंपनी या उत्पाद का अनुमान लग जाना चाहिए।

-ब्रांडनेम आकर्षक होना चाहिए।

ब्रांडों की किस्मेंः- बाजार में कई किस्मों के ब्रांड उपलब्ध हैं। आमतौर पर प्रीमियम ब्रांड की कीमत उसी श्रेणी के अन्य ब्रांडों से ज्यादा होती है, जबकि इकॉनॉमी ब्रांड बाजार के आम ग्राहकों को लक्षित होता है। फाइटिंग ब्रांड को विशेष रूप से प्रतिस्पर्धात्मक खतरों का सामना करने के लिए बनाया जाता है।

जब किसी कंपनी का नाम उत्पाद के ब्रांड नाम के रूप में उपयोग में लाया जाता है, उसे फैमेली ब्रांडिंग कहा जाता है। जब कंपनी के सभी उत्पादों को अलग-अलग ब्रांडनेम दिए जाते हैं, उसे इनडिविजुअल अथवा वैयक्तिक ब्रांड कहकर पुकारा जाता है।

जब कोई कंपनी नए ब्रांड को प्रस्तुत करने के लिए मौजूदा ब्रांड के साथ ब्रांड इक्विटी का उपयोग करती है, उसे ब्रांड लिवेरेजिंग कहा जाता है। जब कोई बड़ा रिटेलर किसी निमार्ता से थोक मात्रा में कोई उत्पाद खरीदकर उन पर अपना ब्रांडनेम डाल देता है, उसे प्राइवेट ब्रांडिंग, स्टोर ब्रांड, व्हाइट लेबलिंग, प्राइवेट लेबल या ओन ब्रांड (यूके) कहा जाता है। प्राइवेट ब्रांडों को निमार्ता के ब्रांडों से अलग किया जा सकता है।

जब दो या अधिक ब्रांड अपने उत्पाद को मार्केट करने के लिए एकसाथ काम करते हैं, इसे को-ब्रांडिंग कहा जाता है। कोई भी एम्प्लायमेंट ब्रांड तब निर्मित होता है, जब कोई कंपनी संभावित प्रत्याशियों के साथ जागरूकता निर्मित करना चाहती है। कई मामलों में यह ब्रांड उनके ग्राहकों के लिए एक अटूट विस्तार बन जाता है।

क्या होता है ब्रांड आर्किटेक्चरः- किसी कंपनी के स्वामित्व वाले अलग-अलग किस्म के ब्रांड ब्रांड आर्किटेक्चर के माध्यम से एक-दूसरे से संबंधित होते हैं। प्रॉडक्ट ब्रांड आर्किटेक्चर में कंपनी कई अलग-अलग उत्पादों को सहायता प्रदान करती है, जिसमें प्रत्येक उत्पाद का अपना एक अलग नाम तथा उसे अभिव्यक्त करने की शैली जुदा होती है, लेकिन ग्राहकों को कंपनी कहीं भी दिखाई नहीं देती है।

कई लोगों का मानना है कि प्रॉक्टर एंड गैम्बल उत्पाद ब्रांडिंग का निर्माण करती है, जबकि टाइड, पैम्पर्स, आइवोरी तथा पेंटिन जैसे कई कंजूमर ब्रांडों का आपस में कोई संबंध नहीं है। कंपनी कुछ ब्रांडों के साथ अपना नाम इसलिए भी जोड़ देती है, ताकि उन्हें मदर ब्रांड का फायदा मिल सके और कंपनी का मार्केटिंग खर्च बच सके। तीसरे मॉडल में सारे उत्पादों के साथ ब्रांड नेम का ही उपयोग किया जाता है और सारे विज्ञापन एक स्वर में इसके गुणगान करते हैं।

ब्रांड आर्किटेक्चर का एक अच्छा उदाहरण है यूके स्थित सम्पिण्डित वर्जिन। वर्जिन द्वारा अपने सारे उत्पादों के साथ वर्जिन का उपयोग किया जाता है जैसे कि वर्जिन मेगास्टोर, वर्जिन एटलांटिक, वर्जिन ब्राइडस आदि। इन सारे उत्पादों के साथ एक ही स्टाइल में वर्जिन को प्रदर्शित किया जाता है, ताकि दूर से भी देखने वाला इसे पहचान सके।

ब्रांड तकनीकः- कभी-कभी कंपनियां उनके द्वारा मार्केट करने वाले ब्रांडों की संख्या घटाना चाहती है। इस प्रक्रिया को ब्रांड राशनेलाइजेशन कहा जाता है। कुछ कंपनियों की प्रवृत्ति ब्रांड के अंदर ही ज्यादा ब्रांड तथा उत्पाद अंतर निर्मित करने की होती है। कभी-कभी वह लक्षित प्रत्येक बाजारों के लिए कतिपय विशिष्ट सेवा अथवा उत्पाद ब्रांड का निर्माण करेंगी। प्रॉडक्ट ब्रांडिंग के मामले में इसका उद्देश्य खुदरा विक्रेताओं को लाभान्वित करना है।

चुनौतियां ब्रांड मैनेजरों कीः- ब्रांड मैनेजरों के सामने ये चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं कि ब्रांड के संदेश को ताजा तथा प्रासंगिक बनाए रखते हुए एकसंगत ब्रांड का निर्माण करें। पुराने ब्रांड की पहचान परिष्कृत बाजारों के साथ जोड़ने से गड़बड़ी हो सकती है। इसके लिए उसे दोबारा विजन स्टेटमेंट तथा मिशन स्टेटमेंट आरंभ करने की आवश्यकता होगी। इससे जनसांख्यिकीय विकास से उनके लक्षित बाजार में ब्रांड पहचान गुम हो सकती है। इसके लिए ब्रांड को दोबारा स्था पित करने की आवश्येकता होती है। इस प्रक्रिया को रिब्रांडिंग कहा जाता है।

क्याय करता है ब्रांड मैनेजरः- ब्रांड मैनेजर का सबसे पहला काम अपने उत्पारद को इस तरह से निर्मित करना है कि वह उपभोक्ताहओं के बीच आसानी से लोकप्रिय हो जाए तथा उत्पातद की पहचान बन जाए। कभी-कभार ब्रांड मैनेजर अपना कार्य सीमित कर वित्तीय और बाजार के निष्पाएदन लक्ष्यों पर ज्यानदा ध्याबन देते हैं। अधिकांश ब्रांड मैनेजर अल्प कालीन लक्ष्यर निर्धारित करते हैं, क्योंकि उपनका कंपनसेशन पैकेज अल्प कालीन व्यपवहार के लिए ही उपयुक्त होता है। अल्पलकालीन लक्ष्यों को दीर्घकालीन लक्ष्यों की दिशा में मील के पत्थवर के रूप में देखा जाता चाहिए। किसी ऐसी कंपनी में जो अलग-अलग तरह के उत्पीदों पर कार्य करती है, वहां कुछ ब्रांडों का दूसरे ब्रांडो से टकराव होने लगता है। इसके लिए कॉर्पोरेट लक्ष्यर काफी व्यापक होना चाहिए, ताकि टकराव की संभावना को टाला जा सके।

खुल जाते हैं जॉब के रास्तेः- करियर काउंसल परवीन मल्होत्रा कहती हैं कि ब्रांड मैनेजमेंट कोर्स पूरा करने के बाद स्टूडेंट्स के लिए कई रास्ते खुल जाते हैं। वे प्रोडक्ट मैनेजर या ब्रांड डेवलपमेंट मैनेजर के रूप में कार्य की शुरूआत कर सकते हैं। आमतौर पर कोर्स पूरा करने का बाद स्टूडेंट्स का प्लेसमेंट हिन्दुस्तान लीवर, मंहिद्रा ऐंड मंहिद्रा, गोदरेज, सन फार्मा, आदित्य बिरला ग्रुप, रिलायंस, डाबर, बजाज, एफएमसीजी कंपनी, नेस्ले, सिप्ला, कोका-कोला, फार्मास्युटिकल कंपनी, हेल्थकेयर आदि में हो जाती है। इन दिनों फार्मा सेक्टर में ब्रांड मैनेजमेंट से जुड़े लोगों की खूब मांग देखी जा रही है। पिरामल हेल्थकेयर बद्दी, हिमाचल प्रदेश में क्वालिटी कंट्रोल के हेड शैलेंद्र कुमार कहते हैं कि फार्मा इंडस्ट्री में ब्रांड मैनेजमेंट से जुड़े लोगों के लिए करियर इसलिए भी बेहतर है, क्योंकि फार्मा कंपनियां कोई न कोई प्रोडक्ट आए दिन मार्केट में उतारती ही रहती हैं। खाकसर जब कोई नया प्रोडक्ट मार्केट में उतारा जाता है, तो बिक्री बढ़ाने और प्रमोशन के लिए ब्रांड मैनेजर की जरूरत होती ही है।

कम्युनिकेशन स्किलः- ब्रांड से जुड़े लोगों का काम प्रोडक्ट की छवि को मार्केट में बेहतर बनाने का होता है, इसलिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल की जरूरत होती है। साथ ही, मार्केट की स्थिति को भांपते हुए हर वक्त एलर्ट रहना चाहिए। सफल ब्रांड मैनेजर बनने के लिए क्रिएटिव माइंडेड होना बेहद जरूरी है। इसके अलावा, मार्केट रिसर्च, एनालिसिस, सेल्स और प्रमोशनल प्लानिंग जैसी स्किल भी जरूर होनी चाहिए।

आकर्षक सैलरीः- ब्रांड मैनेजर का जॉब काफी शानदार होती है और इसपर कंपनी का काफी दामोदार होता है। यही वजह है कि इनकी सैलरी भी काफी अच्छी होती है। शुरूआती दौर में आपकी सैलॅरी 10 से 15 हजार रुपये हो सकती है। लेकिन अनुभव और कामयाबी हासिल करने के बाद आपकी कमाई लाखों में हो सकती है।

प्रमुख संस्थान...

-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (कोलकाता, अहमदाबाद, बेंगलुरु, लखनऊ, इंदौर)

-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस ऐंड मैनेजमेंट, रांची

-सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, पुणे

-एसपी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ऐंड रिसर्च, मुंबई

-जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ऐंड रिसर्च ऐंड इंटरप्रेन्योरशिप, बेंगलुरु

-इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर

-एमपी बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बेंलगुरु

-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लानिंग मैनेजमेंट, नई दिल्ली

-भारतीय विद्या भवन, कोलकाता

राजस्थान 14 साल बाद आईपीएल के फाइनल में

अहमदाबाद। तेज गेंदबाजों प्रसिद्ध कृष्णा (22 रन पर तीन विकेट) और ओबेद मकॉए (23 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी और जबरदस्त फॉर्म में चल रहे जोस बटलर (नाबाद 106) की बेहतरीन शतकीय पारी से राजस्थान रॉयल्स ने शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को एकतरफा अंदाज में 11 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराकर 14 साल के लम्बे अंतराल के बाद आईपीएल के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

बेंगलुरु ने आईपीएल के क्वालीफायर दो में 20 ओवर में आठ विकेट पर 157 रन बनाये लेकिन राजस्थान ने 18.1ओवर में तीन विकेट पर 161 रन बनाकर जीत अपने नाम की। राजस्थान ने 2008 में पहले आईपीएल के फाइनल में पहुंचकर खिताब जीता था। उसके बाद से अब जाकर 2022 में राजस्थान ने फाइनल में जगह बनायी है। बटलर ने अपना शतक पूरा कर विराट कोहली के 2016 में चार शतक बनाने के रिकॉर्ड की बराबरी की।

बटलर ने अपनी शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए 60 गेंदों पर 106 रन में 10 चौके और छह छक्के लगाए और टीम को जीत दिलाकर नाबाद पवेलियन लौटे। उन्होंने टूर्नामेंट में अपना चौथा शतक बनाकर विराट के रिकॉर्ड की बराबरी की और इस सत्र में अपने रनों की संख्या 800 के पार पहुंचा दी।

पहले ओवर में 16 रन ठोकने वाले युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 13 गेंदों पर 21 रन में एक चौका और दो छक्के लगाए। कप्तान संजू सैमसन ने 21 गेंदों पर एक चौके और दो छक्कों की मदद से 23 रन बनाये। बटलर ने 19वें ओवर की पहली गेंद पर विजयी छक्का मारा।राजस्थान का अब 29 मई को होने वाले फाइनल में इसी मैदान पर गुजरात टाइटंस से मुकाबला होगा।

इससे पहले बेंगलुरु के लिए रजत पाटीदार ने एक बार फिर महत्वपूर्ण पारी खेलते हुए 42 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 58 रन बनाये । कप्तान फाफ डुप्लेसी ने 25 और ग्लेन मैक्सवेल ने 24 रन बनाये। विराट कोहली ने निराश किया और सात रन बनाकर आउट हो गए।

प्रसिद्ध कृष्णा ने विराट कोहली को फंसाया अपने जाल में, शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद थी ऑफ स्टंप के बाहर, कोहली खड़े खड़े उसे ऑफ साइड पर खेलना चाहते थे। अतिरिक्त उछाल के कारण चकमा खा गए, बाहरी किनारा लेकर गेंद गई विकेटकीपर सैमसन के दायीं तरफ जिन्होंने आसान कैच को पूरा किया। कोहली थर्ड मैन पर खेलने को देख रहे थे लेकिन अब मैदान के बाहर जाकर मैच देखना होगा।

डुप्लेसी और रजत पाटीदार ने दूसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़े लेकिन ओबेद मकाय ने डुप्लेसी का विकेट झटक लिया। कैच रविचंद्रन अश्विन ने लपक लिया शॉर्ट थर्ड मैन पर। लेंथ गेंद थी बाहर जा रही थी, ओवर द विकट फेंका था मेकॉए ने। फाफ रूम बनाकर कवर के ऊपर से खेलने गए लेकिन गेंद ने किनारा ले लिया फाफ के बल्ले का। आखिरकार राजस्थान के खेमे में जोश भर गया जबकि फाफ काफी निराश होकर पवेलियन का रुख करते हुए। फाफ ने 27 गेंदों पर 25 रन में तीन चौके लगाए।

ट्रेंट बोल्ट ने ग्लेन मैक्सवेल को आउट कर राजस्थान को महत्वपूर्ण सफलता दिलाई। गेंद उतनी अच्छी नहीं थी लेकिन बोल्ट ने महत्वपूर्ण विकेट हासिल कर लिया। बैकऑफ द लेंथ गेंद थी, लेग स्टंप पर, जिसे मैक्सवेल ने पुल कर दिया था लॉन्ग लेग की तरफ। मकॉए ने आगे गोता लगाते हुए गेंद को लपक लिया एकदम जमीन के पास, स्लोअर गेंद की थी बोल्ट ने, जिस वजह से मैक्सवेल को उतनी ताकत नहीं मिली गेंद पर। मैक्सवेल ने 13 गेंदों पर 24 रन में एक चौका और दो छक्के लगाए।

अश्विन ने शानदार अंदाज में खेल रहे रजत पाटीदार को आउट कर राजस्थान के खेमे में खुशी का माहौल भर दिया। अश्विन की गुड लेंथ की गेंद थी, कैरम गेंद थी ऑफ स्टंप के बाहर, पाटीदार ने प्रहार किया फ्रंटफुट पर आकर, लेकिन लॉन्ग ऑफ पर बटलर ने पैरों पर थोड़ा उठते हुए गेंद को लपक लिया सीमारेखा के बिल्कुल पास। पाटीदार ने 42 गेंदों पर 58 रन में चार चौके और तीन छक्के लगाए।

मकॉए ने महिपाल लोमरोर (8)को आउट कर राजस्थान को एक और कामयाबी दिलाई। लोमरोर ने कट किया था छोटी गेंद पर, चौथे स्टंप से, गेंद हवा में उछली, और चली गयी बैकवर्ड प्वाइंट पर खड़े अश्विन के पास। स्लोअर गेंद की थी महिपाल को मकॉए ने दूसरा कैच लपका है अश्विन ने।

प्रसिद्ध कृष्णा ने 19वें ओवर की पहली गेंद पर दिनेश कार्तिक और अगली गेंद पर वनिंदु हसरंगा को पवेलियन भेज दिया। कार्तिक ने छह रन बनाये जबकि हसरंगा का खाता नहीं खुला। शाहबाज अहमद आठ गेंदों में 12 रन बनाकर नाबाद रहे।

तीनों फॉर्मेट में नंबर एक बल्लेबाज बन सकते हैं बाबर: कार्तिक

नई दिल्ली। भारतीय टीम में वापसी कर रहे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का मानना है कि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम जल्द ही क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में नंबर एक रैंक बल्लेबाज बन सकते हैं। बाबर फि लहाल टी20 और वनडे के नंबर एक बल्लेबाज हैं। कार्तिक को पूरा भरोसा है कि वह जल्द ही इतिहास के ऐसे पहले बल्लेबाज बन जाएंगे, जो तीनों फॉर्मेट में नंबर एक हों। द आईसीसी रिव्यू कार्यक्रम में संजना गणेशन से बात करते हुए कार्तिक ने कहा, "उनका तीनों फॉर्मेट में शीर्ष पर पहुंचना शत प्रतिशत तय है। वह एक स्तरीय खिलाड़ी हैं, जो फि लहाल अपनी बल्लेबाजी के शीर्ष पर हैं। वह तीनों फॉर्मेट खेलते हैं और अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। उन्हें आने वाले कुछ समय में काफी टेस्ट क्रिकेट भी खेलना है। मुझे लगता है कि उनमें यह क्षमता है और वह ऐसा कर सकते हैं।" कार्तिक का मानना है कि बाबर ने अपनी बल्लेबाजी तकनीक में जो बदलाव किए हैं, इससे उनको फायदा हो सकता है। उन्होंने कहा, "बल्लेबाजी के दौरान उनका संतुलन और टाइमिंग देखने योग्य है। चाहे फ्रंटफुट हो या बैकफुट वह गेंद को जबरदस्त तरीके से स्ट्राइक करते हैं। यहीं उन्हें विशेष खिलाड़ी बनाती है। वर्तमान समय में खेल रहे क्रिकेटरों में फि लहाल उनके पास अभी सबसे अधिक समय (टाइम) है। अगर आप अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं तो आपको लगातार कुछ न कुछ बदलाव करना होता है। यह बदलाव अगर एक प्रतिशत भी है तो भी आपको उसका बड़ा फायदा मिल सकता है।" बाबर फि लहाल टेस्ट क्रिकेट में पांचवें नंबर के बल्लेबाज हैं। उनके ऊपर मार्नस लाबुशेन और 'फैब फोर' के तीन खिलाड़ी जो रूट, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन हैं।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को 10 विकेट से हराकर जीती श्रृंखला

ढाका। असित फर्नांडो की तूफानी गेंदबाजी से श्रीलंका ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन शुक्रवार को यहां बांग्लादेश को 10 विकेट से हराकर दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला 1-0 से जीत ली।

बांग्लादेश का स्कोर दूसरी पारी में एक समय पांच विकेट पर 156 रन था और लग रहा था कि मेजबान टीम मैच ड्रॉ कराने की ओर बढ़ रही है लेकिन फर्नांडो (51 रन पर छह विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के आगे टीम 169 रन पर ढेर हो गई। पहली पारी में 93 रन देकर चार विकेट चटकाने वाले फर्नांडो ने करियर में पहली बार मैच में 10 विकेट हासिल किए।

श्रीलंका को 29 रन का लक्ष्य मिला जिसके बाद ओशादा फर्नांडो (नौ गेंद में नाबाद 21 रन) और कप्तान दिमुथ करूणारत्ने (नाबाद सात) ने तीसरे ओवर में ही मेहमान टीम का स्कोर बिना विकेट खोए 29 रन तक पहुंचाकर उसे जीत दिला दी। अनुभवी शाकिब अल हसन (58) और लिटन दास (52) ने इससे पहले बांग्लादेश से पारी के हार के खतरे को टाला।

बांग्लादेश ने दिन की शुरूआत चार विकेट पर 34 रन से की। इस समय टीम को पारी की हार का खतरा टालने के लिए 107 रन की दरकार थी। टीम ने दिन के आठवें ओवर में ही अच्छी फॉर्म में चल रहे मुशफिकुर रहीम (23) का विकट गंवा दिया जिन्हें कासुन रजिता (40 रन पर दो विकेट) ने नीची रहती गेंद पर बोल्ड किया।

श्रीलंका की पारी में 96 रन पर पांच विकेट चटकाने वाले शाकिब ने इसके बाद मोर्चा संभाला और कुछ आकर्षक शॉट खेले।

पहली पारी में करियर की सर्वश्रेष्ठ 141 रन की पारी खेलने वाले लिटन ने सतर्कता से बल्लेबाजी की। उन्हें मैदानी अंपायर ने नौ रन के निजी स्कोर पर आउट दिया लेकिन डीआरएस की मदद लेने पर मैदानी अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा।

विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन ने बाएं हाथ के स्पिनर प्रवीण जयविक्रम की गेंद पर एक रन के साथ अपने 33वें टेस्ट में दो हजार रन पूरे किए। शाकिब ने तेजतर्रार पारी खेलते हुए आफ स्पिनर धनंजय डिसिल्वा पर चौके के साथ 62 गेंद में 27वां अर्धशतक पूरा किया। लिटन ने भी 130 गेंद में 13वां अर्धशतक पूरा किया लेकिन इसके तुरंत बाद फर्नांडो को उन्हीं की गेंद पर वापस कैच थमा दिया जिसके बाद बांग्लादेश की पारी ढह गई। उन्होंने शाकिब के साथ छठे विकेट के लिए 103 रन जोड़े और अपनी पारी के दौरान 135 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके मारे।

संक्षिप्त समाचार

अखिल भारतीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता 29 मई से कोयंबटूर में

कोयंबटूर। रेलवे और वायुसेना समेत देश भर की बड़ी टीमें यहां 29 मई से शुरू हो रहे अखिल भारतीय पुरुष और महिला बास्केटबॉल टूर्नामेंट में खिताब के लिए दावेदारी पेश करेंगी। पुरुषों के लिए नचिमुथु गौंडर कप के 55वें सत्र में नौ टीमें हिस्सा लेंगी तो वहीं महिलाओं के वर्ग में 19वीं सीआरआई पंप्स ट्रॉफी में आठ टीमों के बीच मुकाबला होगा। आयोजकों ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पुरुष वर्ग में खिताब की दावेदार भारतीय रेलवे के अलावा भारतीय वायु सेना (नई दिल्ली), भारतीय नौसेना, लोनावाला, केरल राज्य विद्युत बोर्ड (केएसईबी) और केरल पुलिस (दोनों तिरुवनंतपुरम), बैंक ऑफ बड़ौदा, बेंगलुरु स्पोर्ट्स हॉस्टल ऑफ एक्सीलेंस और टीएनबीए, टीआरडब्ल्यू (दोनों चेन्नई) और कोयंबटूर जिला बास्केटबॉल संघ (सीडीबीए) की टीमें चुनौती पेश करेंगी। आयोजकों ने बताया, ह्यह्यमहिला वर्ग में पूर्वी रेलवे (कोलकाता), दक्षिण पश्चिम रेलवे (हुबली), दक्षिण मध्य रेलवे (सिकंदराबाद), मध्य रेलवे (मुंबई) केरल राज्य बिजली बोर्ड (केएसईबी) और केरल पुलिस (दोनों तिरुवनंतपुरम), राइजिंग स्टार (चेन्नई) और सीडीबीए की टीमें हिस्सा लेगी। आयोजकों के अनुसार, टूर्नामेंट लीग और फिर नॉकआउट आधार पर होगा और फाइनल तीन जून को होगा।

आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए कार्तिक को फटकार

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को कोलकाता में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ अपनी टीम के एलिमिनेटर मुकाबले के दौरान आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई गई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की प्रेस विज्ञप्ति में हालांकि यह जिक्र नहीं है कि असल में उन्होंने क्या अपराध किया। विज्ञप्ति में कहा गया, ह्यह्यकार्तिक ने आईपीएल आचार संहिता के नियम 2.3 के अंतर्गत लेवल एक का अपराध और सजा स्वीकार कर ली है। आचार संहिता के तहत लेवल एक के अपराध में मैच रैफरी का फैसला अंतिम और बाध्य होता है। बेंगलोर ने बुधवार को एलिमिनेटर में लखनऊ सुपर जाइंट्स को 14 रन से हराया।

दिल्ली स्टेट रैंकिंग प्राइज मनी बैडमिंटन के पुरस्कार वितरण समारोह में किरन रिजिजू होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल बैडमिंटन एसोसिएशन' (डीसीबीए) द्वारा आयोजित 'दिल्ली स्टेट रैंकिंग प्राइज मनी बैडमिंटन चैंपियनशिप 2022' का पुरस्कार वितरण समारोह आगामी 29 मई को शाम चार बजे दिल्ली विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मेंभारत सरकार के विधि और न्याय मंत्री किरन रिजिजू शामिल होंगे। केंद्रीय विधि और न्याय मंत्री किरन रिजिजू पूर्व में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री रह चुके हैं। रिजिजू ने युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री रहते हुए युवाओं को प्रेरित करने और खेल को बढ़ावा देने के लिए बड़े कदम उठाए थे और वह खिलाड़ियों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। डीसीबीए अध्यक्ष डॉ. अमीता सिंह ने बताया कि केंद्रीय मंत्री रिजिजू के द्वारा पुरस्कृत होने की सूचना मात्र से खिलाड़ियों में बेहद उत्साह है। डॉ. अमीता सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुरस्कार वितरण समारोह में भारत सरकार के विधि और न्याय मंत्री किरन रिजिजू मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे।

सब जूनियर राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप: हरियाणा और एसएससीबी चैंपियन बने

बेल्लारी (कर्नाटक)। सेना खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) और हरियाणा के मुक्केबाजों ने 2022 सब जूनियर राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में यहां क्रमशः लड़कों और लड़कियों के वर्ग का टीम चैंपियनशिप खिताब जीता। गत राष्ट्रीय एलीट पुरुष चैंपियन एसएससीबी ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया। टीम के सभी नौ मुक्केबाज सर्वसम्मति से अपने मुकाबले जीतने में सफल रहे जिससे उसने लड़कों की टीम चैंपियनशिप ट्रॉफी जीती। एसएससीबी ने 73 अंक जुटाए और 10 पदक के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर रहा। एसएससीबी के आकाश बधवार सबसे प्रभावी मुक्केबाज रहे। उन्होंने लड़कों के 40 किग्रा फाइनल में हरियाणा के विनीत कुमार को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता। आकाश को चैंपियनशिप का 'सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज' चुना गया। हरियाणा और उत्तर प्रदेश ने क्रमशः 58 और 24 अंक के साथ लड़कों के वर्ग में दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। हरियाणा के महेश (46 किग्रा) को 'सबसे प्रतिभावान मुक्केबाज' जबकि झारखंड के अनीष कुमार सिन्हा को 'सर्वश्रेष्ठ चैलेंजर पुरस्कार' दिया गया। लड़कियों के वर्ग में हरियाणा ने 60 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। टीम 10 पदक के साथ शीर्ष पर रही। पुणे की आर्या को 'सबसे प्रतिभावान मुक्केबाज' चुना गया जबकि मणिपुर की जॉयश्री देवी को 'सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज' चुना गया। गोवा की चंद्रिका पुजारी 'सर्वश्रेष्ठ चैलेंजर' चुनी गई।

साहा रणजी ट्रॉफी नॉकआउट में खेलने को तैयार नहीं : सीएबी

कोलकाता। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के साथ अनबन के बाद ऋद्धिमान साहा बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी में खेलते नहीं दिखेंगे। अगर ये मुद्दे बने रहते हैं तो 37 वर्षीय क्रिकेटर ने अपने घरेलू करियर को किसी दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगा है। यह सब फरवरी में शुरू हुआ था, जब सीएबी के संयुक्त सचिव देबारत्ता दास ने कहा था कि रणजी ट्रॉफी मैचों में नहीं खेलने के लिए साहा के पास ढेरों बहाने हैं।

साहा की पत्नी रोमी ने कहा वह इस बयान से आहत हुए हैं और कैब के सचिव अविषेक डालमिया ने उनसे संपर्क करके कहा है कि दास का यह बयान निजी है और बोर्ड अपने वरिष्ठ खिलाड़ियों के बारे में ऐसा नहीं सोचता है। फिर भी यह देखते हुए कि उनका नाम सार्वजनिक तरीके से घसीटा गया, साहा चाहते थे कि इस मुद्दे को फिर से बंगाल के लिए खेलने से पहले सुलझाया जाए। डालमिया मान गए और दोनों ने फैसला किया कि वे आईपीएल की समाप्ति के बाद इस पर विचार करेंगे। तब 16 मई को नॉकआउट के लिए बंगाल की टीम की घोषणा होती है और साहा इसमें अपना नाम देखकर चौंक जाते हैं।

ईएसपीएनक्रिकइंफो को पता चला है कि उन्होंने डालमिया के साथ इस सप्ताह एक और बातचीत की है जहां उन्होंने दास की टिप्पणियों के बारे में अपना रुख दोहराया और कहा है कि अगर यह केस सुलझाया नहीं जाता है तो वह सीएबी से एनओसी मांगेंगे। अब इन सब का असर यह हुआ है कि साहा छह जून से झारखंड के खिलाफ होने वाले क्वार्टर फाइनल में बंगाल टीम का हिस्सा नहीं होंगे।

गुरुवार को जारी सीएबीकी प्रेस विज्ञप्ति में डालमिया ने कहा, "बंगाल क्रिकेट संघ चाहता था कि ऋद्धिमान साहा इस महत्वपूर्ण मोड़ पर बंगाल के लिए खेलें, खासकर जब बंगाल ग्रुप स्टेज के अंत में देश की शीर्ष रैंक वाली टीम बनने के बाद रणजी ट्रॉफी जीतने के लिए नॉकआउट चरण में लड़ रहा होगा। मैंने यही बात साहा को बताई और उनसे मांग की कि वह अपने फैसले को बदल लें। हालांकि, साहा ने अब हमें बताया है कि वह रणजी नॉकआउट नहीं खेलने वाले हैं।" दास का यह कमेंट तब आया था जब साहा ने रणजी ट्रॉफी 2022 की शुरूआत में निजी कारणों से नहीं खेलने का निर्णय किया था। यही वह समय था जब उन्हें भारत की टेस्ट टीम से बाहर किया गया था।

22 फरवरी को दास ने संघबाद प्रतिदिन से कहा था, "मुझे बताओ, साहा को क्यों बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी नहीं खेलना चाहिए? वह भारतीय टीम में नहीं हैं, तो क्यों उन्हें बंगाल के लिए नहीं खेलना चाहिए? ऐसे में हमने यह महसूस किया है कि वह बंगाल के लिए अपनी कोई ज़िम्मेदारी नहीं समझते हैं।

बांग्लादेश टेस्ट टीम मानसिक तौर पर कमजोर है : शाकिब

ढाका। बांग्लादेश ने टेस्ट मैच की चौथी शाम को खुद को चार विकेट के नुकसान पर 23 रन पर पाया और यह पहली सुबह बनाए गए 24 पर पांच से अलग नहीं था। फलस्वरूप शाकिब अल हसन ने कहा, "हमें अपनी मानसिकता में सुधार लाना ही होगा। मुझे लगता है हम असफलता से डरने लगे हैं।"

तमीम इकबाल ने अपने लंबी टेस्ट करियर में पहली बार 'पेअर' अर्थात दोनों पारियों में शून्य बनाए और टेस्ट इतिहास में केवल नौवीं बार ऐसा घटा कि किसी टीम के शीर्ष के दो बल्लेबाजों ने एक टेस्ट में तीन डक बनाए। बांग्लादेश ने इस टेस्ट में अब तक आठ डक बनाए हैं जो उनके लिए टेस्ट इतिहास में दूसरी बार हुआ है। शीर्ष चार बल्लेबाजों ने मैच में कुल 34 रन बनाए हैं जो टेस्ट क्रिकेट में न्यूनतम योग के मामले में उनके लिए दूसरा सबसे कम है। शाकिब ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "हमारी टीम की फि टनेस बहुत अच्छी है। हम काफी समय मैदान पर बिताने के आदी हैं। हमने इस सीरीज में 400 (408) ओवरों की फील्डिंग की है। लिटन ने 400 ओवर कीपिंग की और 141 रन बनाए। मुशफि क भाई ने (पहली पारी में) 175 रन बनाए। हम शारीरिक रूप से मजबूत हैं लेकिन मानसिक तौर पर नहीं। हमने दबाव अच्छे से नहीं संभाला है। हम दूसरी पारी में खराब खेल रहे हैं। हमारे पास आज इसे बदलने का मौका था लेकिन हमने इसे गंवाया है।" शाकिब ने कहा कि नजमुल हुसैन शांतो के रन आउट से साफ जाहिर हो गया था कि बल्लेबाज शांत मन से नहीं खेल रहे थे।

इंडियन ओपन सर्फिंग के तीसरे संस्करण का हुआ उद्घाटन

मंगलुरु। मंगलुरु के खूबसूरत बीच पनम्बुर पर शुक्रवार से इंडियन ओपन सर्फिंग के तीसरे संस्करण की शुरूआत हो गयी। तीन दिवसीय प्रमुख सर्फिंग प्रतियोगिता सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की आधिकारिक राष्ट्रीय चैंपियनशिप है। चेन्नई के ग्रोम्स सर्फर, किशोर कुमार ने परीक्षण परिस्थितियों में अपने प्रदर्शन से सभी को चौंका दिया। 14.50 के टॉप स्कोर के साथ उन्होंने सेमीफाइनल में जगह बनाई। जजों द्वारा टॉप स्कोर प्राप्त करने वाले अन्य सर्फर, मणिकंदन डी (12.6), रमेश बुधियाल (12.33), सूर्या पी (11.9), सतीश सरवनन (11.9) और अजेश अली (11.66) थे।

पहले दिन के राउंड में तमिलनाडु के सर्फर्स ने मेन्स ओपन और ग्रोम्स (अंडर16) दोनों श्रेणियों में दूसरे सर्फरों पर हावी रहे । पुरुषों की ओपन सर्फ श्रेणी से कुल 16 सर्फर कल सुबह सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए क्वार्टर फाइनल में भिड़ेंगे । पुरुष ओपन वर्ग में क्वार्टर फाइनलिस्ट मणिकंदन डी, रघुल पी, सूर्या पी, श्रीकांत डी, हरीश एम, रुबन वी, विग्नेश वी, सतीश सरवनन, अजेश अली, शिवराज बाबू, मणिकंदन एम, मणिवन्नन टी, नितिश्वरुन टी, रमेश बुधियाल, संजयकुमार एस एवं संथोसन एस. हैं।

पुरुषों की ओपन सर्फ श्रेणी में जजों द्वारा आज 12.6 का टॉप स्कोर प्राप्त करने वाले मणिकंदन डी ने कहा, ह्लपरिस्थितियां चुनौतीपूर्ण थीं और प्रतिस्पर्धा भी उतनी ही चुनौतीपूर्ण थी। कल के क्वार्टरफाइनल के लिए मैदान काफी मजबूत है और सेमीफाइनल में कोई भी अपनी जगह बना सकता है। मेरा एकमात्र उद्देश्य अपनी प्राकृतिक शैली को सामने लाना और सेमीफाइनल में जगह बनाना होगा।"

कर्नाटक राज्य की तरफ से शीर्ष प्रदर्शन करने वाले और पुरुषों की ओपन श्रेणी में एकमात्र उम्मीद रमेश बुधियाल ने कहा, ह्लमैं मंगलुरु में इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग की मेजबानी के लिए सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया को धन्यवाद देना चाहता हूं। लहरें आज परीक्षा ले रही थीं और प्रतियोगिता कठिन थी, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं क्वार्टर फाइनल में जगह बना सका। अब मेरा लक्ष्य कल सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए क्वार्टर फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ देना है।

ग्रोम्स (अंडर 16) श्रेणी में तमिलनाडु के सर्फरों ने क्लीन स्वीप किया और आठ सेमीफाइनलिस्ट में से सात सर्फर्स तमिलनाडू राज्य के हैं, जबकि कर्नाटक के स्थानीय सर्फर लिखित एस ने कर्नाटक की उम्मीदों को जीवित रखने के लिए इस श्रेणी में अकेले सेमीफाइनलिस्ट हैं। अन्य सात सेमीफाइनलिस्ट किशोर कुमार, जीवन एस, लोगेश एस, नवीनकुमार आर, जीवननाथन, तायिन अरुण और रंजीत कुमार हैं।

अपना सेमीफाइनल स्लॉट बुक करने के बाद सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के भविष्य के प्रतिभा कार्यक्रम के किशोर कुमार ने कहा, ह्लमैं आज अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर सर्फिंग नहीं कर रहा था, क्योंकि यहाँ पर लहरें चेन्नई के समुद्र से बहुत अलग हैं और मुझे उन्हीं लहरों की आदत है। हालांकि, मैं खुश हूं कि मैं अच्छा कर सका और सेमीफाइनल में जगह बना सका। मुझे उम्मीद है कि कल जब मैं लहरों का सामना करूंगा, तो मैं और अधिक सहजता के साथ करूं और बेहतर प्रदर्शन के साथ फाइनल में जगह बनाऊं ।

इससे पहले आज, दिन की शुरूआत अल्वास एजुकेशन फाउंडेशन के छात्रों के एक ऊजार्वान प्रदर्शन के साथ हुई, जिन्होंने कर्नाटक के 'डोलु कुनिथा' नामक एक लोकप्रिय ड्रम नृत्य रूप का प्रदर्शन किया। इसके बाद इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग प्रतियोगिता का आधिकारिक उद्घाटन, न्यू मैंगलोर पोर्ट अथॉरिटी के अध्यक्ष, डॉ. ऐवी रमना द्वारा किया गया।

27 से 29 मई 2022 तक मंगलुरु के पनम्बुर बीच पर मंत्रा सर्फ क्लब द्वारा सर्फिंग के भारतीय ओपन की मेजबानी की जा रही है। कर्नाटक टूरिज्म (पर्यटन) टाइटल पार्टनर है जबकि चेन्नई का टीटी ग्रुप एसोसिएट पार्टनर है । एक्शन कैमरा 'गो प्रो' एक्शन पार्टनर है।